



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



तं० २५] मई विल्ली, शनिवार, जून २१, १९८० (ज्येष्ठ ३१, १९०२)

No. 25] NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 21, 1980 (JYAISTHA 31, 1902)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड १

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीकार, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई विल्ली-110011, दिनांक १९ मई १९८०

सं० ए० ३२०१५/१/८०-प्रशा० II—संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्थायी अनुसंधान सहायक (अ० तथा सां०) तथा स्थानापन्न अनुसंधान अन्वेषक श्री रामसिंह को, सचिव, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ३-६-१९८० से ३१-७-१९८० तक की अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप नियंत्रक (त० सं०) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

एस० बालचन्द्रन,
अधर सचिव

कृते सचिव,
संघ लोक सेवा आयोग

नई विल्ली-110011, दिनांक २० मई १९८०

सं० ए० ३२०२४/१/८०-प्रशा०—प्रध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा स्थायी अधिकारी (हाल०) श्री एम० एल०

1—116 GI/80

ध्वन को १-६-१९८० से ३१-८-१९८० तक की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप नियंत्रक (त० सं०) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

एस० बालचन्द्रन,

अधर सचिव

कृते प्रध्यक्ष

संघ लोक सेवा आयोग

नई विल्ली-110011, दिनांक १२ मई १९८०

सं० ए० ३२०१४/१/८०-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में निम्नलिखित चयन प्रेड वैयक्तिक सहायकों (ग्रेड-ग) वैयक्तिक सहायकों (क० स० स्ट० से० का ग्रेड ग) को राष्ट्रपति द्वारा नीचे लिखे तारीख से उसी संवर्ग में पूर्णतः

(6889)

सहायक (के० स० स्ट० से० का ग्रेड ख) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।—

क्रम सं.	नाम	धारित नियमित पद	पद जिस पर तदर्थ नियुक्ति अवधि जिस पर तदर्थ अभ्युक्ति का गई नियुक्ति की गई है
1.	श्री एम० पौ० मेहरा		
2.	श्री शोभनी० देवी०		
3.	श्री हुकम चन्द		
4.	श्री जतिन्द्र लाल	ग्रेड ग स्टेनोग्राफर का स्थानापन्न अध्यन ग्रेड तथा स्थायी वैयक्तिक सहायक (के० स० स्ट० से० का ग्रेड ग)।	1-5-80 से 31- अ० जा० के० 7-80 तक लिए आरक्षित अध्यवा आगामी अध्यन सुधी आदेशों तक, रिक्तियों के जो भी पहले पद पर हो।
5.	श्री एच० सी० कटोच		
6.	श्री टी० आर० शर्मा		
7.	श्री के० एम० भट्टाचारी	स्थायी वैयक्तिक सहायक (के० स० स्ट० से० का ग्रेड ग)	वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्ट० से०) का ग्रेड ख 30-4-80 से 18- 6-80 तक अध्यवा आगामी अध्यन सुधी आदेशों तक, जो भी पहले हो। निजी सचिवों के 4 पदों को अस्थायी तौर पर पदावधत करने पर उन के स्थान पर।
			1-5-80 से 31- 7-80 तक अध्यवा आगामी अध्यन सुधी आदेशों तक, जो भी पहले हो।
			26-4-80 से 26- 6-80 तक अध्यवा आगामी अध्यन सुधी आदेशों तक, जो भी पहले हो। परिणामी अंखलाहुरी वद्ध रिक्ति
			26-4-80 से 25- 6-80 तक, अध्यवा आगामी अध्यन सुधी आदेशों तक, जो भी पहले हो।

2. उपर्युक्त व्यक्तियों को यह अवगत कर लेना चाहिए कि वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्ट० से० का ग्रेड ख) के पद पर उनकी नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर है और उन्हें के० स० स्ट० से० का ग्रेड ख में विलयन का अध्यवा उक्त ग्रेड में वरिष्ठता का कोई हक नहीं होगा। सर्वश्री मेहरा, देवरा, हुकम चन्द, कटोच और शर्मा को उनके नामों के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिए के० स० स्ट० से० का ग्रेड ख के पद पर तदर्थ नियुक्तियाँ इस आधार पर की गई हैं कि इसका

अनुमोदन कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग द्वारा कर दिया जाएगा।

दिनांक 28 मई 1980

सं० ए० 38013(3) 79-प्रशा० III—संघ सोक सेवा प्रायोग के स्थायी सहायक तथा अनुभाग अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्यरत श्री के० एल० शर्मा को राष्ट्रपति द्वारा कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग के का० जा० स०

33(12) 73-स्था०(क) दिनांक 24-11-1978 की शर्तों के अनुसार 31-5-1980 के अपराह्न से वार्षिक निवारण आयु हो जाने के कारण सरकारी सेवा से निवृति को सहर्ष अनुमति प्रदान की गई है।

एस० बालाघासन,
अवधि सचिव (प्रशासन प्रभारी)
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय
का० एवं० प्र० सु० विभाग
केन्द्रीय अन्वेषक व्यूरो
नई दिल्ली, दिनांक 28 मई 1980

सं० ए०-१/५(१६)/७३-प्रशासन-१—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से मध्य प्रदेश पुलिस से प्रतिनियुक्त श्री पौ० सी० श्रीवास्तव भारतीय पुलिस सेवा (मध्य प्रदेश) को दिनांक 1-४-७६ से स्थायी महाहृति हो जाने पर मूल रूप से पुलिस अधीक्षिक, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 2 जून 1980

सं० ए० १९०१९/२/८०-प्रशा० ५—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री बो० एम० सहगल, भारतीय पुलिस सेवा (मध्य प्रदेश-१९५३) को दिनांक 29-५-१९८० के पूर्वाह्न से अपने आदेश तक के लिए संयुक्त निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषक व्यूरो एवं पुलिस विशेष महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना के रूप में नियुक्त करते हैं।

का० ला० ग्रोवर, प्रणासनिक अधिकारी (स्था०)

महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-११०००१ दिनांक 29 मई, 1980

सं० ओ० दो० १०८६/७८ स्थापना—राष्ट्रपति ने कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी जी० डी० ओ० प्रेड-II) डा० एस० राजन, मुप सेंटर केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, अवाडी को, केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थायी सेवा नियमावली) 1965 के नियम 5(1) के अनुसार एक माह के नोटिस की समाप्ति पर दिनांक 4 मार्च, 1980 के अपराह्न से कार्यभार मुक्त कर दिया है।

दिनांक 2 जून 1980

सं० ओ० दो० १०३८/७५-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डा० (श्रीमती) ऊषा जैम को 21-५-१९८० के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो, उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

सं० ओ० दो०-१४३८/७९-स्थापना—मेजर ए० आर० विसदास (अवकाश प्राप्त) ने प्रतिनियुक्ति की अधिक समाप्ति

पर सहायक कमांडेट ए० डबल्यू० एस०, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के पद का कार्यभार दिनांक 5-४-१९८० (अपराह्न) से त्याग दिया।

के० आर० के० प्रसाद
सहायक निदेशक (प्रशासन)

समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार)

नई दिल्ली-११०००१, दिनांक 27 मई 1980

सं० ए० १२०१२/१/७९-प्रशासन—निदेशक पुलिस दूर-संचार, समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार) में श्री सी० पी० श्रीवास्तवा को उक्त निदेशालय में श्रगलै आदेशों तक स्थानापन्न अतिरिक्त सहायक निदेशक के पद पर वेतनभास में ए० ६५०-३०-७४०-३५-८१०-द० रो०-३५-८८०-४०-१०००-द० रो०-४० १२००/- पर दिनांक 29-४-१९८० पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

छवापति और्ही०
निदेशक
पुलिस दूर संचार

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल-

नई दिल्ली-११००१९, दिनांक 29 मई, 1980

सं० ई०-३८०१३(३)/१/७९-कार्मिक—किरीबुरू से स्थानांतरित होने पर श्री भगवती प्रसाद ने 2 मई, 1980 के पूर्वाह्न से के० श्रौ० सु० ब० यूनिट, बी० एस० एल० बोकारो के सहायक कमांडेट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-३८०१३(३)/२४/७९-कार्मिक—फरक्का को स्थानांतरित होने पर श्री चौधरी ने 3 मई, 1980 के अपराह्न से के० श्रौ० सु० ब० यूनिट-एफ० सी० आई० रामागुण्डम के सहायक कमांडेट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-३८०१३(३)/२४/७९-कार्मिक—श्रीहरिकोटा से स्थानांतरित होने पर श्री वी० एन० तिकारी ने 13 अप्रैल, 1980 के पूर्वाह्न से के० श्रौ० सु० ब० यूनिट-एफ० सी० आई० रामागुण्डम के सहायक कमांडेट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

ह० अपठनीय
महानिरीक्षक

भारत के महावंशीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-११००११, दिनांक 28 मई 1980

सं० ११/११०/७९ प्रशा० I—राष्ट्रपति गुजरात सिविल सेवा के अधिकारी श्री एम० ए० मालवाडे को गुजरात, अहमदाबाद में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख १-अप्रैल, 1980 के पूर्वाह्न से अपने आदेशों तक प्रतिस्थिति पर स्था-

नांतरण द्वारा उपनिदेशक जनगणनाकार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री मालवाडे का मुख्यालय अहमदाबाद में होगा।

दिनांक 3 जून, 1980

सं० 11/29/78-प्रशा०-I—केन्द्रीय सांचिकीय संगठन को प्रत्यावर्तित होने के कारण महाराष्ट्र, बम्बई में जनगणना कार्य निदेशालय में सहायक निदेशक जनगणनाकार्य (तकनीकी) के पद पर कार्यरत श्री जे० के० वर्मा ने तारीख 17 मई, 1980 के प्रपराह्न से महाराष्ट्र, बम्बई में सहायक निदेशक जनगणनाकार्य (तकनीकी) के पद का कार्यभार छोड़ा।

सं० 7/1/70-प्रशा०-1—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर और संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में निम्नलिखित स्थानापन्न रूप से कार्यरत निम्नलिखित जनगणनाकार्य उप निदेशकों को उसी कार्यालय में तारीख 21 दिसम्बर, 1979 से स्थायी तौर पर उप निदेशक, जनगणनाकार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं :—

1. श्री अर्दमान सिंह
2. श्री ए० डबल्यू० महात्मे
3. डा० एच० मजूमदार
4. श्री बी० एस० नरसिंहामूर्ति
5. श्री तीरथ वास
6. श्री एन० रामाराव।

सं० 7/4/79-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में निम्नलिखित अधिकारियों को सहायक निदेशक जनगणनाकार्य (तकनीकी) के पद पर तारीख 21 दिसम्बर, 1979 से स्थायी क्षमता में सहर्ष नियुक्त करते हैं :—

1. श्री० पी० सी० शर्मा
2. एम० एम० बुश्रा
3. श्री सन्त राम
4. श्री के० सी० सूरी।

सं० 11/114/79-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, मिजोरम सरकार के अधिकारी श्री लालबियकथुमा को मिजोरम, एडजाक्शल में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 12 मई, 1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा सहायक निदेशक जनगणनाकार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री लाल बियकथुमा का मुख्यालय मिजोरम में होगा।

पी० पद्मनाभ
भारत के महापंजीकार

भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग

भारत के नियंत्रक- तथा महालेखापरीक्षक का कार्यालय
नई दिल्ली 110002 दिनांक 2 जून 1980

सं० 1393 वा० ले० प० 1/62-77—अपर उप नियंत्रक-महालेखापरीक्षक (वाणिज्यिक) ने श्री आर० कुण्डा

मूर्ति, लेखापरीक्षा अधिकारी (वाणिज्यिक) को जो महालेखाकार, कर्नाटक, बंगलौर के कार्यालय में कार्यरत थे, सी० सी० एस० (पेंशन) नियमावली 1972 के नियम 48क के उपबंध के अधीन तारीख 1-3-1980 से सरकारी सेवा से स्वेच्छापूर्वक सेवा निष्ठृत होने की अनुमति दे दी है।

एम० एस० ग्रोवर
उप निदेशक (वाणिज्यिक)

कार्यालय : निदेशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली-2, दिनांक 27 मई 1980

सं० प्रशा० /का० आ० सं० 121—इस कार्यालय के स्थायी लेखापरीक्षा अधिकारी श्री बी० एल० रस्तगी का निधन 3 मई, 1980 को हो गया।

सी० के० जोसेफ
संयुक्त निदेशक, लेखापरीक्षा, (प्र०)

महालेखाकार कार्यालय कर्नाटक

बैंगलोर, दिनांक 9 अप्रैल 1980

सं० स्था० आई०/ए४/८०-८१/३७—महालेखाकार कार्यालय, कर्नाटक, बैंगलोर के निम्नलिखित स्थानापन्न लेखा अधिकारियों को स्थाई लेखा अधिकारियों के रूप में उनके नाम के सामने जो दिनांक बताया गया है, उस दिन से इसी कार्यालय में स्थायी रूप में पदोन्नति करते हैं :—

क्रमांक अधिकारी के नाम

दिनांक जब से
कन्फर्म हुआ

मर्वश्री

1. आर० श्रीनिवासन (1)	1-1-1979
2. एन० चक्रवर्ती	1-4-1979
3. के० एन० नरपिंड मूर्ति	12-5-1979
4. के० जगन्नाथन	1-11-1979
5. एम० आर० वेंकटराममन	1-11-1979
6. एस० अनन्त राव	1-12-1979
7. बी० हमुमन्ताचार	1-12-1979
8. एच० एस० रामचन्द्र (1)	1-1-1980
9. एच० एस० विश्वनाथद्व	1-2-1980
10. बी० के० नजुण्डय्या	1-2-1980
11. के० एम० वरदराज	1-2-1980

यह आदेश भारत के सर्वोच्चन्यायालय के लेखा याचिका न० 4367 के अन्तिम नतीजों के अधीन रहते हैं।

ह० अपठमीय
महालेखाकार

दिनांक: अप्रैल 1980

कार्यालय प्रदेश प्रशासन-III-582/23 (ए) (2) अधिसूचनाएँ—निदेशक लेखा परीक्षा, डाक-तार ने, डाक-तार शाखा लेखा परीक्षा कार्यालय नागपुर नागपुर के स्थायी लेखा परीक्षाधिकारी श्री टी० ए० नारायणम्हन को दिनांक: 16-12-79 पुरातात्र से केन्द्रीय मिशन सेवा (पंचानन्द नियमावली 1972 के नियम 48(1) (ए) के प्रावधानों के अन्तर्गत, जिनके साथ पदाधीन प्रथम परन्तु ही प्राप्त (ए) व भारत सरकार गृह मन्त्रालय का० जापन संघर्ष 25013/7/77/ स्थान (ए) दिनांक 26-8-1977 के पैरे 3(VII) को पढ़ा जना चाहिये, के अधीन सेवा निवृत्त होने के लिए सहर्ष आवश्यक है।

दिनांक: 28 मई 1980

सं० प्रदेश प्रशासन-III-596/23(ए) (2) अधिसूचनाएँ—डाक-तार लेखा परीक्षा कार्यालय भोपाल के स्थानापन्न लेखा परीक्षाधिकारी, श्री आर० रंगानाथन दिनांक 31-1-1980 अपराह्न से निवर्तन पर सेवा निवृत्त हो गये हैं।

कार्यालय आदेश प्रशासन-III-579/23(ए) (2) अधिसूचनाएँ—डाक-तार लेखा परीक्षा कार्यालय कलकत्ता के स्थानापन्न लेखा परीक्षाधिकारी श्री बीनोय कुमार घोष दिनांक 31-12-1979 अपराह्न से निवर्तन पर सेवा निवृत्त हो गये हैं।

कार्यालय आदेश प्रशासन-III-585/23(ए) (2) अधिसूचनाएँ—डाक-तार लेखा परीक्षा कार्यालय नागपुर के स्थायी लेखा परीक्षाधिकारी श्री ए० त्यागराजन दिनांक: 31-10-1979 अपराह्न से निवर्तन पर सेवा निवृत्त हो गये हैं।

कार्यालय आदेश प्रशासन-III-588/23(ए) (2) अधिसूचनाएँ—डाक-तार शाखा लेखा परीक्षा कार्यालय मद्रास व बंगलौर के क्रमशः मर्वश्री ए० सी० जेम्स व के० ए० श्री निवासन स्थायी लेखा परीक्षाधिकारी दिनांक: 31-8-1979 अपराह्न से निवर्तन पर सेवा निवृत्त हो गये हैं।

ह० अपठनीय
उप निदेशक (मुख्यालय)

कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा
रक्षा सेवाएँ

नई दिल्ली-110001, दिनांक 3 मई 1980

सं० 914/प्रशासन/130/79/80—निदेशक लेखा परीक्षा, रता० पै० ए० अवीनस्थ लेखा सेवा के स्थायी श्री आर० सुन्दरम को संयुक्त निदेशक, लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएँ (मध्य क्षेत्र), मेहठ में दिनांक 12-5-1980 (अपराह्न) में स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में अगले आदेश पर्यन्त, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

ए० पी० सिन्हा
संयुक्त निदेशक लेखा परीक्षा,
रक्षा सेवाएँ, नई दिल्ली

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली-22, दिनांक 26 मई 1980

सं० 68018(2)/7-प्रशासन-८०-राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्नलिखित अधिकारियों को (उनके नाम के समझ उल्लिखित प्रतिनियुक्तियों पर) उक्त सेवा के कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (रूपये 1500-60-1800-100-2000) में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए, उनके समझ दर्शायी गई तारीख से आगामी आदेश पर्यन्त, “अनुक्रम नियम के अधीन” सहर्ष नियुक्त करते हैं :—

1. श्री आर० नारायणन	24-01-80	उप सचिव, कृषि विभाग, कृषि प्रबन्ध मंत्रालय, नई दिल्ली
2. श्रीमति एम० राजेश्वरी	01-04-80	उप सचिव रक्षा मंत्रालय नई दिल्ली

दिनांक 29 मई 1980

सं० 71019(11)/79/प्रशासन-८०-राष्ट्रपति, मन 1978 में मव लो० मेश्र आयोग द्वारा ली गई मम्मिलित प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर निम्नलिखित अधिकारी को, भारतीय रक्षा लेखा सेवा में परिवीक्षाधीन के रूप में, उनके नाम के सम्मेलिती तारीख से, सहर्ष नियुक्त करते हैं :—

नाम	नियुक्ति की तारीख
श्री सुवांशु शेखर मोहन्ती	14-1-80

के० पी० राष्ट्रपति
रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक (प्रशासन)

भारतीय अर्डनेस फैक्टरियां सेवा

आर्डनेस फैक्टरी बोर्ड

रक्षा मंत्रालय

शुद्धिपत्र

कलकत्ता, दिनांक 27 मई, 1980

सं० 30/जी०/80—राष्ट्रपति, महोदय, निम्नलिखित अफसरों को स्थानापन्न महाप्रबन्धक ग्रेड-1 के पद पर, निकटतम परवर्ती नियम के अन्तर्गत, उनके सम्मेलिती दर्शायी गई तारीख से, आगामी आदेश होमें तक, नियुक्त करते हैं।

श्री जी० सी० मरवाहा स्थायी — 4 जनवरी, 1974
उप-महाप्रबन्धक

इसके द्वारा गजट अधिसूचना सं० ३२/७४/जी दिनांक १५-७-७४ को खारिज किया जाता है।

सं० ३१/जी/८०—गजट प्रधिसूचना संख्या ७२/जी-७८ दिनांक ३-११-७८ की श्रम संख्या ३ के मामने इन्द्राज के बदले नीचे लिखे अनुमार पढ़ा जाय।

श्री जी० सी० मरवाहा
स्थायी महाप्रबन्धक ग्रेड १

२० जुलाई १९८८
निकटम परवर्ती
नियम के अन्तर्गत

(महानिदेशालय, आर्डनेंस फैक्टरियां)

सं० ३२/८०/जी०—दिनांक २८-१२-१९७९ से मंजूर की गई चार दिनों की अंजित छुट्टी की समाप्ति पर श्री एन० ए० भट्ट, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी फोरमैन) स्वेच्छा से दिनांक ३१-१२-१९७९ (अप्र० रात्र) से सेवा निवृत्त हुए।

वी० के० मेहता
सहायक महानिदेशक, आर्डनेंस फैक्टरियां

उद्योग मंत्रालय

श्रीदीगिक विकास विभाग

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक २४ मई १९८०

संख्या १२(२१२)/६१-प्रशासन (राजपत्रित) ५—आर्ड-मान व निकोबार प्रशासन के उद्योग निदेशक के रूप में प्रतिनियुक्ति से प्रत्यावर्तित होने पर श्री जे० एन० भक्ता ने दिनांक १२ मई, १९८० (पूर्वाह्न) से विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली के कार्यालय में उप निदेशक (धातुकर्म) के पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक २ जून १९८०

सं० १२(६४१)/७०-प्रशासन (राजपत्रित)—श्राई० टी० ई० सी० कार्यक्रम के अधीन मारीशस सरकार में प्रतिनियुक्ति तथा अधिकार से वापसी पर श्री सी० आर० शिवप्रसाद ने दिनांक १२ मई, १९८० (पूर्वाह्न) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, बंगलौर में उप निदेशक (यांत्रिक) के पद का कार्यभार संभाल लिया।

महेंद्र पाल गुप्त
उप निदेशक (प्रशा०)

विस्फोटक विभाग

नागपुर, दिनांक २१ मई १९८०

सं० ई०-II(७)—इस विभाग के अधिसूचना सं० ई०-II(७) दिनांक ११ जुलाई, १९६९ में श्रेणी ३ प्रशासन १ के अधीन “बनीमठाईट” प्रविष्टि के पश्चात् “बारबरे०

एन-५५-पालिस मेक भूमिगत कोल/गैरी माइन्स में दिनांक १२-५-१९८१ तक अस्थायी प्रयोग हेतु” जोड़ा जाये।

इंगुव नरसिंहमूर्ति
मुख्य विस्फोटक नियंत्रक

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-१)

नई दिल्ली, दिनांक १९ मई १९८०

सं० प्र० १/३(२६)—राष्ट्रपति उप निदेशक पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप ए के ग्रेड-II) श्री देवकी मोहन को दिनांक १५-२-१९८० के पूर्वाह्न से पूर्ति निदेशक (वस्त्र) बम्बई के कार्यालय में पूर्ति निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप ए) के ग्रेड १ (१) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री देवकी मोहन १५-२-१९८० की तारीख से २ वर्ष के लिए परिवीक्षाधीन रहेगे।

दिनांक २३ मई १९८०

सं० प्र० ११(११०७)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में अवर प्रगति अधिकारी श्री जयशी राम को दिनांक १५-५-८० के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक इसी महानिदेशालय में तदर्थं ग्राधार पर सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक २४ मई १९८०

सं० प्र० ११(१०४४)—श्रवर प्रगति अधिकारी के पद पर अवनति होने पर श्री बलबीर सिंह ने दिनांक १४-५-८० के अपराह्न से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) का पद भार छोड़ दिया।

सं० प्र० १/१(११५८)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा पूर्ति तथा निपटान निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में अधीक्षक श्री एच० एन० समवद्र को दिनांक २८-४-१९८० के पूर्वाह्न से पूर्ति तथा निपटान निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में सेवा निवृत्त सहायक निदेशक (प्रशा०-सन) (ग्रेड-II) श्री के० सी० मोयक्ता के स्थान पर सहायक निदेशक प्रशासन (ग्रेड-II) के पद पर तदर्थं आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० प्र० १/१(१०६८)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में अवर प्रगति अधिकारी श्री सुरजीत सिंह मार्गों को दिनांक १५-५-१९८० के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक इसी महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थं आधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० प्र० १/१(१०७२)—महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में

अवर क्षेत्र अधिकारी श्री हुकम सिंह को दिनांक 15-5-80 के पूर्वाह्न से इसी महानिदेशालय में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के रूप में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० प्र० 1/1(1155)—पूर्ति तथा निपटान निदेशक, बम्बई के कायरिलय में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) श्री आर० सी० जैन दिनांक 12-5-1980 के पूर्वाह्न से अधीक्षक के अराजपत्रित पद पर आवश्यक हो गए।

दिनांक 26 मई 1980

सं० प्र० 1/1(274)—राष्ट्रपति, श्री जोगेंद्र पाल महेन्द्र, उप निदेशक पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप ए के ग्रेड-II) को दिनांक 19-5-80 के पूर्वाह्न से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय में तदर्थ आधार पर पूर्ति निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप "ए" के ग्रेड-I) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० प्र० 1/1(645)—राष्ट्रपति, श्री आर० सी० मलिक, उप निदेशक पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप ए के ग्रेड-II) को दिनांक 19-5-1980 के पूर्वाह्न से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय में तदर्थ आधार पर पूर्ति निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप ए के ग्रेड-I) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

कृष्ण किशोर
उपनिदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात और खान मंदिरालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 27 मई 1980

सं० 4132बी/ए-32013(4-डिलर)/78-19 बी०—
भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नलिखित वरिष्ठ तकनीकी सहायकों (डिलिंग) को ड्रिलर के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन मिमान्सार 650-30-740-35-810-द०-रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तिथि से पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है :—

क्र० स०	नाम	नियुक्ति तिथि
सर्वश्री		
1. जी० एल० बबुता	12-3-80 (पूर्वाह्न)	
2. कृष्ण चन्द्रास	25-2-80 (पूर्वाह्न)	

दिनांक 2 जून 1980

सं० 4277बी/ए-19012(आर्टिस्ट-एच० डी०)/80-19ए—
भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधीक्षक (डी० ओ०) श्री

एच० वत्त को आर्टिस्ट के रूप में उसी विभाग में वेतन मिमान्सार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 17-4-1980 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है।

बी० एस० कृष्णस्वामी
महानिदेशक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 17 मार्च 1980

सं० 1/1/79-एस-दो—महानिदेशक, आकाशवाणी, निम्नलिखित हैडक्सलकों/लेखाकारों को आकाशवाणी में उनके नाम के आगे दर्शायी गई तिथियों व कायरिलयों में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति पर 650-960 रु० के वेतनमान में नियुक्त किया जाता है :—

क्रम सं०	नाम	तिथि	कायरिलय जहां नियुक्त किया
1	2	3	4
सर्वश्री			
1. के० रामास्वामी,	30-7-79	आकाशवाणी,	तिथ-
हैडक्सल,	(पूर्वाह्न)	आकाशवाणी,	चिरापल्ली।
आकाशवाणी,			
मद्रास।			
2. बी० डी० मित्तल,	19-6-79	आकाशवाणी, भोपाल	
लेखाकार,	(पूर्वाह्न)	विज्ञापन प्रसारण सेवा	
आकाशवाणी,			
भोपाल।			
3. के० डी० लखानी,	30-8-79	आकाशवाणी, भुज	
लेखाकार,	(पूर्वाह्न)	आकाशवाणी,	
आकाशवाणी,			
जयपुर।			
4. के० जयरमन,	30-7-79	आकाशवाणी, इम्फाल	
लेखाकार,	(पूर्वाह्न)	आकाशवाणी,	
आकाशवाणी,			
मद्रास।			
5. ए० डी० बड़सावले,	31-7-79	आकाशवाणी, राजकोट	
लेखाकार,	(पूर्वाह्न)	आकाशवाणी,	
आहमदाबाद।			
6. ए० बी० सामन्ता,	30-6-79	आकाशवाणी, पुणे	
वरिष्ठ लेखाकार,	(पूर्वाह्न)	आकाशवाणी,	
केन्द्रीय बिश्वी एकांश			
विज्ञापन प्रसारण सेवा,			
बम्बई।			

1	2	3	4
7.	झी० आर० तुली, हैडक्सर्क, आकाशवाणी, नई दिल्ली ।	22-९-७९ (पूर्वाह्नि)	उच्च शक्ति प्रेषित, आकाशवाणी, किंगडे, दिल्ली ।
8.	बी० बी० शर्मा, लेखाकार, आकाशवाणी महानिदेशालय ।	2-७-७९ (पूर्वाह्नि)	उच्च शक्ति प्रेषित, आकाशवाणी, खामपुर, दिल्ली ।

एस० बी० सेपाही
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 3 जून 1980

सं० ४(123)/७५-एस-१—श्री ना० शर्मा ने अपना स्थाग-
पत्र स्वीकार किए जाने पर आकाशवाणी, गोहाटी में कार्य-
क्रम निष्पादक के पद का कार्यभार 31 दिसम्बर, 1979 से
छोड़ दिया है ।

महेंद्र सिंह
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 30 मई 1980

सं० ए०-१२०२८/५/७८-स्थापना—विज्ञापन और दृश्य
प्रचार निदेशक श्री आर० पी० पूरी, तकनीकी सहायक
(विज्ञापन) को श्री सी० इवराहम सहायक माध्यम कार्य-
धिकारी, जो अवकाश पर गये हैं के स्थान पर, इस निदेशालय में 15-५-८० (पूर्वाह्नि) से तदर्थि आधार पर सहायक माध्यम कार्यधिकारी नियुक्त करते हैं ।

सं० ए० १२०२५/१/७९-स्थापना—विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय, कुमारी बसन्ती रामनाथ पाटिल को सीनियर आर्टिस्ट के पद पर अस्थायी रूप से 24 मई, 1980 से अगले आदेश तक नियुक्त करते हैं ।

जिनकराज लिखी
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 मई 1980

सं० ए० १२०२५/१५/७८ (एच० क्यू०)/प्रशासन-१—
राष्ट्रपति ने श्री जगजीत सिंह को 31 मई 1979 पूर्वाह्नि से आगामी आदेशों तक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई

दिल्ली में वास्तुविद (आर्किटेक्ट) के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है ।

दिनांक 3 जून 1980

सं० ए० १२०२५/१/७८ (एच० क्यू०)/प्रशासन-१—
राष्ट्रपति ने श्री रणधीर मण्डल को 16 मई 1980, अपराह्न से आगामी आदेशों तक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली में उप सहायक महानिदेशक (चिकित्सा भण्डार) के पद पर स्थायी आधार पर नियुक्त किया है ।

सं० ए० १७-२-७३-प्रशासन-१—स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में शिक्षा प्रसार अधिकारी (एक्स्टेंशन एज०-केशन अफिसर) के पद पर नियुक्ति हो जाने के फलस्वरूप श्री एस० सी० जैन ने 2 अप्रैल, 1980 अपराह्न से स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली के केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा व्यूरो में स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी (प्राइमरी शिक्षा) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है ।

शाम लाल कुठालिया
उप निदेशक प्रशासन

ग्रामीण पुनर्निर्माण मंत्रालय

विषयन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 30 मई 1980

सं० ए०-१९०२३/५८/७८-प्र० III—विभागीय पदोन्नति समिति की संस्तुतियों के आधार पर श्री एस० बी० चक्रवर्ती, जो कि तदर्थि आधार पर विषयन अधिकारी (वर्ग १) के रूप में कार्य कर रहे हैं, को दिनांक 24-५-१९८० से अगले आदेशों तक नियमित आधार पर कलकत्ता में विषयन अधिकारी (वर्ग १) नियुक्त किया गया है ।

दिनांक 3 जून 1980

सं० ए० १९०२५/३१/७९-प्र० त०—विभागीय पदोन्नति समिति की संस्तुतियों के आधार पर श्री आर० श्रीनिवासन, वरिष्ठ निरीक्षक को इस निदेशालय के आधीन कोचीन में दिनांक 19-५-८० (पूर्वाह्नि) से अगले आदेशों तक स्थानापन सहायक विषयन अधिकारी (वर्ग III) नियुक्त किया गया है ।

दिनांक 4 जून 1980

सं० ए० १९०२३/३/८०-प्र० त०—विभागीय पदोन्नति समिति (वर्ग "ख") की संस्तुतियों के आधार पर श्री एच० झी० श्रीवास्तव, सहायक विषयन अधिकारी को, दिनांक 24-५-१९८० (पूर्वाह्नि) से अगले आदेश होने तक इस निदेशालय में फरीदाबाद में स्थानापन विषयन अधिकारी (वर्ग I) नियुक्त किया गया है ।

2. विषयन अधिकारी के पद पर पदोन्नत होने के फलस्वरूप श्रीवास्तव ने दिनांक 24-५-८० (पूर्वाह्नि) में फरीदाबाद

में सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग 1) का कार्यभार छोड़ दिया।

बी० एल० मनिहार
प्रशासन निदेशक

कृते बृहि विपणन सलाहकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

क्रय एवं भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 17 मई 1980

सं० डी० पी० एम० 4/1(5)/77-प्रशा०/7706—निवेशक, क्रय और भंडार निदेशालय, परमाणु ऊर्जा विभाग ने एतद्वारा श्री एम० बनर्जी, स्थायी भंडारी और स्थानापन्न सहायक भंडार अधिकारी को 1 अप्रैल, 1980 से उसी निदेशालय में सहायक भंडार अधिकारी के स्थायी पद पर मौलिक रूप से नियुक्त किया है।

सं० डी० पी० एम० 4/1(4)/77-प्रशा०/7662—निदेशक, क्रय और भंडार निदेशालय, परमाणु ऊर्जा विभाग ने एतद्वारा श्री शामकांत शंकर प्रधान, स्थायी क्रय महायक और स्थानापन्न सहायक क्रय अधिकारी को 1 मई, 1980 से उसी निदेशालय में सहायक क्रय अधिकारी के स्थायी पद पर मौलिक रूप से नियुक्त किया है।

के० पी० जोसफ
प्रशासन अधिकारी

बम्बई-400001, दिनांक 20 मई 1980

सं० डी० पी० एम० 23/1/79/स्थापना/7773—निदेशक, क्रय और भंडार निदेशालय में श्री कर्वथिल रवीन्द्रन, सहायक को उसी निदेशालय में 17 अप्रैल, 1980 के पूर्वाह्न से 17 मई, 1980 के प्रपराह्न तक के लिए रु० 650-30-740-35 880-८० रो०-४०-९६० के वेतनमान से तदर्थ प्राधार पर सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त किया है। यह नियुक्ति श्री बी० सी० गोपालकृष्णन, सहायक कार्मिक अधिकारी के स्थान पर की गई है, जिन्हे छुट्टी संस्कृत हो गई है।

बी० जी० कुलकर्णी
सहायक कार्मिक अधिकारी

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500016, दिनांक मई 1980

सं० प० ख० प्र०-1/31/78-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक श्री दिनेश चन्द्र श्रीवास्तव को परमाणु खनिज प्रभाग में 13 मई, 1980 के पूर्वाह्न से लेकर आगले आदेश होने तक अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अधिकारी ग्रेड “एस० बी०” नियुक्त करते हैं।

दिनांक 28 मई 1980

सं० प० ख० प्र०-123/80-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निवेशक श्री महेश कुमार खंडेल-2-116 GI/80

वाल को परमाणु खनिज प्रभाग में 1 मई, 1980 के पूर्वाह्न से लेकर आगले आदेश होने तक अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अधिकारी ग्रेड “एस० बी०” नियुक्त करते हैं।

सं० प० ख० प्र०-1/23/80-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक श्री दीप जगदीश शंकर को परमाणु खनिज प्रभाग में 5 मई, 1980 के पूर्वाह्न से लेकर आगले आदेश होने तक अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अधिकारी ग्रेड “एस० बी०” नियुक्त करते हैं।

सं० प० ख० प्र०-1/23/80-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक श्री अशोक कुमार पनि को परमाणु खनिज प्रभाग में 1 मई, 1980 के पूर्वाह्न से लेकर आगले आदेश होने तक अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अधिकारी ग्रेड “एस० बी०” नियुक्त करते हैं।

एम० एस० राव

वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

नाभिकीय ईघन सम्मिश्र

हैदराबाद-500 762, दिनांक 2 मई 1980

आदेश

मंदर्भ : ना ई स/पी० ए० 4/जि० स्प० सं०/८-३२१/11२९—जबकि श्री के० राम राव नाभिकीय ईघन सम्मिश्र में सहायक ‘व’ के पद पर कार्य कर रहे थे, उन्होंने दिनांक 7-1-1980 से 19-1-1980 पर्यन्त अवकाश के लिये आवेदन किया था, जिसकी उन्हें स्वीकृति दे दी गयी थी।

और जब कि उक्त श्री राम राव अपना अवकाश समाप्त हो जाने के पश्चात् दिनांक 20-1-1980 को अपने काम पर नहीं आये किन्तु अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित रहे।

और जब कि सक्षम प्राधिकारी ने निश्चय किया कि श्री राव में तुरंत काम पर अपने आने के लिये कहा जाय; और दिनांक 29-3-1980 को एक तार के द्वारा श्री राव को तुरंत काम पर आने का आदेश किया गया;

और जब कि उस तार की पुष्टिकृत प्रतियां पात्री सह-पंजीकृत ढाक द्वारा उनके असिंह जास निम्न पतों पर भेजी गयी;

(1) निवास सं० 1-8-607/71

अच्युत नगर,

हैदराबाद

प्रौ

(2) निवास सं० 12-1-1019,

पुरानी मल्लेपल्ली,

हैदराबाद-1;

यह प्रतियां बिना वितरण के वापस लौट आई जिन पर भूमिका अस्थुक्तियां अंकित थीं;

अस्थुक्ति:

(1) निवास सं० 1-8-607/71,
अच्युता नगर, हैदराबाद
को भेजे गये लिफाफे पर "चला गया"

(2) निवास सं० 12-1-1019,
पुरानी मल्टेप्लनी, हैदराबाद-1
को भेये गये लिफाफे पर "व्यक्ति चला गया"

और जब कि उक्त श्री राव लगानार अनुपस्थित रहे,
और नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र को अपने बारे में सूचना देने
में असमर्थ रहे;

श्रीर जब कि उक्त श्री राव स्वेच्छा से अपनी मेवा के
परित्याग करने के दीपी है;

श्रीर जब कि नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र को अपना वर्त-
मान पता बिना सूचित किये उनके अपनी सेवा का परि-
त्याग कर देने के कारण अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि नाभि-
कीय ईंधन सम्मिश्र के स्थायी आदेशों के अनुच्छेद 41 श्रीर/
या केन्द्रीय सिविल सेवाएँ (वर्गीकरण, नियन्त्रण और अपील)
नियम 1965 के नियम 14 के अनुसार जांच करना व्या-
वहारिक नहीं है ;

श्रीर अब इसलिए, अधोहस्ताक्षरी नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र
के स्थायी आदेशों के अनुच्छेद 42 जिन्हें परमाणु ऊर्जा
विभाग के आदेश मं० 22(1)/68-प्रशा० दिनांक 3-12-70
के साथ श्रीर/या केन्द्रीय सिविल सेवाएँ (वर्गीकरण, नियन्त्रण
और अपील) नियम 1965 के नियम 19(11) के साथ
संयोजित करते हुए, उक्त श्री राम राव को सेवाओं से,
तुरंत प्रभाव से, हटा दिया जाता है।

दिनांक : 2-5-1980

पी० उम्मीदुल्लास
वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी

(1) श्री के० राम राव,
निवास सं० 1-8-607/71,
अच्युता नगर,
हैदराबाद ।

(2) श्री के० राम राव,
निवास सं० 12-1-1019,
पुरानी मल्टेप्लनी,
हैदराबाद-500 001।

हैदराबाद-500762, दिनांक 30 मई 1980

सं० पी० ए० आर० 0704/2871—नाभिकीय ईंधन
सम्मिश्र के मुख्य कार्यपालक ने अस्थायी श्रीघोषिक उच्च श्रेणी
लिपिक श्री ए० चेष्टकेशव राव को ईंधन सम्मिश्र नाभिकीय हैदराबाद
में दिनांक 28-5-1980 से 26-6-1980 पर्यन्त सहायक कार्मिक
अधिकारी के पद पर सदर्श आधार पर नियुक्त किया है।
यह नियुक्ति सहायक कार्मिक अधिकारी श्री के० रामचन्द्रन
के अवकाश पर जाने के कारण की गयी है।

पी० ए० पी० आर० मूर्ति
प्रशासन अधिकारी

मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना

कलापाक्कम-603 102, दिनांक 3 मई 1980

सं० ए० पी० पी०/18 (108)/80-भर्ती/4827-मद्रास
परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना इंजीनियर ने,
इस परियोजना के निम्नलिखित वैज्ञानिक सहायकों 'सी'
पर्यवेक्षकों को उसी परियोजना में 1 फरवरी, 1980 के
पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए अस्थायी रूप से प्रत्येक
के सामने लिखे ग्रेड में नियुक्त किया है :-

क्रम नाम सं०	वर्तमान पद	ग्रेड, जिसमें नि- युक्ति की गई है
-----------------	------------	--------------------------------------

सर्वेश्वी

1. के० ए० दिवाकरन	वैज्ञानिक सहायक 'सी'	वैज्ञानिक अधि- कारी/इंजीनियर 'एस बी'
2. जी० पन्नीर सेल्वम	-यथोपरि-	-यथोपरि-
3. ए० महबूब शरीफ	-यथोपरि-	-यथोपरि-
4. ए० प्रकाशम	-यथोपरि-	-यथोपरि-
5. ए० गेन्योनी क्राउस	-यथोपरि-	-यथोपरि-
6. ए० ए० केदार मोहिदीन	-यथोपरि-	-यथोपरि-
7. के० नागेश्वर राव	-यथोपरि -	-यथोपरि-
8. नागोजी राव	पर्यवेक्षक	-यथोपरि-
9. ए० हरि बाबू	-यथोपरि-	-यथोपरि-

ए० वी० रामनन्,
प्रशासनिक अधिकारी

पर्यटन तथा नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई विल्ली-3, दिनांक 27 मई 1980

सं० ए० 38019/1/77-ई—भारत मौसम विज्ञान
विभाग के निम्नलिखित अधिकारी, अपने नामों के सामने दी
गई तारीख की वार्षिक आयु पर पहुंचने पर सरकारी सेवा
से निवृत्त हो गए।

क्रम सं०	नाम	पद	दिनांक जिसकी अधिकारी ने निवृत्त आयु प्राप्त की
1	2	3	4
मर्वेश्वी			
1. वी० वी० हुड्डर	मौसम विज्ञानी ग्रेड 1	31-12-79 (प्रपराक्ष)	

1	2	3	4
2.	टी० विभवेस्वरबू	सहायक मौसम विज्ञानी	31-12-79 (अपराह्न)
3.	एन० सूर्यनारायण	सहायक मौसम विज्ञानी	31-12-79 (अपराह्न)
4.	टी० आर० नटराजन	सहायक मौसम विज्ञानी	31-12-79 (अपराह्न)
5.	आर० मंजुमदार	सहायक मौसम विज्ञानी	31-12-79 (अपराह्न)
6.	बी० एम० मुखर्जी	सहायक मौसम विज्ञानी	31-1-80 (अपराह्न)
7.	एस० एच० जोगलेकर	सहायक मौसम विज्ञानी	31-1-80 (अपराह्न)

के० मुखर्जी
मौसम विज्ञानी
कृते मौसम विज्ञानी के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय
नई दिल्ली, दिनांक 29 मई 1980

सं० ए० 32013/6/80-ई० ए०—राष्ट्रपति ने श्री एस० सी० जोगलेकर, विमान क्षेत्र अधिकारी को, सिविल विमान क्षेत्र, लखनऊ के श्री पन्ना लाल, बरिष्ठ विमान क्षेत्र अधिकारी, जिन्हें दिनांक 24 मई, 1980 से 50 दिन की अर्जित कृती मंजूर की गई है, के स्थान पर उसी तारीख से बरिष्ठ विमान क्षेत्र अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

विशेष विनोद जाहरी
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 26 मई 1980

सं० ए० 32014/1/79-ई० एस०—महानिदेशक नागर विमानन, श्री के० जी० भल्ला, भण्डार सहायक को क्षेत्रीय निदेशक, बम्बई एयर पोर्ट, बम्बई के कार्यालय में दिनांक 29 अप्रैल, 1980 (पूर्वाह्न) से अन्य आवेदन होने तक, भण्डार अधिकारी (मुपर ख पद) के रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

एन० ए० पी० स्वामी
सहायक निदेशक, प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 31 मई 1980

सं० ए० 32013/4/80-ई० सी०—इस विभाग की दिनांक 12-5-1980 की अधिसूचना सं० ए० 32013/10/79-ई० सी० ई० सी० के क्रम में, राष्ट्रपति ने श्री सुरेश चन्द्र को, जो इस समय महानिदेशक नागर विमानन (मुख्यालय) में तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक संचार के रूप में कार्य

कर रहे हैं, दिनांक 16-5-1980 से तथा अन्य आदेश होने तक, सहायक निदेशक संचार के ग्रेड में नियमित आधार पर नियुक्त किया है और उन्हें कार्यालय में नैनान किया है।

सं० ए० 39012/3/80-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निदेशक, रेडियो निर्माण और विकास एकक, नई दिल्ली के कार्यालय ने श्री डी० एन त्रिपाठी, तकनीकी अधिकारी का दिनांक 5-4-1980 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से त्यागपत्र स्वीकार कर लिया है।

आर० एन० दास,
सहायक निदेशक प्रशासन

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय
देहरादून, दिनांक 29 मई 1980

सं० 16/296/77-स्थापना-I—अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, ने श्री तपम चन्द्र मैती, अनुसंधान अधिकारी का दिया गया त्यागपत्र दिनांक 26 फरवरी, 1980 के अपराह्न से स्वीकृत कर दिया है।

रवीन्द्र नाथ महान्ती,
कुल सचिव,
वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमाशुल्क समाहर्तालय
पटना, दिनांक 2 जून 1980

सं० 11(7)/2-स्पा०/79/3582—इस कार्यालय के स्वापना आदेश संख्या 361/79 दिनांक 19-11-1979 के अनुसार निम्नलिखित कार्यालय अधीक्षकों को स्थानापन प्रशासन पदाधिकारी/सहायक मुख्य लेखा पदाधिकारी लेखा परीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क, ग्रुप “बी” के रूप में पदोन्नत किया गया तथा उन लोगों ने प्रशासन पदाधिकारी/सहायक मुख्य लेखा पदाधिकारी लेखा परीक्षक के रूप में वेतनमान रु० 650-30-740-35-8150-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/—तथा नियमान्तर्गत देय सामान्य भत्तों के सहित वेतनमान पर उनके नाम के सामने दिये गये स्थान, तिथि और समयानुसार कार्यभार निम्न प्रकार ग्रहण किया।

पदाधिकारी का नाम	पदस्थापन का स्थान	कार्यग्रहण की तिथि
------------------	-------------------	--------------------

सर्वश्री

1. ए० एल० माहा	लेखा परीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, पटना।	20-11-79 (पूर्वाह्न)
2. एन० के० दासगुप्ता	प्रशासन पदाधिकारी, सीमा शुल्क, फरविंग-गंग।	28-1-80 (पूर्वाह्न)

डी० पा० आर्य

समाहर्ता

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

विधि, स्वायत तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय
(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

“कम्पनी अधिनियम, 1951 एवं भेसर्म विलोस्कर
बेरीग लिमिटेड के विषय में”

बम्बई, दिनांक 28 मार्च 1980

सं० 13055/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास अवसान पर भैसर्म किलोस्कर बेरीग लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत नाम दर्यित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगा।

एम० सी० गुप्ता
कम्पनियों के अतिरिक्त रजिस्ट्रार

“कम्पनी अधिनियम 1956 और धरम चिट फन्ड्स प्राईवेट
लिमिटेड के विषय में”

बंगलौर, दिनांक 28 मई 1980

सं० 1793/560/80—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि धरम चिट फन्ड्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

“कम्पनी अधिनियम 1956 और हनुमंतनगर कन्स्ट्रक्शन
कंपनी लिमिटेड के विषय में”

बंगलौर, दिनांक 28 मई 1980

सं० 1791/560/80—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि हनुमंतनगर कन्स्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

“कम्पनी अधिनियम 1956 और क्रेडीट मिल्कर प्राईवेट
लिमिटेड के विषय में”

बंगलौर, दिनांक 28 मई 1980

सं० 1940/560/80—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि क्रेडीट मिल्कर प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

“कम्पनी अधिनियम 1956 और फिल्डरोड्स प्राईवेट
लिमिटेड के विषय में”

बंगलौर, दिनांक 28 मई 1980

सं० 1941/560/80—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि फिल्डरोड्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

“कम्पनी अधिनियम 1956 और वीसन्स तासटनरस
लिमिटेड के विषय में”

बंगलौर, दिनांक 28 मई 1980

सं० 2576/560/80—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि वीसन्स तासटनरस लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

“कम्पनी अधिनियम 1956 और किरिसी पेट्रू प्राईवेट
लिमिटेड के विषय में”

बंगलौर, दिनांक 28 मई 1980

सं० 2769/560/79—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि किरिसी पेट्रू प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

“हामानी अधिनियम 1956 और सौतनठ येण्टरप्रहम्स प्राईवेट
लिमिटेड के विषय में”

बंगलौर, दिनांक 28 मई 1980

सं० 3011/560/80—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि सौतनठ येण्टरप्रहम्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

पी० टी० गजवानी
कम्पनियों का रजिस्ट्रार

“कम्पनी अधिनियम 1956 और अनन्त चिट
फन्ड एण्ड फाईनेन्चरल प्राईवेट लिमिटेड के विषय में”

जालन्थर, दिनांक 30 मई 1980

सं० जी०स्टेट०/560/2931/3370—कम्पनी अधिनियम, 1956 के धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि अनन्त चिट फन्ड एण्ड फाई-

नेम्सजे लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

“कम्पनी अधिनियम 1956 और आरती चिट फन्ड एण्ड फाईनेंस कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में”

जालन्धर, दिनांक 30 मई 1980

स० जी/स्टेट/560/3156/3372—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि आरती चिट फन्ड एण्ड फाईनेंस कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

“कम्पनी अधिनियम 1956 और कैलाश फाईनेंस जे प्राईवेट लिमिटेड के विषय में”

जालन्धर, दिनांक 30 मई 1980

स० जी/स्टेट/560/2403/3375—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि कैलाश फाईनेंस जे प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

“कम्पनी अधिनियम 1956 और बी० जी० स्टैनबर्ड ट्रूल्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में”

जालन्धर, दिनांक 30 मई 1980

स० जी/स्टेट/560/2279/3377—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुग्रहण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि बी० जी० स्टैनबर्ड ट्रूल्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

“कम्पनी अधिनियम 1956 और ब्यास चिट फन्ड एण्ड फाईनेंस जे प्राईवेट लिमिटेड के विषय में”

जालन्धर, दिनांक 30 मई 1980

स० जी/स्टेट/560/2857/3379—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि ब्यास चिट फन्ड फाईनेंसियर्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

“कम्पनी अधिनियम 1956 और न्यूचोपड़ा चिट फन्ड एण्ड फाईनेंसियर्स कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में”

जालन्धर, दिनांक 30 मई 1980

स० जी०/स्टेट/560/2743/3382—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि न्यू चोपड़ा चिट फन्ड एण्ड फाईनेंसियर्स कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

“कम्पनी अधिनियम 1956 और हेयर्को इलैक्ट्रोनिक्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में”

जालन्धर, दिनांक 30 मई 1980

स० जी/स्टेट/560/3257/3384—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवधान पर हेयर्को इलैक्ट्रोनिक्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

“कम्पनी अधिनियम 1956 और पदम सेल्ज प्राईवेट लिमिटेड के विषय में”

जालन्धर, दिनांक 2 जून 1980

स० जी/स्टेट/3081—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि पदम सेल्ज प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एन० एन० मौलिक कम्पनी रजिस्ट्रार पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं चंडीगढ़

“मैसेस मार्क्ट लिमिटेड के विषय में, कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 445(2) के अन्तर्गत नोटिस।”

नई दिल्ली दिनांक 27 मई 1980

स० 5660/10962—माननीय उच्च न्यायालय पंजाब, एवं हरियाणा, चंडीगढ़ के दिनांक 6 मार्च, 1978 के आदेश से मैसेस मार्क्ट लिमिटेड का परिसमाप्त होना, आवेदित हुआ है।

स० पा० बिंगलू सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार, दिल्ली एवं हरियाणा

“कम्पनी अधिनियम 1956 और एपिजय स्टिमसिप कम्पनी लिमिटेड के विषय में”।

कलकत्ता, दिनांक 2 जून 1980

स० 24505/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि एपिजय स्टिमसिप कम्पनी लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एन० आर० भरकार कम्पनियों का महायक रजिस्ट्रार पश्चिमी बंगाल

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 मई 1980

निदेश सं. १८७९-ए/कानपुर/७९-८०:—अतः मुझे, बी०
सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. १८६/३१ है तथा जो एच० ब्लाक गोविन्द
नगर में स्थित है (और इससे उपायक अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख २४-९-७९

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी
(अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाण्य गदा प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हर्दू किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अत अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती कृष्णा वती पत्नि श्री नानक चन्द्र
निवासी 118/244 कोशल पुरी कानपुर।
(अन्तरक)
2. श्री रघुराज सिंह पुत्र श्री प्रदाम दत्त निवासी
126/31 एच ब्लाक गोविन्द नगर, कानपुर।
(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना आरी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधोपः:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नम्बर 126/31 एच ब्लाक गोविन्द
नगर कानपुर में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 6 मई 1980

मात्र:

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 मई 1980

निदेश सं० 557—अर्जन/आंसी/79-80:—ग्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन गवर्नर ग्राम्यकारी को, यह विश्वास करने का नारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए में अधिक है और जिसकी मूल्य 454 है तथा जो आंसी मिविल में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आंसी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27 सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्घटनात प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूर्घटनात प्रतिफल ने, ऐसे दूर्घटनात प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिक्रिया निम्नलिखित उद्देश्य ने उक्त अन्तरण निवारा में वास्तविक रूप से नहिं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, या छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यातु:—

1. श्री श्रावानी शंकर शर्मा वस्तक पुत्र सेठ आंसी राम पालीशाल ब्राह्मण निवासी मंगलवारा होसंगाबाद जिला होसंगाबाद।

(प्रन्तरक)

2. श्री ईश्वर दास गग्न दास देवीदास किशन चन्द्र पिसरान दरयानुमल निवासी 230/3 झोखन बाग सिविल लाइन आंसी।

(अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिमाणित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मौजा आंसी सिविल खाना खेट नम्बर एक आराजी नम्बर 454 जिसकी पैमाइश 8100 वर्ग फुट है जिसका नम्बर 208/3 कबई एरिया है।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर ग्राम्यकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 6 मई 1980

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 मई 1980

निदेश सं० 449/अर्जन/झांसी/79-80:—अतः मुझे, बी०
सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उल्ल. अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
प के अधीन झांसी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 122 है तथा जो सिविल लाइन्स में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय झांसी में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1
सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्खे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाथा गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक
रूप से कार्यित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हड्डे किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अस्तरिती दबारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

1. श्री पृथ्वी नाथ सक्सेना ऐडवोकेट पुत्र महाबीर
प्रसाद 58 पचकुर्ईयां, झांसी।

(अन्तरक)

2. श्री रामस्वरूप पुत्र बैजनाथ निवासी मैरिया
तहू० करेग जिला शिवपुरी प्र० व हाल ग्रामीण
ठेकेदार नरेन्द्र कुमार पुत्र बाबूलाल निवासी झोकन
बाग झांसी रामेश्वर प्रसाद पुत्र बैजनाथ रामगुरुद्वि
पुरा झांसी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में विए जा सकें।

स्थावरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

एक किंवा विंगला जिसका नम्बर 122 सिविल झांसी
में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी,
मकान प्राप्तिकर्ता
महायक आयकर आयकर, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 6 मई 1980

भोवूर :

अतः यदि, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प को उल्लंघन (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

प्रकल्प आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्राप्तुक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 मई, 1980

निदेश सं० 1042-ए/देहरादून/79-80:—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के अधीन सकान प्राधिकारी को, वह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 80सी है तथा जो तिलक रोड देहरादून में स्थित है (प्रीर इससे उपावद्ध प्रानुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, देहरादून में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-9-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पक्का प्रतिशत अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरक से कुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के विवित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ब) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मेरे उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपकारा

(1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों अर्थात्:—

3-116_GI/80

(1) श्री जयपाल पुत्र श्री गौरी सिंह 80 सी तिलक रोड, देहरादून।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रुक्मणी रानी जैन पत्नि श्री नरेश चन्द्र जैन पीपल मन्डी देहरादून।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई और आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी अवित्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी घर्षण विवित द्वारा, अदोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही पर्यंत होगा जो उस अध्याय में दिया जया है।

अनुसूची

एक किता मकान जिसका नम्बर 80 सी रकबा 124 बग मीटर तिलक रोड देहरादून में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सकान प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 2 मई, 1980

मोहर:

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजंगन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 मई, 1980

निदेश सं० 1011-ए-मु० नगर/79-80—अतः मुझे,
बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिमको म० प्लाट है तथा जो भिविल लाइन म० नगर
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय मुजफ्फर नगर
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 24-9-79

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्रित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तररक (अन्तररकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हैर्फ़ किसी आय की आवत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय मा किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अन्तरण
में, यौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री रत्नलाल गुप्ता पुत्र श्री मुन्ना लाल गुप्ता
निवासी मुजफ्फर नगर कोठी कुआं खाला पार्क
मुजफ्फर नगर।

(अन्तरक)

(2) श्री धरमेन्द्र सिंह पुत्र श्री विरतपाल सिंह व श्रीमती
बीरेमती धर्म पत्नि श्री धर्मेन्द्र सिंह निवासी मकान
नं० 201 भिविल लाइन उत्तरी परगना व जिला
मुजफ्फर नगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक किता प्लाट जिसका क्षेत्रफल 486 वर्ग गज मो०
भिविल लाइन मुजफ्फर नगर में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अजंगन रेंज, कानपुर

तारीख: 2 मई, 1980

मोहर:

प्रस्तुप् आई. टी. एन्. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 25 अप्रैल 1980

निदेश सं० 533/अर्जन/फिरोजाबाद/79-80:—अतः मुझे,
बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक किता आराजी है तथा जो मौजा मोठा में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिरोजाबाद में,
रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 26-9-79

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अस: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री पंजाबीलाल व सुनहरीलाल व रामप्रसाद पुत्र-
गण श्री टोडीराम यादव निवासीगण गांव मौजा
मोठा तहसील फिरोजाबाद जिला आगरा।
(अन्तरक)

(2) श्री रतनलाल पुत्र लाला फूलचन्द्र व मुरारी लाला
सुखलाल निवासीगण मुहल्ला दुली फिरोजाबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक किता आराजी भूमिधरी आके मौजा मोठा तहसील
फिरोजाबाद नम्बर 207 के कुल रक्खे में से पांच बीघा दस
बिस्ता पुँजा लगानी 40-00 रुपया सालाना है।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 25-4-1980

मोहरः

प्रकृष्ट प्राईंटी एन.एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 5 अप्रैल 1980

निदेश सं० 559/अर्जन/79-80:- अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो मौ० उमानियर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10 सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकूल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, से विभिन्नान्वय उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखिल में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे इच्छने में सुविधा के लिए; अरेया

(ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य प्रारिक्षणों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री शक्ती मुहम्मद पुत्र मोजा उमानियर पर० तह० राठ जिला हमीरपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री असगर व नियामत श्री रहमत व श्री हशकत पुत्र श्री नूर मुहम्मद जराखार पर० तह० राठ जिला हमीरपुर।

(प्रत्तरिती)

को यह सूचना आयी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी व्यापे:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, और भी प्रवधि बाद में साप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 12.10 डि० 6 किता उमानियर पर० तह० राठ जिला हमीरपुर में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 5-4-1980

मोहर :

प्रसूप प्राई. टी. पन. एस.—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा,
269-प (1) के पश्चीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 11 अप्रैल 1980

निदेश सं. 805-अर्जन/79-80:—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन संबंध प्राविकारी को, यदि विश्वास करते तो कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. 19ए/27ए है तथा जो प्रीमीयर नगर में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अलीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28 सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रिया के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यदि विश्वास करते का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रत्यक्षितों (प्रत्यक्षितियों) के बीच ऐसे अन्तरगत से नियंत्रण दाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरगत, विधिन में वास्तुविकास करने के लिए नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरगत से तुम्हें किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) देसे छिसी प्राय या लिसी धन या अन्य पासितवों को छिस्ते भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाये प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिसने में सुविधा के लिए;

अतः यदि, उक्त अधिनियम की घारा 269-प के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की घारा 269-प को उपरान्त (1) के पश्चीन, निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त :—

(1) श्री कर्मयोगी बादर्स स्थित प्रीमीयर नगर अलीगढ़ बजरिये श्री मदन लाल सुपुत्र लां सालिगराम कटरा।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेन्द्र कुमार दिनेश कुमार राकेश कुमार पुत्र श्री चिमनलाल मेरिस रोड, अलीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अधिकारी के प्रत्यक्षित द्वारा अधीक्षित द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकें।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक कित्त मकान स्थित प्रीमीयर नगर जिसका मकान नम्बर 1ए/27ए अलीगढ़ में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राविकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन नं०, कानपुर

तारीख : 11-4-1980

मोहर :

प्रमुख आहू० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर
कानपुर, दिनांक 3 अप्रैल 1980

निदेश सं० 520/अर्जन/अलीगढ़/79-४०:—अतः मुझे,
बी० सी० चतुर्थदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो विणुपुरी अलीगढ़ ;
स्थित है (और इसमें उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रेकर्ता अधिकारी के कार्यालय अलीगढ़ में, रजिस्ट्रेकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
28-9-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्शमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दर्शमान प्रतिफल से ऐसे दर्शमान प्रतिफल का पन्थ
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यापार प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उआधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्रो सुरेन्द्र कुमार बंसल विणुपुरी अलीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती चन्द्रावती पति श्री कृपाल सिंह निवासी
विणुपुरी, अलीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक किता मकान जो विणुपुरी अलीगढ़ में स्थित है।

बी० सी० चतुर्थदी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण,
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 3-4-1980

मोहर :

प्रवृप्त प्राईंटी ट्रॉ एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 अप्रैल 1980

निदेश सठ० 1007-ए/दादरी/79-80:—अतः मुझे, बी०
सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ए के प्रधीन समाम प्राधिकारी को, यह विवास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम छल्लेरा बांगर में
स्थित है (और इससे उपायदू अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दादरी में,

18-9-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिक्रिया के लिए अस्वीकृत की गई है और मुझे यह विवास करने
का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का प्रमाण
प्रतिक्रिया से अस्वीकृत है, और यह कि प्रमाण (अन्तर्को) और
प्रक्रिया (अस्तरिक्रियों) के बीच ऐसे प्रमाणण के लिए तथा
पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुसरण
लिखित में वास्तविक रूप में किया गया है :—

(क) प्रमाण से हुई किसी धारा की वाक्य, उक्त प्रधि-
नियम, के प्रधीन कर देने के प्रमाणण के वायित्व
में कमी करने या उससे बदलने में मुश्किल के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी उन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अस्तरिक्रिया प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में मुश्किल
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपायां (1) के
प्रधीन निम्नलिखित अस्तरिक्रियों वर्तात :—

(1) श्री चेताराम पुत्र श्री रेली निवासी छल्लेरा बांगर
डा० बरोला परगना व तह० दादरी जिला गाजिया-
बाद।
(अन्तरक)

(2) श्री एहजग्राफ एन्लाइटमन्ट टस्ट रजि० ९
डिफेन्स कालोनी नई दिल्ली २४ द्वारा डा० महेन्द्र
शाह पुत्र श्री हीरालाल शाह।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधीन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के सम्बन्ध में कोई भी घावेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की प्रवृत्ति या तसम्बन्धी अस्तित्वों पर
सूचना की तारीख से ३० दिन की प्रवृत्ति, जो
भी प्रवृत्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अस्तित्वों में से किसी अस्तित्व द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़
किसी अन्य अस्तित्व द्वारा, प्रबोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

ल्पव्यापरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों द्वारा पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अन्याय २०-ए में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अन्याय में दिया गया
है।

मनुसूची

कृषि भूमि 476/6-6-10 छल्लेरा बांगर परगना व तह०
दादरी जिला गाजियाबाद में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी,
आयकर आयुक्त, निरीक्षण,
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 1 अप्रैल 1980
मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 मई 1980

निवेश सं० 593—अर्जन/आगरा/79-80:—प्रतः मुझे,
बो० सो० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन मकान प्राधिकारी को, यह विवास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 51/10 रु० बी०-7 है तथा जो अर्जन नगर
लोहा मन्डी में स्थित है (और इससे उपांचढ़ अनुसुचि में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
आगरा ने रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 10-9-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
प्रस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन दर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे कमी में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा 1 के
अधीन, निम्नलिखित अवक्षियों, अर्थात् :

(1) श्री जी० एम० कुमार पुत्र जी० पी० सुम्मानीयो
नि० 24 किराला लैंड जनाहउल्ली वेस्ट बंगलौर
बुद श्रीमती जी० रत्न कुमार पति।

(अन्तरक)

(2) श्री सो० इलिर पुत्र स्व० एम० इलिर नार्थ इदगाह
कालोनी, आगरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवक्षियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवक्षियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय
बदल किसी अन्य अवित्त द्वारा, अधीक्षिताकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संबोधिता :— इसमें प्रयुक्त गव्हर्नर और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिचालित हैं,
वही पर्याप्त होगा जो उस प्रध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

एक किला ज्ञाट जिला नम्बर 51/10-सं० बी०-7
अर्जन नगर लोडा मन्डी, बाई आगरा में स्थित है।

बो० सो० चतुर्वेदी,

मकान प्राधिकारी,

महायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण,

अर्जन रेज, कानपुर।

तारीख : 9-5-1980

मोहर:

प्रस्तुप आइ० टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, विनांक 13 मई 1980

निदेश सं० 926-ए/मेरठ/79-80:—अतः मुझे, बा० सी०
चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 77 है तथा जो डी० रकवर्ड साकेत
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेरठ में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 1-9-79

को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीर्ति नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृइ० किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों
को, जिन्हैं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृतः—

4-116 GI 80

(1) लै० कं० ए० जी० सिंह पुत्र स्व० श्री एम० जी०
सिंह साकेत मेरठ, सिटी।

(अन्तरक)

(2) श्री के० धीरेन्द्र प्रकाश अग्रवाल पुत्र श्री ओम प्रकाश
अग्रवाल जैन नगर मेरठ सिटी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक संमति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त समति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ० भी वाक्येः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक किता प्लाट नम्बर 77 डी रकवर्ड 918 वर्ष फिट बाके
साकेत मेरठ नगर में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण);
(अर्जन रेंज), कानपुर

तारीख : 13-5-80.

मोहर :

प्रकाश आई० ई० एम० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की बारा

289-व (1) के पश्चीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 मई 1980

निदेश सं० 812/अर्जन/मथुरा/79-80:—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 289-व के पश्चीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का बारण है कि स्वाक्षर संपत्ति उचित बाजार मूल्य 23,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो कन्टूनमेंट एरिया में स्थित है (और इससे उपाखण्ड मनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मथुरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21 सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रांतिकल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यदृ विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के द्वारा ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रमुखके शाविष्य में कभी कानूने या उससे बचने वें लूबिधा के लिए। और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिसमें में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की बारा 289-व के अनुसार में, उक्त अधिनियम की बारा 289-व की उपलब्ध (1) के अधीन, निम्नलिखित अविवरणी, अवृत्त:—

(1) श्री मनोज अग्रवाल पुत्र महेश चन्द्र व विलायत माँ श्रोत्रा मीरा अग्रवाल, चांद मारी चौकी मथुरा।

(अन्तरक)

(2) श्री राम साहब दाऊ दयाल गुप्ता पुत्र श्री लक्ष्मी नारायण व गया प्रसाद पुत्र श्री बद्री दास जी व राम निवास पुत्र बद्री दास व पूरन किशोर पुत्र श्री लयाली राम जी व मोहन लाल पुत्र लाल श्री नाथ दास व किशन लाल पुत्र बाबू लाल व किशन चन्द्र पुत्र बाबूलाल व रमेश चन्द्र पुत्र बाबू लाल निं० हाल बम्बई व रूप किशोर एड्वोकेट मुख्तार आम सूरजभान व ताराचन्द्र पुत्र श्री गिराजनल निं० हालफल्खाबाद व श्री सूरजभान मुख्तार आम व शम्भूनाथ पुत्र श्री गिराजमल व हरीमुरारी पुत्र श्री गिराजमल निं० गण सवर बाजार शहर मथुरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अवैन के संबंध में कोई भी घासीष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरें अविलियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रदर्शन बाज में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविलियों में वे किसी अविलियत द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 46 दिन के भीतर उक्त स्वाक्षर संपत्ति में हितवद्धु किसी अव्यवस्थित द्वारा, अवोहस्ताकारी के पास अविलियत में किए जा सकें।

उपलब्धीकरण।—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनुसूची

जोके मोहाले बरामद छावनी मथुरा अन्दर कन्टूनमैन्ट एरिया मथुरा में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी,

सकाम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

(अर्जन रेंज), कानपुर

तारीख : 9-5-80

मोहर:

प्रस्तुप प्राप्ति ३० एप्रैल १९८० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 मई 1980

निकेश सं० 538/प्रर्जन/फिरोजाबाद/79-80:—ग्रन्त: मुझे,
बी० सी० चतुर्वेद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है।

और जिसकी सं० जायदाद है तथा जो औबेजी का बाग में स्थित
है (और इससे उत्तरवाह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय फिरोजाबाद में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1098 का 16) के अधीन, तारीख 28
सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
पौरुषा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-
नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित अधिकारी, प्राप्ति:—

(1) श्री मन्नूमल पुत्र श्री शम्भू मल निवासी लोबर
कालोनी, फिरोजाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गियेलेश कुमारी पुत्री श्री वल्लभ व आमा-
देवी पुत्री प्रभुदयाल व मीना कुमारी पुत्री ज्ञान
धन्द्र व श्री मधुरानी पुत्री लाला रामबाबू निवासी
गण फिरोजाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्याब्हियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तसम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में
से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अविक्त द्वारा अधिवृहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

प्रकाशकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भानुसूची

एक किता जायदाद बाके औबेजी बाग फिरोजाबाद जिसका
प्रतिफल 3557 कुट सरीमा पूरब जायदाद राजाशाम पचहृष्टम
सरकाजा बाद रास्ता उत्तर जायदाद अम्बिकाचरन दक्षीण
नाला बाद हूँ सड़क है।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
(अर्जन रेज), कानपुर

तारीख : 9-5-80

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के अधीन सुनवा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जनरेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 मई 1980

निदेश सं० 1036/अर्जन/देहरादून/79-80:—प्रतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वारार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है,

और जिसकी सं० 29 मकान है तथा जो राजेन्द्र नगर कालोनी में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची और पूर्ण रूप से विभिन्न है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून में, जिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-9-79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रमत्तिरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्णकृत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रमत्तरक (अन्तर्कों) और प्रमत्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे पन्द्रहरण के लिए तथा याय गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रमत्तरण लिखित में वास्तविक कारण से नियुक्त नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के प्रमत्तरक के दायित्व में कर्ता करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिहें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावधि अनुसूचित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आविहै था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प की उपचारा (1) के अन्तर्गत, निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् ।—

(1) विनेदियर सुबन्धु गंगोली पुत्र स्व० आर० बी० डा० सत्येन्द्र नाथ गंगोली, 31, कोलागढ़ रोड़ देहरादून।

(अन्तरक)

(2) श्री केशी लाल राम कुमार पुत्र श्री प्रयाम लाल 12 आडत बाजार, देहरादून।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तर्सेवांधी अवित्यों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रबन्ध बाब ये प्रमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से किसी अवित्य द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बाह किसी अव्यक्त द्वारा, अबोहस्ताकारी के पास निवित में छिए था सकते।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किला मकान जिसका नम्बर 29 भेलफल 800 वर्ग मीटर राजेन्द्र नगर कालोनी में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
(अर्जनरेंज), कानपुर

तारीख : 9-5-1980

मोहर :

प्रकृष्ट आईटी०एन०एस०——

ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 मई 1980

निवेश सं० 1039/ए/देहरादून/79-80.—ग्राम्यकर मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकारा प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 194/ए/1 है तथा जो राजपुर रोड देहरादून में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-9-79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई किसी ग्राम्य की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम्य या किसी धन या ग्राम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राम्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगमार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्राम्य, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपग्रामा (1) के निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री दिलावर कुपाल चेत मिह पुत्रस्व० आर० एम० चेल मिह 194/1/1 राजपुत रोड, देहरादून।
(अन्तरक)

(2) श्री एक्सेवियर पुत्र श्री चन्द्री तथा श्रीमती एम०, एक्सेवियर निवासी मिशन अस्पताल ज० क०।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राम्यकर :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लप्तवीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान जिसका नम्बर 194/ए/1 जिसका ऑफिस-फ्लॉर 973.78 वर्ग मीटर राजपुत रोड देहरादून में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सभाम प्राधिकारी
(महायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर, निरीक्षण)
(अर्जन रेंज), कानपुर

तारीख : 9-5-80

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 मई 1980

निवेश सं० 546/अर्जन/ग्रागरा/79-80:—प्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 5/16 है तथा जो नेहरु रोड़ कटरा मोहम्मद गंज में स्थित है (और इससे उपार अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी के कार्यालय, फर्रुखाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-9-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और यह यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफिल निम्नलिखित रद्देश से उक्त प्रभारण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है;

(क) प्रभारण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रभारक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आविष्कारों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगसार अस्तरिती द्वारा प्रकट कहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किसाने वे सुविधा के लिए;

अतः, वब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविवायों, अर्थात्—

(1) भीमती बुलारी देवी देवा लक्ष्मी नारायण दास टंडन बलराम टंडन, शुशीना टंडन पुत्र लक्ष्मी-नारायण टंडन श्रीमती रनू टनान लक्ष्मीनारायण पुत्री श्री लक्ष्मीनारायण टंडन पो० कमरिया, नि० शाहजहांपुर, फर्रुखाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ज्ञान वती पति किशन नारायण श्रीमती पाति स्वामी दयाल मु० गव निकुंज फर्रुखाबाद।
(अन्तरिती)

को यह दृष्टि जारी करके तूर्चीकृत सम्पत्ति के प्रबंध के सिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के रजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के रजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्से किसी प्रण अविक्त द्वारा, भवोइस्टाफरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सफलीकरण :—इसमें प्रयुक्त सब्जेक्टों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति, है, वही अर्थ होगा, जो इस प्रधारण में विद्या भवा है।

अनुसूची

एह निता महान जिसका तम्बर 5/16 नेहरु रोड़ कटरा मोहल्ला मोहम्मदगंज फर्रुखाबाद में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी,
(सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 9-5-80

मोहर :

प्रकरण नं. ८० ई० एस० ८०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 मई 1980

निदेश सं. 1003-ए/बागपत/79-80:—प्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवाद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. मकान है तथा जो बड़ौत में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-फर्स्ट अधिकारी के कार्यालय, मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25 सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रिया के लिए अनुसृति की नई है और मुझे यह विवाद करने का कारण है कि यवापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया के पश्चात् प्रतिक्रिया से प्रधिक है और प्रम्तरण (प्रम्तरकी) और प्रत्यारिती (प्रत्यारितियाँ) के बीच ऐसे प्रम्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त प्रम्तरण लिखित में वास्तविक कप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) प्रम्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रम्तरण के बायित्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिसमें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या अनुकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे प्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, किसमें में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-व के प्रमुखरूप में, ये, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-व की उपरोक्त (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री सुरेश चन्द्र पुत्र सुलतान सिंह निवासी बड़ौत डा० खास तह० बागपत जिला मेरठ।
(अन्तर्दक)

(2) श्री अशोक कुमार अनिल कुमार अरुण कुमार अशोक कुमार पुत्र अतर सेन व मनीष कुमार व सचिव कुमार पुत्र गण आदीश कुमार मात्रा नावालिंग ऊपा जैन काजीहपुर पट्टी बड़ौत तह० बागपत जि० मेरठ।
(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करवा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या उससम्बन्धी व्यक्तियों वर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बह जिसी धन्य व्यक्ति द्वारा प्रत्योक्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही पर्याप्त होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान जिसका क्षेत्रफल 402 वर्ग भी० बड़ौत तह० बागपत जिला मेरठ में स्थित है।

भी० सी० चतुर्वेदी,
मक्षम प्राधिकारी,
(महायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: ९-५-८०]

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 11 मई 1980

निदेश सं० 829—अर्जन/79-80:—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो नव निकुञ्ज में स्थित है (और इसमें उपाखद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी के कार्यालय फर्खाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24-9-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच [ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है]—

(क) अन्तरण से मुई किसी द्वाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथात्:—

(1) श्री राजेश्वर भान पुत्र श्री सुन्दर लाल निवासी मौ० सदवाडा जिला फर्खाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री दुर्गेश चन्द्र नावालिंग वत्तक पुत्र अजनन्दन लाल मौ० नारायण पुर पर० तह० फर्खाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान पुल्हा पूर्व व पच्छाम रूप मप आराजी पूर्वी व पच्छामी आराजी दक्षिणी रूप माशी पूर्व पच्छाम साठ फिट व उत्तर दक्षन एक सौ चालीस फिट महङ्ग दाताहित वाके फर्खाबाद नवनिकुञ्ज में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी,
(सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 11-5-1980

मोहर:

प्रस्तुत प्राईटी ० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 13 मई, 1980

निवेश सं० 934-ए/बू० एहर) 79-80:- अतः मुझे, भी०
भी० चतुर्वेदी,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो साथा रोड़ में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में 'औरपूर्ण' रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बुलन्द शहर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (19078 का 16) के अधीन तारीख
5-9-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वापत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरता धारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
5-116GT/80

(1) श्री शंकर नाल पुत्र श्री राम प्रसाद निवासी
नगर बुलन्द शहर मौ० इटा रोड़ी मकान नं०
162/1 जिला बुलन्द शहर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बीना शुक्ला पति श्री भी० के० शुक्ला
3/4 भाग जिला अलीगढ़ वा श्रीमती शान्ति
मिश्रा पति नरेश चन्द्र मिश्रा निवासी बुलन्द शहर
1/4 भाग बुलन्द शहर मौ० बाबूपुरा बुलन्द
शहर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किस व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त पद्धतों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता आवादी आराजी 650 वर्ग गज भूमि जिसमें
3 कमरे व 1 टीन घोड़ कर्वई एरिया 100 वर्ग गज भूमि स्थित
हैं।

भी० सी० चतुर्वेदी,
मकान प्राधिकारी,
(सहायक आपकर आयुक्त, निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 13-5-80

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईंटी एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 मई 1980

निवेश सं० 807-अर्जन/79-80:—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका परिवर्त बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी सं० 30/12 है तथा जो पीपल मन्डी आगरा में स्थित है (और इससे उपायद्वारा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्हात अधिकारी के कार्यालय, आगरा में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-9-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखिल में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-फार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री डा० स्वराज सिंह माधुर पुत्र श्री प्रभु शंकर माधुर निवासी 84 ई० सेक्टर 14, चन्द्रगढ़।
(अन्तरक)
(2) श्रीमती आशादेवी धर्मपति गिराज किशोर 1/2 हिस्सा व श्रीमती उमादेवी धर्म पति श्री विजय कुमार 1/2 हिस्सा मा० लड्डार गली आगरा।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायदाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तर्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताभारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

उपर्योग: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सब अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान पुलड़ा दो मंजिला मय जमीन जेरीन नम्बरी 30/12 बाके पीपल मन्डी आगरा में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी,
मकान प्राधिकारी,
(महायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 11-5-1980
मोहूर :

प्रकल्प आई० टौ० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के प्रवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 मई 1980

निदेश सं० 1041-ग०/देहरादून/79-80:—अतः मुझे,
बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के प्रवीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 25/4252 है तथा जो सुभाष नगर में स्थित
है (ओर इसमें उक्त अनुमूली में और पुराँ रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27
सितंबर, 1979 .

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पश्च प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरालों)
और अन्तरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए
तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से किंवित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रवीन कर देने के अन्तरक के
बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए घोर/या;

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनायं अन्तरिती दारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, जिसमें
सुविधा के लिए;

अब; अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपकारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित धर्मितार्गी, पर्याप्त:—

(1) श्री पीतम सिंह पुत्र 'श्री भगवान सिंह सुभाष
नगर देहरादून।

(अन्तर्लक)

(2) श्री जी० एन० सेमबाल पुत्र श्री पंचित गंगा राम
सेववाल निवासी 208, बमंत विहार, देहरादून।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्यदी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों म से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी भव्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

उपर्योग:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुमूली

एक किता मकान जिसका नम्बर 25 तथा 4252 सुभाष
नगर देहरादून में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 9-5-1980

मोहर:

प्रसूत पाई० डी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 7 मई 1980

निदेश सं० 1040/ए/देहरादून/79-80:—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके अन्तर्वात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-व के अधीन मकान प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से अधिक है

और जिसकी सं० 20 है तथा जो राजपुर रोड, देहरादून में स्थित है (और इसमें उत्तरवर्द्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीहर्ट प्रधिकारी के कार्यालय, देहरादून में, रजिस्ट्री-करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-9-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अवृत्ति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पांचवां प्रतिशत से अधिक है प्रौढ़ प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप से लिया नहीं रिया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई हिन्दी भाष्य की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन करने के प्रस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(छ) ऐसी किंवदं आय या किंसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घनकर प्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः एवं, उक्त प्रधिनियम की बारा 269-व के प्रस्तरण में, ये, उक्त प्रधिनियम की बारा 269-व की उचित (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री टिक्का रणधीर सिंह द्वारा श्री एस० आर० कोवर मुख्तार चार नमिला रोड, देहरादून। (प्रत्यक्ष)

(2) श्री प्रताप सिंह पुत्र श्री जयराम दास ई० 86 अमर कालोनी लाजपत नगर 4, नई दिल्ली। (प्रत्यक्ष)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के संबंध में कोई भी आपेक्षा:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरात्मी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन को प्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(छ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास निवित भैं किए जा सकेंगे।

उपरोक्तरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभ्रान्त हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान जिसका नम्बर 30 राजपुत रोड देहरादून में स्थित है तथा जिसका क्षेत्रफल 7,513 वर्ग फुट है और जो 36000/- रुपये में बचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सकान प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 7-5-1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एम०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 मई, 1980

निदेश सं० 985-ए/कानपुर/79-80:—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 599 तथा 602 है तथा जो चेक नं० 9 प्लाट
बगदोदही में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन
तारीख 20-9-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से बुझे किसी आय की वाचत, उक्त अधि-
नियम ने प्रतीत कर देता के पन्नरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें वरने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती ढारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए ।, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, को धारा 269-वा के अनुमरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपशारा (1)
के प्रधीन, निम्नलिखित अविनायों, प्रवर्त्ति:—

(1) श्रीमती आशा रानी अग्रवाल पति श्री लक्ष्मी
नानायण अग्रवाल 12/255 मिविल लाइन कानपुर।
(अन्तरक)

(2) श्री रामगंगा महाकारी गृह निर्माण समिति लि०
7/711 बी, स्वरूप नगर, कानपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षियों में से किसी अविक्षिय द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अविक्षिय द्वारा अधोहस्ताभरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

हृषीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही
प्रथम होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि नम्बर 599 तथा 602 चौथे नम्बर 9 प्लाट 599
व 602 ग्राम बगदोदही परगना कचार तहसील क्षेत्र कानपुर,
में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण);
(अर्जन रेंज), कानपुर।

तारीख : 6-5-1980.

मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जनरेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 मई, 1980

निवेश सं० 987-ए/कानपुर/79-80:— अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण, है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 599 व 602 है तथा जो ग्राम बगदोदही में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-9-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ते ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण नियमित में बास्तविक रूप से कर्तित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें मार्तीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1967 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा, छिपाव में सुविधा के लिए।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुत्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अपेक्षा (1) के अद्वीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती आशा रानी अग्रवाल पति श्री लक्ष्मी नरायण अग्रवाल निवासी 12/255 मिशिल लाइन्स कानपुर।

(अन्तरक)
(2) रामगंगा सद्कारी गृह निर्माण समिति लि० 7/171 बी, स्वरूप नगर, कानपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 36 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपर्युक्त:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति है, वही पर्व होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

छुपि भूमि नम्बर 599 व 602 ग्राम बगदोदही परगना कचार तहसील जिला कानपुर में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
(अर्जनरेज), कानपुर

तारीख : 6-5-1980.

मोहर :

प्रलूप आइ. टी. एन. एस.—

(1) श्रीमती वीरन बाली परिन सरदार गुरुवित सिंह निवासी
17 बी 11/2 केतकुल गंज कानपुर।
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 मई 1980

निदेश सं० 981-ए/कानपुर/79-80:—प्रतः मुझे, बी०
सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उन्नित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० 13 ब्लाक पी स्कीम नं० 1 है तथा जो गोविन्द
नगर कानपुर में स्थित है (प्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16),
के अधीन, तारीख 21-9-1979

को पूर्वांकित संपत्ति के उन्नित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उन्नित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीर्ति नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हट्ट किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः:—

(2) श्री बजीर चन्द्र मलहोका पुनर श्री देवी दिला
मलहोका 126/क्यू/3 गोविन्द नगर कानपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक किता प्लाट नम्बर 13 ब्लाक पी स्कीम नम्बर
1 अन्तरक 533 वर्ग गज गोविन्द नगर कानपुर में स्थित
है।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
(अर्जन रेंज), कानपुर
तारीख : 6-5-80.
मोहर :

प्रकरण प्राईंटी एन् एस्—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 मई, 1980

निवेश सं० 976-ए/कानपुर/79-80:—ग्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सभी सामग्री को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 28, 30, 31 है तथा जो मौजा गंगापुर में स्थित है (और इससे उपावन्दी अनुसूची में श्रीरपूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 25-9-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि वयपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे व्यक्तिगत विभिन्नताएँ विद्युत में वास्तविक रूप से कमित नहीं किया गया है:—

(क) उक्त से ही किसी आय की वापर, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन करने के पात्रक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) देसी किसी आय या किसी छन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या उनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगसार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसरन में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपवारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अवासि:—

(1) श्री बंश गोपाल श्रामज श्री बलदेव निवासी जुगई पुर मजरा मौजा गंगापुर पर० व जिला कानपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री यादवेन्द्र सहकारी गृह निर्माण समिति लि० 128/51 जी किलवई नगर कानपुर, कानपुर जिले जगदेव सिंह यादव।

(अस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैतन के लिए कार्यालयाद्वारा होता है।

उक्त सम्पत्ति के अवैतन के मन्त्रनालय में जोई भी आवश्यक:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद जिसी अन्य अविक्षित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिचायित हैं; वही प्रथा होगा, जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि नम्बर 28, 30, 31 रकवा 4111/3 मोजा गंगापुर पर० व जिला कानपुर में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी,

मध्यम प्रधिकारी,

महायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),

(अर्जन रेंज), कानपुर

तारीख: 6-5-80

मोहर:

प्राधिप आई० टी० एम० एस०-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
 269-ष (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, कानपुर
 कानपुर, दिनांक 6 मई, 1980

निदेश सं० 976-ए/कानपुर/79-80:—श्रतः मुझे, थी०
 सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ष
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 413, 415, 350, 2015, 7 व है तथा जो
 बुढ़पुर मछरिया में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
 और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
 कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
 के अधीन, तारीख 25-9-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अस्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने
 का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
 उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात्
 प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरकों) और अस्तरिती
 (अस्तरितियों) के दीन ऐसे प्रत्यक्षण के लिए तय पाया गया
 प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त प्रत्यक्षण लिखित में
 वार्ताविक रूप से कठित नहीं किया गया है :--

(क) अग्रवण से हुई किसी प्राप्त की वादत उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
 में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
 और/या

(ब) ऐसी किसी प्राप्त या किसी धन या धन्य आस्तियों
 को, जिन्हें प्रायकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
 अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगमार्थ
 अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
 जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, यद्य, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष (1) की उपधारा (1) के
 अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :--
 6-116G1/80

(1) श्री ननकू पुत्र खेमन निवासी कानपुर पर० व
 जिला कानपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री जगदेव सिंह यादव सचिव यावदेन्द्र सहकारी
 गृह निर्माण समिति लि० 128/51 किंदवई नगर,
 कानपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के
 अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहकेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तसम्बद्ध अवित्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी
 धन्य अवित्त द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित
 में किए आ सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20 का में परिभाषित
 है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
 दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि मोजा बुढ़पुर मछरिया व मोजा गंगापुर जिला
 कानपुर में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी,
 सक्षम प्राधिकारी,
 सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
 (अर्जन रेंज), कानपुर

तारीख : 6-5-80.

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, नियन्त्रण आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 मई, 1980

निकेश सं० ९७७/ए/पी० एन०/कानपुर/७९-८०—ग्राम: मुझे,
बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पावत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन ताक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है,

और जिसकी मं० 38, 34, 37 है तथा जो गंगापुर में स्थित
है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25
सितम्बर, 1979 को]

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फ़ल ह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
दण्डण में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं
मिया गया है—

(क) अन्तरण में ही किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी उसके या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तिम द्वारा प्रकृत नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्राम: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उधारा(1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः—

(1) श्री भगवनी ब नरामल पुष्टगण मोहर निवासी
जगुई डा० गंगापुर पर० व जिला कानपुर।
(अन्तरक)

(2) श्री जगदेव सिंह यादव सचिव यादवनन्द सहकारी
गृह नियमण समिति लि० 128/51 किंदवर्ज नगर,
कानपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी भावेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर सूचना
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्तबढ़ किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
प्रयृष्ट होगा, जो इस घटनाय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि नम्बर 8, 34, 37 3 किता मोजा गंगापुर
पर० व जिला कानपुर में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 6-5-80.

मोहर :

प्रकाश प्राईंट डी० एस०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर
कानपुर, विनाक 13 मई, 1980

निवेश सं० 1005-ए/दादरी/79-80:-—ग्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्भुवी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के प्रधीन पत्र आधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंजित जिला उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट है तथा जो चन्द्र नगर कालोनी में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में, और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, दादरी में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-९-७९

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य ने उक्त प्रतिफल निम्नित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वापिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यात्:—

(1) श्री एम० बरदराजन पुत्र श्री ओ० ए० मथुर में निवासी संयुक्त सचिव भारत सरकार पट्टोलियम तथा रसायन मन्त्रालय, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री नरेश जुनेजा पुत्र बी० एस० जुनेजा 24/151 विक्रम विहार लाजपत नगर नई दिल्ली व जी० डी० मेहता पुत्र बी० डी० मेहता 3 बी०/2 लाजपत नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदृसताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता प्लाट सी 5 कालोनी चन्द्र नगर कालोनी आजियाबाद में स्थित है।

बी० सी० चतुर्भुवी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख: 13-5-80.

मोद्दूर:

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 13 मई, 1980

निर्देश सं० 1013-ए/म० नगर/79-80—अतः मुझे,
बी० सी० चन्द्रेंदी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० है प्रधिक है

और जिसकी सं० मात्रान 16 (1) है तथा जो मोहल्ला बकदर
में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुजफ्फर नगर
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 22-9-79 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथावृत्तक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-
तीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
विवरित उपयोग से उक्त अन्तरण तिरिया में वास्तविक रूप
में नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से नहीं किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए।
बी० सी०

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर प्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती जहीर कालमा बेवा सव्यद मोहम्मद साईद
मरहम निवासी खेड़ी परगना व जिला मुजफ्फर
नगर।

(अन्तरक)

(2) श्री मती श्रंगुरी देवी पत्नि श्री रोशन लाल निवासी
मौजा सहारनपुर मोहल्ला मोर शाह हासन चित्ती
सहारनपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मम्पति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवड़
किसी भूम्य व्यक्ति द्वारा अवोहस्ताभरी के पास लिखित
में निहित जा सकें।

स्पष्टटीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो
उक्त अधिनियम के पद्धाय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
पद्धाय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता हवेली नम्बर 16 बन 16 (1) बाके मोहल्ला
बकदर कस्सा बान मारक भोती बाजार जिला मुजफ्फर
नगर में स्थित है।

बी० सी० चन्द्रेंदी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण);
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 13-5-80

मोहर :

प्रह्लय आई० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर
कानपुर, दिनांक 13 मई 1980

निवेदण सं० 1068-ए/गा० बाद/79-80:—अतः मुझे,
बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 11/ए, है तथा जो नेहरू नगर में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्स अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 28-9-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यावर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों के) दीव ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती कृष्णा कपूर निमासी ई०सेठी भवन अर्जुन
नगर गाजियाबाद।
(अन्तरक)
(2) मै० जैन उच्चोग बिन्डसर हौज नं० पी 14 अनिरंकित
स्ट्रीट कलकता, पार्टनर श्रीमती राजकुमारी जैन।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के अन्वय में कोई भी शाखेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता प्लाट नम्बर 11-ए/4, परिया 465, 14 मी०
नेहरू नगर, गाजियाबाद में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सकम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 13-5-80

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 20 मई 1980

निवेश सं० 1000/-मेरठ/79-80.—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० मकान 38 है तथा जो धरमेश नगर कालोनी में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

27-9-79

को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभाग (1) में अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती सुदेश महल पति एस० के० बहल निवासी सराय लाल दास, मेरठ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कमल चन्द्र छाबड़ा पति श्री शिव चन्द्र छाबड़ा, कुमारी सन्तोष छाबड़ा तथा डा० शिव चन्द्र पुत्र बोध राज निवासी 38, धरमेश नगर, मेरठ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरान्वी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकृत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वहिध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रत्युक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में वरिसारित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनूसूची

एक किता मकान नम्बर 38 धरमेश नगर कालोनी वागपत रोड़, में स्थित है तथा जो 68000/- रु० का बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 20-5-80

मोहर :

प्रस्तुप आर्द्ध. टी. एम्. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 20 मई 1980

निदेश सं० 1017 ए/मवाना/79-80.—ग्रतः मुझे, बी०
सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 424 है तथा जो कल्याण सिह में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मवाना में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
24-9-79

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूर्द्द किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर बनने के अन्तरक के वायित्व में
कभी करने या उससे बनने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों वर्तातः—

(1) श्री वीरेंद्र प्रकाश कोशिक पुत्र श्री जगदीश प्रकाश
कोशिक निवासी मौ० कल्याण मिश्न कस्बा मवाना
कला परगान हस्तिनापुर, मेरठ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रेमलता पति भारत भूषण व श्रीमती
हेमलता पति श्री प्रह्लाद राय निवासी मौ०
हीरालाल कस्बा कला मेरठ।

(अन्दरियी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्मानी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

ममूमूची

एक किता दुकान व मकान नं० 224 मौ० कल्याण सिह
रकवई 179 एक मौ उन्नासी वर्ग गज जिसके पूर्व में मकान बाबू-
राम पश्चिम में सहन दुकान व बड़क सरकारी उत्तर में
दुकान व मकान जगदीश पाल दक्षिण में गैलरी व दुकान
योगेन्द्र प्रकाश मवाना कला 1 में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी,
मक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकृत, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 20-5-1980

मोहर:

प्रह्ला श्राई० टी० एन० एम०--

ग्रामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक प्रायकर प्रायुक्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 20 मई, 1980

निक्षेप सं० 1006-ए/मेरठ/79-80.—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

ग्रामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान 38 है तथा जो राजेन्द्र नगर कालोनी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-5-80

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण ये तुर्दि किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, व्याधीतः:—

(1) श्रीमती सुकेश बहून पति एस० के ० बहून निवासी सरगय लाल दास मेरठ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कमल चन्द्र छावड़ा पति श्री शिव चन्द्र छावड़ा कुमारी सन्तोष छावड़ा तथा डा० शिव चन्द्र पुत्र बोध राज निवासी 38 धरमेश नगर मेरठ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजांत के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजांत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहूस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किला मकान नम्बर 38 धरमेण नगर कालोनी बागपत रोड़, मेरठ में स्थित है तथा जो 68000/- रु० का बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी;
सक्षम प्राधिकारी
महायक प्रायकर प्रायुक्ति (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 20-5-80

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी ८० एन० एस०————

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आधिकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 मई 1980

निर्देश सं० 38/मेपट/79—ग्रन्त; मुझे, ओ० आनंद्राम,
आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 19 तिर्हुतीनियुर रोड, है जो मद्रास-81 में
स्थित है (और इसमें उपायद्वय अनुसूची में और पूर्ण में वर्णित है)
ग्रजिस्ट्रेकर्नर्स प्राधिकारी के कार्यालय, रामपुरम मद्रास (डाक०
नं० 1335/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन भित्तिकर 1979

को पूर्वांकित सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल में एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिम
(अन्तरिमियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाणा गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(1) श्री एस० बोस

(अन्तरक)

(2) श्री मतो पापी

(अन्तरिमी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
तिलिम में किए जा सकेंगे।

निपटीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक्य में कभी करने या उससे जचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(म) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिमी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

डाकुमेंट नं० 1335/79 एम० आर० ओ० रामपुरम,
मद्रास, भूमि और निमाण-डोर न० 19 (नमी) तिर्हुतीनियुर
है रोड, मद्रास-81।

ओ० आनंद्राम
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आधिकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

दिनांक : 5-5-1980

मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

7-116GJ/80

प्रस्तुत आई० दी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, टक्करबगल, गिरीपेट, नागपुर

नागपुर, दिनांक 28 मार्च 1980

फा० सं० आई० ए० भी० /अर्जन/134/79-80—अतः

मुझे एम० के० बिलल्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिम्मी मं० माकान नं० 389/0-3(नया) डिवीजन नं० 8 है, तथा जी धरमपेठ, नागपुर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध ग्रन्तुसूची में और जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 6-9-1980

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थगमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास करने का कारण है कि ग्राहापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थगमान प्रतिफल से ऐसे द्वयमान प्रतिफल का पत्तह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, लक्ष्य अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कार्यालय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमिलयों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आविष्ट था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती मनोरमा देवी, इनामदार,
गंकर नगर, रायपुर (म० प्र०)।

(अन्तरक)

2. मै० कंचन कोप्रापरेटिव हाउर्सिंग सोमाइटी लिमिटेड,
लक्ष्मी भवन के पीछे, धरमपेठ, नागपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

म्प्रीकरण:—इसमें प्रश्नका शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्तुसूची

माकान नं० 389/0-3(नया) वाई नं० 70, डिवीजन नं० 8, मकाल नं० 20, धरमपेठ, नागपुर।

एम० के० बिलल्या
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख: 28-3-80

मोहर:

प्रकल्प आई० ही० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (तिरीकण)

अर्जन-रेज, टक्कर बगल गिरीपेठ, नागपुर

नागपुर-10, दिनांक 27 मार्च 1980

फा० म० प्रार० ए० सी०/अर्जन/133—यतः मुझे, एम०
के० बिलत्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी म० मकान न० 292/0+3, धरमपेठ, नागपुर
में है तथा जो धरमपेठ, नागपुर में स्थित है (और इसमें उपाध्यक्ष
अनुसंधी में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय धरमपेठ, नागपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 6-9-80

को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंत सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के गम्भीर प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष
(अन्तरकों) और प्रत्यक्षी (प्रत्यक्षियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के निए वर्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कर्तित नहीं
किया गया है:—

(क) प्रत्यक्ष में हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक्ष में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 37) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

बतः, प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपकारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) कैप्टन मधुकर गोविन्द पुरवै तथा दूतर,
द्वारा, प्रदीप कुमार पुरवै, चडीगढ़।

(2) विद्मं प्रेमियर काशीपरेटिव हार्डिंग मोमाइटी,
नागपुर।

(अन्तरक)

2. (1) दी विवर्भ प्रेमियर को अपरेटिव हार्डिंग मोमाइटी
नागपुर।

(2) कृष्णराव गगा राम जोशी, तथा दिपक
दिनानाथ, जोशी, धंतोली, नागपुर।

(अन्तर्नीती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अर्जन के
लिए नामंवाहियों युक्त करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी याकेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन
की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बार
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोंत व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवौहस्ताक्षरी के
पास लिखित में फिर जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रथम नामों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही वर्ण होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

प्रमुखः

महान न० 292/0+3, धरमपेठ, मर्कन न० 20, नागपुर।

एम० के० बिलत्या

मकान प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (नर्गेश्वर)

अर्जन रेज, नागपुर

तारीखः 27-3-1980

मोहरः

प्रकृष्ट प्राईंटी टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर-10, दिनांक: 26 मार्च 1980

फा० सं० आय० ए० सी०/अर्जन/132/79-80—अतः मुझे,
एस० के० बिलल्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा याहै), की धारा 269-ब
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 61 है, तथा जो गांधी बाग, नागपुर
में स्थित है (और इसने उपावद्ध अनुसूची में आ० और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) राजस्त्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नागपुर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 24-9-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
प्रतिरिती (प्रतिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृष्टि किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थे अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

1. श्री हिरालाल लीलाधर, आमगे,
(2) श्री मनोहर लीलाधर आमगे
शु. प. वर्नी वाई. नीनाधर आमगे, इतवारी पोस्ट
ऑफिस के पीछे नागपुर।
(अन्तरक)

2. श्री गंग नारायण बनश्चारीलाल मेहाडिया,
न्नाट नं० 61, गांधी बाग, नागपुर भोदी नं० 1, सीता-
बड़ी, नागपुर।
(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षिताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
प्रयोग होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

प्लाट नं० 61, मार्केट एरीया, गांधी बाग, नागपुर।

प० क० बिलल्या
मध्यम प्राधिकारी
महायक आयकर अधिकारी, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख: २८.३.१९८०
मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अपति:—

श्रीम प्राईंटी एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, छक्कर बंगाल गिरीपेट, नागपुर-10

नागपुर-10, दिनांक 26 मार्च 1980

निर्देश नं० फ००८०/आई०ए०प००/अर्जन/131/79-80--
अतः मुझे, एस० को० बिललया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन मकान प्रतिवादी को, यह विश्वाय करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, त्रिग्राह उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है।

और जिसकी संख्या मकान नं० 526/0+4 है तथा जो नागपुर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) राज्यालय अधिकारी के दार्यालय नागपुर में राजस्वाधारण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाय करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के प्रमद्दृष्ट प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिरप्ति निवारि में वास्तविक रूप से कायित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की वायत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रतिरक्त के वायितव ये कष्टी करने पा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी वा या अन्य सास्त्रियों को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

पतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अवतुः:—

(1) श्री राजेन्द्र नाथ राम लाल जे० पीया। टाउन, प्रधान अधिकारी निधि समा, मध्य प्रदेश, जबलपुर।
विश्वाय उक्त भवन, मंगलवारी बाजार, मदर नागपुर।
(अन्तरक)

2 (1) श्री गयादीन (पेटर), रामदीन गंगोत्री, उप प्रधान, अर्व समा॒ज हमापुरी, मंदिर, नागपुर
(2) शिवपूजन धनपत मनिक, लोहीपुरा, नागपुर।
(3) श्री अवण कुमार, सुन्तलालगोर, हंसापुरी, छोटी खदान, नागपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रबंन के लिए कार्याद्वारा है।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी अवक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवक्तियों में से किसी अवक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवक्ति द्वारा, अधोदृस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्वाक्षरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20-ए में परिवर्तित हैं, वही प्रयोग होते हैं। जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 526/0+4 मर्कल नं० 16/22, वार्ड नं० 17, पुश्ता नया 35 छोटी खदान, सेंट्रल रेवेन्यू, रोड नं० पीछे, नागपुर।

एस० के० बिललया
मकान प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, नागपुर

तारीख: 26-3-80
मोहर:

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, छक्कर बंगल गिरीषेठ, नागपुर-10
नागपुर-10, दिनांक 25 मार्च 1980

फा० सं० प्राई० ए० सी०/अर्जन/130/79-80--अतः
मुझे, एस० के० बिललय।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी म० म्पुनिमिपल मराननं० 539/09 बी है, तथा जो
नागपुर में स्थित है (और इसमें उपबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण
रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीर्टा अधिनायी के कार्यालय नागपुर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 28-9-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ज) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या लिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष को उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अर्थातः :—

1. श्रीमती अनुसूचिया बाई गुलाबराव इहाके,
गुमगाव, जिला नागपुर।

(अन्तरक)

2. श्री गणप्रसाद शिवप्रसाद गुप्ता,
दनलपुरा, हंपपुरी, खदान (छोटा), हंसापुरी,
नागपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अज्ञत के लिए
कार्यशालियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अज्ञत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजाव में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वल्पोहरण :—इस प्रपुत्र गब्दों और पदां का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमापित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उप अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

म्पुनिमिपल मराननं० 539/09 बी, वार्ड नं० 35 मकेन
नं० 17/23, वेस्ट प्रेसीडेंस, सेंट्रल बैग रोड, नागपुर।

प्राम० के० बिललय
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख : 25-3-80

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंटी० टी० एन० एस०————

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर-10

नागपुर-10, दिनांक 25 मार्च, 1980

फॉ० स० आर्म० ए० सी अर्जन 129 ७९-८०

यतः मुझे एस० के० बिल्या

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर मम्पति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० मकान नं० 114/0—1 है, नथा जो धंतोली,
नापुर में स्थित है (और इसमें उपावड़ अन छुची में और जो पूण
रूप में बणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नापुर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 4-9-1979

की पूर्वोक्त मम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे पह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दूष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
प्रनारक (प्रनारकों) और प्रनारिती (प्रनारितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए यह पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) प्रतरण से हुई निसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए ; और/या

(ख) ऐसी निसी आय या निसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगशार्थ अनारितो द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या निया जाना चाहिए था, छिनने में
सुविधा के लिए;

यतः प्रद, उक्त अधिनियम द्वी घारा 269-ब के अनुसार
में, में, उक्त अधिनियम द्वी घारा 269-ब द्वी उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिनियमी, अर्थात् :—

1. श्री प्रकाश, राम किशन डांगे, कौली फौनिया, अटण
श्रीमती इंदीरा बाई, राम किशन डांगे, मेहाडिया, चौक,
धंतोली, नागपुर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मरस्वनी बाई, बेजली, कोठारी,
मेहाडिया चौक, धंतोली, नागपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयित करता है।

उक्ता सम्पत्ति के अर्जन के अन्वय में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजावत में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या नहसंबंधी अवधियों पर सूचना की
नामीन में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
मम्पाप होनी हो, के भीनर पूर्वोक्त अवधियों में से
किसी अवधि द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजावत में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भी नर उक्त स्थावर मम्पति में हितबद्ध किसी
अन्य अवधि द्वारा, अशोकसामाजी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीरपदों का, जो उक्त अधिनियम, के अन्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 114/0+1, मेहाडिया चौक, धंतोली, नागपुर।

एम० के० बिल्या
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख 25-3-1980

मोहूर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० १८०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

राष्ट्रीय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर-10

नागपुर 10, दिनांक 27 फरवरी, 1980

फा० सं० आर्म० ए० सी०/अर्जन/125/79-80—अतः मुझे
ए स० के० बिल्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
हसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/
ह० से प्रधिक है

और जिसकी मं० प० ह० नं० 25 है, तथा जो भेलू, ता० सावनेर,
जिला० नागपुर में स्थित है (और इसमें उपावन्न अनुभूति में और
जो पूर्णदृष्टि से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नागपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के प्रधीन तारीख 2-8-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास भरने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
परन्तु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त
अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, पा
थन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थं अन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम^१ की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भै. उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

1. (1) श्री सुरेश वसंत गुप्ते,
- (2) धीमती कुमुम बाई क्षी० गुप्ते,
- प्लाट नं० 144, पांडे ले आउट, खामल, नागपुर
- (3) श्रीमती सहिल्याबाई, विजय प्रधान,
- अमगंवती।
- (4) श्रीमती अमरोद्धा, अविनाश वैद, गांधीनगर,
नागपुर।

(अन्तरक)

2. श्री दत्तजीराव राधोबाजी मेघे,
एकम पिनिस्टर, महाराष्ट्र स्टेट, प्लाट नं० 145,
पांडे ले आउट, खामल, नागपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी अवित्यों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
अवित्यों में से किसी अवित्न द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़
किसी अन्य अवित्न द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कुपि धोग्य जमीन प० ह० न० 25 मौजा भेलू, ता० सावनेर,
जिला० नागपुर (13.55 एकड़ि)।

प्रस० के० बिल्या
मक्कम प्राक्कारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख 27-2-1180

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के प्रधीन मूच्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 17 मई 1980

निर्देश सं० आई० ए०सी०/एक्वी/भोपाल/80-81/1610—

अतः मुझे, सतीश चन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके प्रत्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के प्रधीन मकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि एवाहन ममति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं० टाकीज (भाग) है, तथा जो ग्वालियर में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुमूल्यी में और जो पूर्ण रूप से बण्ठित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ग्वालियर में रजिस्ट्रीरकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 28-९-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिशत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिरक्षण लिखित में शार्त-
बिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के प्रतिरक्षण के दायित्व में कमी
करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, तिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनु-
सरण में, मेरे उक्त अधिनेत्रम की धारा 269-प की उच्चारा

(1) के अधीन, निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात् :—

8—116 GI/80

1. श्रीमती भागीरथी बाई फालके पत्नि श्री माधव राव फालके
निवासी फालके की गोठ, लश्कर, ग्वालियर।
(अन्तरक)
2. श्री हरविलास गोयल, पुत्र श्री गोपाल दास गोयल,
निवासी ढाल बाजार, लश्कर, ग्वालियर।
(अन्तरिती)

को यह मूच्चना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रधीन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रधीन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस मूच्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी अस्तियों पर मूच्चना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अस्तियों
में से किसी अस्ति द्वारा;
- (ख) इस मूच्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बदल किसी अन्य अस्ति द्वारा, पश्चोद्दस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।

मनुसूची

म्युनिसिपल मकान न० 38/817, (ग्वालियर टाकीज का
भाग), स्थित फालके, की गोठ, लश्कर, ग्वालियर।

सतीश चन्द्र,
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 17-5-1980

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)।

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 मई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्सी०/भोपाल/79-80/1611—
अतः, मुझे, सतीश चन्द्र

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सकान प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० टाकीज (भाग) है, तथा जो ग्वालियर में
स्थित है (और इसमें उपाखद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ग्वालियर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 28-9-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चद ग्रन्थित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्राहत :—

1. श्री चन्द्राहास फाल्के पुत्र श्री माधव राव फाल्के
निवासी फाल्के की गोठ, लक्ष्मण, ग्वालियर।
(अन्तरक)

2. श्री सतीश चन्द्र गोयल पुत्र श्री गोपाल दास गोयल
निवासी दाल बाजार, लक्ष्मण, ग्वालियर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कायवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
र्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्मुनिसिपल मकान नं० 38/817/2, (ग्वालियर टाकीज का
भाग) स्थित फाल्के की गोठ, लक्ष्मण, ग्वालियर।

सतीश चन्द्र
सकान प्राधिकारी
सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 17-5-1980
मोहर :

ब्रह्म प्राई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीकण)

ग्रन्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 मई 1980

निवेश सं० प्राई० ए० सी० /एक्वी/भोपाल/80-81/1612—
अतः मुझे, सतीश चन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), भी धारा 269-ए
के अधीन सकाम प्राप्तिकारी को, यह विवास करने का कारण है
कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० टाकीज (भाग) है तथा जो ग्वालियर में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 28-9-79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिक्रम के लिए प्रमत्तिरित की गई है और मुझे यह विवास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिक्रम से ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रम का पश्चात् प्रतिक्रम
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिक्रम,
मिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुसर्य लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) उक्तरण से हुई किसी आय की वाचत उक्त अधिनियम के प्रतिक्रम के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनन्कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनावं
अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया पाया था, या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरन
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए (1) की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारियों, अर्थात् :—

1. श्री जयर्सिंह फाल्के पुत्र श्री माधवराव फाल्के
निवासी फाल्के की गांठ, लक्ष्मण ग्वालियर।
(अन्तरक)
2. श्री गोपाल, दास गोयल पुत्र श्री शंकरलाल गोयल
निवासी बाल बाजार, लक्ष्मण ग्वालियर।
(प्रस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के मध्यमध्य में कोई भी आंशेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के घोतर पूर्वोक्त अधिकारियों में
से किसी अविक्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अध्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
निलिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधाय में
दिया गया है।

अनुसूची

म्यूनिसिपल मकान नं० 34/817/1, (ग्वालियर टाकीज का
भाग) स्थित फाल्के की गांठ, लक्ष्मण ग्वालियर।

सतीश चन्द्र
सकाम प्राप्तिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीकण)
ग्रन्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 17-5-1980

मोहर :

प्रस्तुप माई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 5 मई 1980

निदेश सं. भी. ० ए०टी०/८०-४१/४३—अतः मुझे, एम० एल०

महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. 1/4 भाग मकान है, जो अलीवाल रोड
बटाला, में स्थित है (और इससे उपांचढ़ अनुसूची में
सूचित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बटाला
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
सितम्बर, 1979

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृइ किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में
की करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधारि:—

1. डा० गोवर्धन लाल स्वरूप पुत्र राम लाल
बटाला, जिला गुरुदासपुर।

(अन्तरक)

2. जशपाल सिंह पुत्र कुशाल सिंह
अलीवाल रोड, बटाला।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं. 2 में है। यदि कोई किरायेदार हो तो।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानसा है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/4 भाग मकान अलीवाल रोड, बटाला में है। जैसा कि
रजिस्ट्रीकृत नं. 4364 दिनांक 9-7-9 रजिस्ट्री अधिकारी
बटाला शहर में है।

एस० एल० महाजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक: 5-5-1980
मोहर :

प्रस्तुप शाई० टी० एल० एम०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 3 मई, 1980

निर्देश सं० बी०ए०टी०/८०-८१/४४—अतः मुझे, एम० एल० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान का टुकड़ा 1/4 भाग है, तथा जो अलीबाल रोड, बटाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय बटाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त मध्यमिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहवाह प्रतिशत प्रविधि है प्रौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पापा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से कई फिसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों को जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, लिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. डा० मोहन लाल स्वरूप पुत्र राम लाल स० बटाला, जिला गुरदासपुर।

(अन्तरक)

2. अजीत सिंह पुत्र कुशाल सिंह अलीबाल रोड, बटाला।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है, यदि कोई किरायेदार होतो।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में सुचि रखता होतो।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आमंत्रण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अन्तरा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

संबोधण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रयोग 20-व में परिवारित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 भाग मकान का टुकड़ा अलीबाल रोड, बटाला में स्थित जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 4361 दिनांक 9/79 रजिस्ट्री अधिकारी बटाला शहर में है।

एम० एल० महाजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख 3-5-80

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 5 मई 1980

निदेश सं० बीएटी०/80-81/45—अतः मुझे, एम०
एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1/4 भाग मकान है, जो बटाला में स्थित है
(और इससे उपाखद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय बटाला में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर
1979

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चवेद्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँहै किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुनिश्चित के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री गुरुचरन सिंह बेदी, पुत्र बाग सिंह
तह० बटाला, जिला गुरदासपुर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मनजीत कौर पत्नी अजीत सिंह
अलीबाल रोड, बटाला, थू अजीत सिंह।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है यदि कोई किरायेदार हो तो
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति
है)

4. यदि कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में हवानी रखता हो
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है

को यह सूचना आरी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/4 भाग मकान अलीबाल रोड, बटाला में है जैसा कि
रजिस्ट्रीकूत नं० 4362 दिनांक 9-7-9 रजिस्ट्री प्राधिकारी
बटाला शहर में है।

एम० एल० महाजन
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 5-5-80

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईटी टी.एन.एम.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 7 मई, 1980

निवेश सं० एमआर०/80-81/46—यतः मुझे, एम० एल
महाजन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा
269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० जमीन काटुकड़ा, कटरा शेरसिह, अमृतसर है,
जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
सितम्बर, 1979को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त प्रधारण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—(क) प्रधारण में हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देसे के प्रत्यक्ष के वापिस्त्र में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या(ख) ऐसी किसी प्राय जो किसी घन या अग्नि आमितयों
को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, किसान में सुविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-व की उप-घारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अपतः :—

1. श्री मदनलाल पुत्र सोहनलाल ढाब खटिका

गली राधा बाल्ब अमृतसर

(प्रत्यक्ष)

2. श्री बाल चन्द सुरेश कुमार और राज कुमार पुत्र
लक्ष्मन दास, 115 कटरा मोती राम और मनोहर लाल
मीनारे पुल लक्ष्मन दास बरसबर लक्ष्मन दास
अमृतसर ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं 2 में है। यदि कोई किरायेदार हो तो ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में शचि रखता हो तो

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयी करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के पंख्य में छोई सो पान्नी :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रबोहस्ताक्षरी
से पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :— उसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के पद्धार्य 20-क में
परिभाषित हैं, वही प्रयं होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन काटुकड़ा न० 1383/12-9 और 1383 सी/12-9
कटरा शेरसिह अमृतसर में है। जैसा कि रजिस्ट्रीकृत न० 1901
दिनांक 26-9-79 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में है।एम० एल० महाजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 7-5-80

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 7 मई, 1980

निवेश सं० पएमप्रार०/80-81/47—ग्रतः मुक्ते एम०
एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन काटुडा, कटरा शेरसिंह अमृतसर में है
जो अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक मितम्बर, 1979

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रशोजनार्थ अन्तरिती हृदारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री लक्ष्मी चन्द्र पुत्र अमीरचन्द्र
गाँव कोतवालीयू तिनकराज पुत्र राम नाथ
कटरा बुलहो लास्बी गली, मकान नं० 3364/10
अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री बाल चन्द्र पुत्र लक्ष्मनदास
115 कटरा मोती राम अमृतसर।
(अन्तरिती)

3. जैसाकि नं० 2 में है यदि कोई किग्रायदार हो तो
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में हवा रखता हो तो।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरो करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हृदारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति हृदारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा नं० 1383/12-9 और 11383/12-9
66-58 स्थावर कटरा शेरसिंह, अमृतसर में है जैसाकि रजिस्ट्री-
कृत नं० 1899 दिनांक 26-9-79 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर
शहर में है।

एम० एल० महाजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 7-5-1980

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर
अमृतसर, दिनांक 7 मई, 1980

निर्देश सं० एसआर० ०/८०८१/४८—यतः मुझे, एम०
एल० महाजन,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-थ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है।

और जिसकी सं० जमीन का टुकड़ा कटड़ा शेर सिंह अमृतसर
है, जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अमृतसर में रजिस्ट्रकरण प्रधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के
प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या, किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-
कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, आम, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

9—116GI/80

(1) श्री लक्ष्मी चन्द्र पुत्र अमी चन्द्र गांव कोतवाली
थू० श्री० तिलक राज पुत्र राम नाथ कटरा दूल्हो
लाम्बी गली मकान नं० 3364/10 अमृतसर।
(अन्तरक)

(2) श्री मनोहर लाल मीनारे पुत्र लक्ष्मीनदास कटरा
मोती राम प्लाट नं० 115 अमृतसर बरसबार
लक्ष्मन थास। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में कोई किराएदार हो तो ।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी
जानता है)

(4) यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो
तो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन
की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और परों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक जमीन का टुकड़ा नं० 1383/12-9 (और 1383/
12-9 कटरा शेर सिंह में है। जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं०
1898 दिनांक 26-9-1979 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर
शहर में है।

एम० एल० महाजन,

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 7-5-1980

मोहर :

प्रस्तुत आई०टी०एन०एम०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 7 मई, 1980

निवास सं० प्रमाणार०/80-81/49—यत् मुझे, एम० एन० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमके अनुच्छेद 'उच्च प्रबिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राविकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विमला राज बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन का टुकड़ा कटरा पौर सिंह अमृतसर है, जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रेशन प्रबिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (ग्रन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में लाभनिवार रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त प्रबिधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रबिधिनियम, या घन-कर प्रबिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रन: अब, उक्त प्रबिधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, ऐसे, उक्त प्रबिधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

- (1) श्री लक्ष्मी चन्द पुत्र श्री चन्द गांव कोटवाली घू तिनक राज पुत्र राम नाथ कटरा दूल्हो लाम्बी गली मकान नं० 3364/10 अमृतसर। (अन्तरक)
- (2) श्री वाल चन्द पुत्र लक्ष्मन दास प्लाट नं० 115 कटरा मोती राम अमृतसर। (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है यदि कोई किराएदार हो तो। ; (वह अवक्तुन जिसके प्रबिधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो। (वह अवक्तुन, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति ने अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तन्तवन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बावजूद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध फिरी प्रवृत्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्राविदी नियम:—इनमें प्रयुक्त गद्दों और पदों का, जो आयकर प्रबिधिनियम 1961 (1961 का 43) के प्रधायाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अमृतसरी

जमीन का टुकड़ा नं० 1383/12-9 और 1883-ए०/12-9 प्रिया 66-58 इक्षायर कटरा पौर सिंह अमृतसर में है। जैसा कि रजिस्ट्रीक्युल नं० 1900 दिनांक 26-9-1979 रजिस्ट्री प्रधिकारी अमृतसर शहर में है।

एम० एन० महाजन,
सक्षम प्राविकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 7-5-1980
मोहर :

प्ररूप शाई० टी० एन० एस०————

ग्रामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 7 मई 1980

निर्देश सं० एसआर०/८०-८१/५०—यतः मुझे, एम० एल०
महाजन,

ग्रामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 12-9 कटरा शेर सिंह अमृतसर एवं
दुकान नं० 1383B है, जो अमृतसर में स्थित है (और इसे
उपायकर अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याथा गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धनन्कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधानतः—

- (1) श्री गुरदयाल पुत्र नव्वुराम ढाब खटिका गली
राधा बाल्ब अमृतसर। (अन्तरक)
- (2) श्री वाल चन्द पुत्र सुरेश कुमार और राज पाल,
पुत्र लक्ष्मन दास 115 कटरा मोती राम और
मनोहर लाल मीनारे पुत्र लक्ष्मन दास अमृतसर
बारसबर लक्ष्मन दास। (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है। यदि कोई किराएदार
हो तो। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
अधोहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता
हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बावर में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो 'उक्त प्रधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक सोप नं० 1383B/12-9 कटरा शेर सिंह अमृतसर
जैसा कि रजिस्ट्रीकृत सं० 1897 दिनांक 26-9-1979
रजिस्ट्री प्रधिकारी अमृतसर शहर में है।

एम० एल० महाजन,
सक्रम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 7-5-1980

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 8 मई 1980

निर्देश सं० पी के टी/80-81/51—यतः मुझे, एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जमीन का टुकड़ा डांगू रोड, पठान कोट जि० गुरदासपुर है, जो पठान कोट में स्थित है (और इससे उपावन्द्र अनुमूल्यी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पठान कोट में रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तररु (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, तिम्नलिखित ज्ञेयता से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, आघनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए जो छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुत्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपस्थारा (1) के अधीन निम्नान्वेत्र ग्रहितयों ग्रहित :—

- (1) श्रीमती कौशल्या देवी पत्नी हरनाम सिंह इन्दौर ता० नूरपुर (हिमाचल प्रदेश) (अन्तरक)
- (2) श्री श्याम सुन्दर पुत्र सोहन लाल माडल टाउन डांगू रोड, पठान कोट जि० गुरदासपुर। (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है। (यदि कोई किराएदार हो तो)। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जनता है)
- (4) यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जनता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अवक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना ने राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

प्रबोकरण :—इसमें प्रयुक्त पद्धतों और पद्धों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनकुमारी

जमीन का टुकड़ा एक कनाल 7 मरला डांगू रोड, पठान कोट में है। जैसा कि रजिस्ट्रीकूत नं० 1499 दिनांक 18-9-1979 रजिस्ट्री अधिकारी पठान कोट में है।

एम० एल० महाजन,
सक्रम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 8-5-1980

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन दिन, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 14 मई 1980

निर्देश सं० एएसआर०/80-81/52—यतः मुझे, एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन का टुकड़ा कृष्णना इस्केयर अमृतसर है, जो अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1980 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में दृई किसी आय की बावजूद, उक्त अधिनियम के अधीन कर देते के अन्तरक के दायित्व में कमी करते या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या मन्त्र आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनायें अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात्:—

- (1) श्री शूरबीर सिंह पुत्र सुन्दर सिंह 58 शहीद भगत सिंह रोड, अमृतसर (अन्तरक)
- (2) श्री जरनैल सिंह पुत्र भगवान सिंह गांव कालेक त० अरि जि० अमृतसर (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है। यदि कोई किराएदार हो तो। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्परम्पर्यायी अवित्यों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से किसी अवित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उस स्वावर पर्याय में हितबद्ध किसी अवित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रधायाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

पनुसूची

जमीन का टुकड़ा 500 गज कृष्णना इस्केयर अमृतसर में है। रजिस्ट्रीकृत नं० 1843 दिनांक 19-9-1979 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर शहर है।

एम० एल० महाजन,
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन दूज, अमृतसर
तारीख : 14-5-1980
मोहर :

प्रलेप प्राई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर 12, दिनांक 12 मई 1980

निर्देश सं० अमृतसर/80८१/५३—यतः मुझे एम० एल०
महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जमीन का टुकड़ा दशोधा सिंह रोड़,
अमृतसर है, जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावन
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण
अधिकारी के नार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर,
1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तररु (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बाच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से ढुड़ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः प्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मै. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित अक्षियों, अर्थात् :—

(1) श्री वरिन्द्र कुमार अलीश वीर कुमार जैन पुत्र
श्री भगवान जैन राधा कुञ्ज जूह चर्च बाम्बे
थू विजय कुमार जैन पुत्र भगवान जैन कटरा
प्रहुवाली राज गली एन्ड विजय कुमार सेल्ज
मुक्तारनामा अमृतसर। (अन्तरक)

(2) श्रीमती राधो देवी पत्नी मोती लाल और श्रीमती
शीला देवी पत्नी तारा चन्द शास्त्री नगर
अमृतसर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है। यदि कोई किराएदार
हो तो। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता
हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए
कार्यवाहिणी करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी साक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही ग्रन्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक जमीन का टुकड़ा नं० 529 मीटर 406 दशोधा
सिंह रोड़, पर स्थित है। जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 1926
दिनांक 28-4-1979 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर शहर
में है।

एम० एल० महाजन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 12-5-1980
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर
अमृतसर, दिनांक 9 मई 1980

निर्देश सं० अमृतसर/80-81/54—यतः मुझे, एम० एल०
महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसके उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन का टुकड़ा रानी का बाग, अमृतसर
है, जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावस्था प्रनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कायलिय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1979

को पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हाई० किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आवृत्ति था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्री वामदेव पुत्र गंगाराम रानी का बाग अमृतसर
प्रीयती रज्जी देवी पत्नी राम निहार रानी का
बाग अमृतसर।
(अन्तरक)
- (2) श्री हरबन्स लाल पुत्र मुल्ली राम गली देवी वाली
कोटी नं. 42 गनी का बाग, अमृतसर।
(ग्रन्तिरती)
- (3) जैमा कि नं. 2 में है। यदि कोई किराएँदार
हो तो। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
अधोहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) यदि कोई व्यक्ति इस सम्पति में रुचि रखता हो
तो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन: —

- (क) इस सूचना है गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहो अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/2 भाग एक कोटी खमरा नं. 3049/705-65/52
रानी का बाग अमृतसर में है। जैमा कि रजिस्ट्रीकृत नं.
2291 दिनांक 9-11-1979 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर
शहर में है।

एम० एल० महाजन,
मक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 9-5-1980

मोहर:

प्रस्तुप प्राइ० ट्री० एन० प्रा० - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमत्सर

ਅਮ੍ਰਿਤਸਰ, ਦਿਨਾਂਕ 9 ਮਈ 1980

निर्देश सं० अमृतसर/80-81/55—यतः मुझे, एम० एल०
महाजन,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उन अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिवका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से प्रधिक है

और जिसकी सं० एक कोठी नं० 42 बाग रानी वाला है, जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सितम्बर,

को पर्वत समस्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक समस्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखिल में वास्तविक रूप से नहिं नहीं किया गया है:—

(क) ग्रन्तरण से हुई किसी आम की बावत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में रही करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी फिसी आय या फिसी धन या अस्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय व्यव-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसका अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- (1) श्रीमती रज्जी देवी पत्नी श्री राम निहार बाग
रानी बाला, अमृतसर (अन्तरक)
- (2) श्रीमती कान्ता रानी पत्नी हरबन्स लाल बांसी
कोठी नं० 42, रानी का बाग' अमृतसर
(अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 मे है। यदि कोई व्यक्ति किराए-
दार हो तो । (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
अधोहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) यदि कोई व्यक्ति इस सम्पति में रुचि रखता हो तो ।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्ववत् सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त ममति के प्रजन्त के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकः—

(h) इन पूर्वानुरागित्रान् रक्षण को तारीख वे 45 दिन की अवधि या लक्ष्मस्कन्धी व्यक्तिमयों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिमयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस मूलना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध निष्ठी ग्रन्थ अवितृ द्वारा, प्रधोरुस्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्वरूपोक्तरण :—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनंतस्त्री

एक कोठी नं० 42 रानी का बाग अमतसर जैसा कि
सेल डीड नं० 1683 ऑफ 9/1979 रजिस्ट्री अधिकारी
अमतसर में दर्ज है।

एम० एस० महाजन,
मक्षम प्राधिकारी,
यवर श्रायुष्ट निरीक्षण
प्रज्ञन रेंजे- प्रमत्तसर

तारीख : ९-५-१९८०

मोहर ३

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 5 मई 1980

निर्देश सं० अमृतसर/80-81/56—यतः, मुझे, एम०

एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी करे, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० मकान का हिस्सा अलीवाल रोड, बटाला
है, जो बटाला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय, बटाला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1979

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरामान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापवर्कत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूसरामान प्रतिफल से, ऐसे दूसरामान प्रतिफल का
बन्दू प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरीरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकूल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
दांे, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधर्ता:—

10-116 GI/80

- (1) जगमोहन पुत्र हरिचन्द्र, बटाला, जि० गुरदास-
पुर। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती शकुलता देवी पत्नी कुशाल सिंह, अली-
वाल रोड, थू जगजीत सिंह त० बटाला, जि०
गुरदासपुर। (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है। यदि कोई किराएवार
हो तो। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
अधोहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो
तो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के बजें
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/4 भाग मकान अलीवाल रोड, बटाला में है। जैसा
कि रजिस्ट्रीकृत सं० 4363 दिनांक गिनतम्बर 1979 रजिस्ट्री
प्राधिकारी, बटाला शहर में है।

एम० एल० महाजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 5-5-1980

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 17 मई 1980

निर्देश सं० अमृतसर/80-81/57—यतः मुझे एम० एल० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए भे अधिक है

और जिसकी मं० एक कोठी ग्रीन एन्ड अमृतसर है, जो अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई तिसी आय की बावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी निमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्द्धतः :—

- (1) श्री हरभजन सिंह पुत्र हरनाम सिंह 46 ग्रीन एन्ड, अमृतसर (अन्तरक)
- (2) श्री नरिन्दर कुमार, सतिन्दर कुमार, अशोक कुमार, बिपिन कुमार पुत्र हरि चन्द 141, 142 ग्रीन एन्ड, अमृतसर (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है। यदि कोई किराएँदार हो तो (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में हव्वि रखता हो तो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचायित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी नं० 141, 142 ग्रीन एन्ड, अमृतसर में है। जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 1864 दिनांक 24-9-1979 रजिस्ट्री अधिनियम अमृतसर शहर में है।

एम० एल० महाजन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 17-5-1980
मोहर :

प्रलेप भाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 17 मई 1980

निम्नों सं० अमृतसर/80-81/58—यतः मुझे, एम० एन०
महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन का टुकड़ा जदियाला गुरु, अमृतसर है,
जो जोवयाला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, बाबा बकाला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अत्यरक्त (अत्यरक्तों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अत्यरक्त के बायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या [किसी] धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट मही किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिराने में सुविधा के लिए;

धन: बब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनु-
सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अविक्षयों अर्थात् :—

(1) श्री वल्देव सिंह पुत्र मैहमा सिंह जदियाला गुरु
अमृतसर। (अन्तरक)

(2) श्री ओम प्रकाश पुत्र नन्द लाल, कीर्ति कुमार,
किरन कुमार, कान्ती कुमार, कान्ति कुमार पुत्र
ओम प्रकाश श्रीमति शान्ति देवी पत्नी ओम
प्रकाश श्रीमती रामा देवी पत्नी नरायन कुमार,
रीतों पुत्री कान्ती कुमार, कान्ता कुमार पुत्र कृष्ण
कुमार, कृष्णावती पत्नी कुण्डन कुमार, प्रेम कुमार,
पुत्र जसवन्त राय कनवल पत्नी ओम कुमार 3
मनमोहन मालबीया रोड, अमृतसर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है। यदि कोई किराएदार
हो तो। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी
जानता है)

(१) यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में सचिं रखता हो तो।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी अविक्षयों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी भूम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अमृतसरी

जमीन का टुकड़ा 12 कनाल 15 1/2 जदियाला गुरु
अमृतसर में है। जैसा कि रजिस्ट्रीक्यूल नं० 2369 [दिनांक
11-9-1979] रजिस्ट्री अधिकारी बाबा बकाला में है।

एम० एल० महाजन
[सक्षम प्राधिकारीसहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 17-5-1980

मोहर :

प्रस्तुप् आहू. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 17 मई, 1980

निर्देश सं० अमृतसर/80-81/59—यतः मुझे एम० एल०
महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
सं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० जमीन का टुकड़ा जडियाला गुरु जि०
अमृतसर है, जो जडियाला गुरु में स्थित है (और इसमें
उपावद्ध अनुसूची में और पूरी रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, बाबा बकाला में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
सितम्बर, 1979

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्खे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रीतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ यापा गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृद्दे किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री वल्देय सिंह पुत्र मैहमा सिंह जडियाला गुरु
अमृतसर।
(अन्तरक)

(2) श्री ओम प्रकाश पुत्र नन्दलाल कीती कुमार,
किरन कुमार, कान्ती पत्नी कुमार रीतो पुत्री
कान्ती कुमार, पुत्र ओम प्रकाश श्रीमती शान्ती
देवी पत्नी ओम प्रकाश कान्ता कुमार पुत्र कृष्ण
कुमार कृष्णानावती पत्नी कृष्ण कुमार प्रेम कुमार
पुत्र जशवन्तराय कनवल पत्नी प्रेम कुमार 3, मन
मोहन मालवीय रोड, अमृतसर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है। यदि कोई किराएदार हो तो
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में सचि रखता हो
तो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन का अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित भौं किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा 12 कनाल 15 1/2 जडियाला गुरु
अमृतसर में है। जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 2360 दिनांक
10-9-1979 रजिस्ट्री प्राधिकारी बाबा बकाला में है।

एम० एम० महाजन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 17-5-1980

मंदिर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को व्यापा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 17 मई, 1980

निर्देश सं० अमृतसर/80-81/60—यतः, मुझे, एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की व्यापा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन का टुकड़ा है, जो जंडिमाला गुरु में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बाबा बकाला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सितम्बर, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रस्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरग के लिए तब पाया जाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया जाया है।—

(अ) अन्तरण से दूरी किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बदने में नुक्खिया के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य प्रासितियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाय था या किया जाना चाहिए था, लिखने में सुविधा के लिए;

यतः प्रब, उक्त अधिनियम की व्यापा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की व्यापा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

(1) श्री बलदेव सिंह पुत्र मैहमा सिंह निवासी गांव जंडिमाला गुरु, अमृतसर। (अन्तरक)

(2) श्री ओम प्रकाश पुत्र नन्द लाल, किरती कुमार, किरन कुमार, कान्ति कुमार पुत्र श्री ओम प्रकाश, श्रीमती शान्ति देवी पत्नी ओम प्रकाश, श्रीमती रमा पत्नी किरत कुमार, रीतु पुत्री करान्ति कुमार, कंवर कुमार पुत्र कुशान कुमार, कुशान वंती पत्नी कुशन कुमार, प्रेम कुमार पुत्र जसवन्त राय, कंवल पत्नी श्री प्रेम कुमार, वासी 3, मदन मोहन मालवीया रोड, अमृतसर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है। यदि कोई किराएदार हो तो (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

एष्टटीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृतसर

जमीन का टुकड़ा 12 कनाल 15½ मरले जंडिमाला गुरु में है जैसा कि सेल डील सं० 2393, 12-9-79 रजिस्ट्री अधिकारी, बाबा बकाला में दर्ज है।

एम० एल० महाजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 17-5-1980

भोहर:

प्रस्तु प्राईंटी टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 मई 1980

निर्देश सं० ए० सि०-6/रेज-II/कल०/80-81—यतः,
मुझे, के० सिन्हा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
भूमि के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सम्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 220 है तथा जो रामकृष्ण समाधि रोड
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 24-9-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और
प्रत्यक्षरु (अन्तरितों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा याया गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
चबूत्र से उक्त प्रत्यक्षरु निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-
करण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री विरेन्द्र कृष्ण दस (अन्तरक)

(2) श्रीमती कौशल्या देवी अग्रवाल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित स्थानाधिकारी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वदृष्टिकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अन्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

जमीन परिमाण 4 काठा 6 छटाक 38 स्केयर फुट,
रामकृष्ण समाधि रोड, कलकत्ता।

के० सिन्हा,

सक्षम प्राधिकारी]

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, कलकत्ता

तारीख : 12-5-1980

मोहर :

प्राप्त प्राईंटी टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 20 मई 1980

निर्देश सं० 694/एक्यूजी० आर०-III/80-81/कल०—यतः
मुझे आई० वी० एस० जुनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सभी सम्पत्ति अधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये ने अधिक है
और जिसकी स० हेतुया जो थियेटर रोड, कलकत्ता
एवं पट्ट्यातला लेन, कलकत्ता स्थित है (और इसे
उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
1-9-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से द्वाई हिसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) एगो हिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
छन्दोकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रदान नहीं किया
गया था या किया जाता चाहिए था छिनने में
सुविधा के लिए;

प्रतः, यद्यपि, उक्त अधिनियम ने भारा 269-व के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपाधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्यातुः—

(1) श्री यतिन्द्र मोहन बनार्जी (अन्तरक)
(2) श्री रूपनारायन ठंडन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या नवांबरी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी अधिक द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अन्तराय 20-व में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उम्मीदाय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 16 कठार 14 छटाक जमीन साथ मकान जो 10
थियेटर रोड, कलकत्ता पर अवस्थित और जमीन साथ मकान
जो 9/4 एवं 72/3, पट्ट्यातला लेन कलकत्ता पर अवस्थित
जो दलिल सं० 4730/1979 का अनुसार है। समुच्चा
सम्पत्ति का 1/3 हिस्सा है।

आई० वी० एस० जुनेजा,
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III, कलकत्ता

दिनांक : 20-5-1980
मोहर :

प्रकल्प प्राईंटी० टी० एन० एस०----- -

(1) श्री यतिन्द्र मोहन बनार्जी

(भ्रम्भरक)

(2) श्री हृदयनारायण टंडन

(भ्रम्भरित)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 20 मई 1980

निर्देश सं० 695/एक्यू आर०-III/80-81/कल०—यतः,
मुझे, आई० वी० एस० जुनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यथा विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो थियेटर रोड,
कलकत्ता एवं पट्ट्यातला लेन, कलकत्ता स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता प्राधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
1-9-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
बृृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या निसी धन या ग्रन्थ आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए ;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथमतः :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मन्त्रालय में कोई भी प्राक्षेपण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तासंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोत्तरस्ताक्षरी के पास लिखित
म किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रौर पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अन्तर्गत 20-वां म परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 16 कठार 14 छटाक जमिन साथ मकान जो 10,
थियेटर रोड, कलकत्ता पर अवस्थित और जमिन साथ मकान
जो 9/4 एण्ड 72/3, पट्ट्यातला लेन, कलकत्ता पर अवस्थित
जो दिनिल सं० 4731/1979 का अनुसार है। समुचा
सम्पत्ति का 1/3 हिस्सा है।

आई० वी० एस० जुनेजा

सकाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख : 20-5-1980

मोहर :

प्रदूष प्राई० टी० एन० एस०————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

संसदीय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III, 54, रफी अहमद किंदवाई रोड, कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 20 मई 1980

निर्देश सं० 696/एक्य० आर० III/80-81/कल०—यतः,
मुझे, आई० वी० एस० जुनेजा,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त आधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के प्रधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो यिन्हें रोड
कलकत्ता एण्ड पट्ट्यातला लेन, कलकत्ता में स्थित है (और
इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम (1908 1908 का 16) के अधीन
तारीख 1-9-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एक ही प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाशा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचते में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अब: यद्युपरि उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसर
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प को उद्धारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्त्तीतः—

11--116 GI/80

(1) श्री यनिक्ष मोहन बनार्जी

(अन्तरक)

(2) श्री प्यारेलाल टंडन

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजनीत में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजनीत में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृस्ताभारी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

करीब 16 कठा 14 छठाक जमिन साथ मकान जो
10, यिन्हें रोड, कलकत्ता पर अवस्थित और जमिन साथ
मकान जो 9/4 एण्ड 72/3, पट्ट्यातला लेन, कलकत्ता पर
अवस्थित जो दलिल नं० 4732/1979 का अनुसार है।
समुच्चा सम्पत्ति का 1/3 हिस्सा है।

आई० वी० एस० जुनेजा,
सक्रम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख : 20-5-1980

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 अप्रैल, 1980

निर्देश मं० ए० सी० 3/ रेज-IV/कल०/1980-81—
यतः, मझे, के० मिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
से के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण;
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट सं० 124 है तथा जो उसाग्राम,
आसानसोल में स्थित है (और इससे उपावस्था अनुसूची में और,
पूर्णांक से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
आसानसोल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 25-9-1979

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
घन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(1) श्री श्यामल घोस, रेनुकना मंडल (अन्तरक)

(2) श्री प्रीतपाल मिह लाल्हा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहो अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के कार्यालय में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

अनुसूची

उसाग्राम, आसानसोल में 9 डेसिमेल जमीन उस पर
स्थित मकान का सब कुछ जैसे 1979 का दलिल सं०
5332 में और पूर्णांक से वर्णित है।

तारीख: 10-4-1980

मोहर:

के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-IV, कलकत्ता

प्रृष्ठपु आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(1) श्री शामल घोष, श्रीमती रेनुका मन्डल
(अन्तरक)

(2) श्री रमि कुमार (अन्तरिती)

भारत संसद

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 अप्रैल, 1980

निर्देश सं० ए० सी० 4 रेज-IV/फल०/1980-81—
यतः, मुझे, कौ० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु० से अधिक है;

और जिसकी सं० प्लाट सं० 124 है तथा जो उपा ग्राम
आसामसोल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
आसामसोल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 25-9-1979

को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वान्तर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके छयमान प्रतिफल से ऐसे छयमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अनुसूची

उपा ग्राम, आसाम सोल में 12 डेसिमाल जमीन का
सब कुछ जैसे 1979 का दलिल सं० 5333 में और
पूर्ण रूप से वर्णित है।

कौ० सिन्हा,
संक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज IV कलकत्ता

तारीख : 10-4-1980

मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधितः:—

प्रस्तुप आई० वी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, -iii, 54, रफो अहमद किदवर्ह रोड, कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 18 अप्रैल, 1980

निर्देश सं 690/एक्यू० आर०-iii/80-81/कल०—
यतः; मुझे, आई० वी० एस० जुनेजा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ष के प्रधीन संक्षम प्राधिकारी को, उह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं 52/1 है तथा जो हाजार रोड, कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूल्य में और पुणर्निपट से
बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
प्रधीन, तारीख 21-9-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिक्रिय के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिक्रिय का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरह (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए नहीं आया गया प्रतिक्रिय, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित में बास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसपे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सरस्वती आडद 1/1/बी०, गांगुली पारा लेन, कलकत्ता। (अन्तरक)
(2) श्री गोविन्द चन्द्र आडद 52/1 ए, हिंदाराम बनार्जी लेन, कलकत्ता। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजनीत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तर्संबंधी अवित्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजनीत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा, अधीक्षित द्वारा, अधीक्षित द्वारा के पास लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही
प्रयोग होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

समुच्चा 8 कट्टा 4 छठांक जमिन साथ एसेसेट्स शेड स्ट्राक्चर्स जो 521, हजारा रोड, कलकत्ता पर अवस्थित।

आई० वी० एस०
सम्म प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III, कलकत्ता

दिनांक : 18-4-1980

मोहर :

प्रूल्पु आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 21 मई 1980

निर्देश सं० ५० भी० १४/रेज-IV/कल/१९८०-८१—

ग्रन्ति. मुझे आई० भी० १४० जुनेजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 208 है, तथा जो ब्लाक-बी, बाल्यानी
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूचीमें और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता
में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन 14-9-1979

को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वान्तर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री विजय कुमार भरकार

(अन्तरक)

2. श्री शान्ति पद गुप्ता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताशरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

10 कट्टा, 26 स्क०० फिट जमीन, मध्य मकान, जो कि
प्लाट सं० 208, सब- ब्लाक-12, ब्लाक-बी, बाल्यानी जिला-
नदिया में स्थित है, जैसा कि 1979 का दलिल सं० 4957
में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

आई० भी० एस० जुनेजा

मकान प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV कलकत्ता

दिनांक : 21-5-1980।

मोहर :

प्रस्तुप प्राई॰ टी॰ एम॰ एस॰-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त अधीन रेज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 25 अप्रैल 1980

निवेश सं० ए० मी० रेज- /कल/1980--81---प्रतः
मुझे को मिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- ए० से अधिक है
ग्राहक जिसकी सं० 1/23 है तथा जो फकिर घोष लेन, बरानगर में स्थित है (ग्राहक इसमें उपाबद्ध अनुसूची में शाँर, पूर्ण-
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बारासट में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन नारीय 19-9-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया,
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से तुर्दि किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य प्राप्तियों
को, जिसे आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की जपवारा (1)
के अधीन, जिम्मेदार अधितयों, अर्थात् ।—

1. श्रीमति अनिमा रुद्र	(अन्तरक)
2. श्री सत्यब्रत चौधुरी	(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अज्ञन के
लिए कार्यवादियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्द्धन के सम्बन्ध में कोई भी आलोप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बावधान में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रारंभ वर्षों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही प्रयोग होगा, जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/23 फकिर घोष लेन, बरानगर में 3 कट्टा जमीन
पर मकान का सब कुछ जैसे 1979 का दलिल सं० 6571
में और पूर्णरूप से वर्णित है।

को सिन्हा

मकान प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त अधीन रेज-IV/कलकत्ता

तारीख : 25-4-1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एस. —————

1. कुमारी परिणत मामना

(अन्तर्ण)

2. इंडियन मेटल सल्वाई को.

(अन्तर्निती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, साक्षात्कार आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-iv कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 19 मई 1980

निर्देश सं० ए० सी० 13/रेज-iv/कल/1980-81—अत्. मुझे
आई० भि० एम० जुनेया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० जे० एन० 20 है तथा जो मौजा
भासा, पी० एस० विष्वास में स्थित है (और इससे उपायद
अनुसूची में और, पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीबर्टा अधि-
कारी के कार्यालय डि० रजिस्ट्रार 24 परगना में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 27-9-1979।

को पूर्वांकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दिये के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आविष्ट था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः धब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रथुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मौजा-भासा पी० एम० विष्वास, 24 परगना में 2.25
एकड़ जमीन का मब कुछ जैसे 1979 का 5158 दस्तावेज़ में
और पूर्ण रूप से वर्णित है।

आई० भि० एम० जुनेया
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-iv/कलकत्ता

तारीख: 19-5-1980

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एम०—

आयहर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, संवायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-iv कলकत्ता
कलकत्ता-16, दिनांक 7 मई 1980

निर्देश मं० ए० सी० 12/रेज-iv/नि०/80-81—
अतः मुझे के० मिहा।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिम्हा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिम्हा मं० 12/2ग, है तथा जो गिरिष घोष रोड, हावड़ा में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और, पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हावड़ा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 19-11-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तररु (प्रतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तररु के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयहर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों असौतः :—

1. श्री जंजीरग

(अन्तरक)

2. श्री एम० एम० केजियाल, पि० केजियाल, जी० पी० केजियाल, वी० पी० केजियाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए लायंसाइट करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि पर तत्काली अवित्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी मवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी प्रत्य अवित्त द्वारा अधीकृतकरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अठाय 20-क में परिचायित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

12/2ग, गिरिष घोष रोड, बाली, हावड़ा में 1 बीघा, 1 कट्टा, 7 छटाफ, 10 स्केयर फुट जमीन का मब कुछ जैसे 1979 का दलिल सं० 3312 में और पूर्णरूप से वर्णित है।

के० मिहा
मक्षम प्राधिकारी
मन्त्रायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-iv कलकत्ता

तारीख : 7-5-1980
मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-VI, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 7 मई 1980

निर्देश सं० ए० सी० 11/रेंज-IV/एक्यू०/कल०/1980—

81—अतः मुझे के० मिन्हा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० तैजी सं० 434 है तथा जो आलिपुर
टुमार, जलवाईगुड़ि में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और, पूर्णांतर में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय जलवाईगुरि में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 21-9-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पञ्चवृहि प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

12—116 GI/80

1. श्री मनीनद कुमार भट्टाचार्य (अन्तरक)
2. श्री मोहन लाल मुखर्जी, श्री० मुखर्जी, आर०
मुखर्जी जे० मुखर्जी, अशोक मुखर्जी, सोहन लाल मुखर्जी,
पी० मुखर्जी, ('अन्तरिती')

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाढ़ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अब्रोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

पी० ए० कालीचीनी जलवाई गुरि, आलिपुर-टुमार में
53.94 विघा जमीन का सब कुछ जैसे 1979 का दलिल
सं० 5098 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

के० मिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

तारीख : 7-5-1980

मोहर :

प्रकल्प आई०टी० एस० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलोर

बंगलोर, दिनांक 12 फरवरी 1980

निर्देश सं 260/79-80—अतः मुझे एच० तिम्मथा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
आरा 269-व के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- इयके से अधिक है
और जिसकी सं प्लाट नं 8 आर० एस० नं 79/2 है,
जो अनगोल, बेलगम में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर अधिकारी
के कार्यालय बेलगम में रजिस्ट्रीकर अधिकारी 1908
(1908 का 16) के अधीन अंडर डाक्युमेंट नंबर 1507 दिनांक
12-9-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और
अनुरक्त (प्रस्तरकों) प्रीर अनुरिती (अनुरितियों) के बीच
ऐसे अनुरक्त के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नतिवित
बदेश्य से उक्त अनुरक्त लिखित में वास्तविक रूप से उचित
नहीं किया गया है :—

(अ) अनुरक्त से हुई किसी आय की बाबत उक्त
प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; प्रीर/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिस्ते भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अनुरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की आरा 269-व के
अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की आरा 269-व
को उप-बारा (1) के प्रयोग, निम्नतिवित अनुरितियों, अर्थात्—

1. श्री प्रकाश गजानन केशकामन द्वारा बैक आफ
इंडिया, बेलगम

(अन्तरकः)

2. श्री पीटर आर० लोबो मुख्तरनामा आरक
श्रीमति अना मारिया मध्करनंस० 37, हिदवाडि बेलगम
(अन्तरकः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत
के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के संबंध में कोई भी आलेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सप्ताहांशी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोहस्ता-
कारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधानाय 20-क में परिभावित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

घर और खुल्ला जगह प्लाट नंबर 8 आर० एस० नंबर
79/2 जो अनगोल, बेलगम में स्थित है।

एच० तिम्मथा
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलोर

तारीख : 12-2-1980।
मोहर :

प्रृष्ठा आर्द्ध. टी. एन्. एस.—

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलोर

बंगलोर, दिनांक 13 मार्च 1980

निर्देश सं० 270/79-80—प्रतः, मुझे एच० तिम्मया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० मेट्रिज नंबर 821, 822 और सर्वे नंबर
66 है, जो आकान्सो डे अल्बुकर्क रोड, पणजि में स्थित है
(और इससे उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इल्हास, पणजि
थडर डाक्युमेंट नंबर 412 दिनांक 29-9-1979 में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1088 (1908 का 16) के
अधीन

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का
पन्थ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हर्दि किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधर्ता:—

1. श्रीमति कुंदा रघुवीर घर्से आकेम आल्टो, मार्गवा,
गोवा। (अन्तरक)

2. श्री विनय एम० पी० बेलेकर आल्टो इंडिया, तापुका,
(अन्तरिती) गोवा

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

715 स्क्वेर मीटर जगह "नोसा सेन्ट्रुडा डे विकटोरिया"
उर्फ कोनफीस्को जो मेट्रिज नंबर 821, 822 और सर्वे
नंबर 66, आकान्सो डे अल्बुकर्क रोड पणजि में स्थित
है।

एच तिम्मया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज बंगलोर

तारीख : 13-3-1980

माहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलोर

बंगलोर, दिनांक 13 मार्च 1980

निर्देश सं० 271/79-80—प्रतः मुझे एच० तिम्मथ्या
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी संख्या सर्वे नं० 937 है, जो मापुसा तालूक,
सब डिस्ट्रिक्ट बार्डेज में स्थित है (और इससे उपावन्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय बार्डेज, गोवा अंडर डाकयूमेट नंबर 700 तारीख
22-9-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरीत
(अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ्य पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से की थी नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से है इसी किसी आय की आवत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती छवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
में, भौं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अर्थात्—

1. श्री जोस मिग्नेल करानिस्को अंटोनियो कुडे ब्रगांक
उर्फ बैगुल ब्रगांका और श्रीमति मारिया कोन्सिको ग्रेनिडा
प्रोंका ब्रगांका उर्फ ग्रेनिडा ब्रगांका डुलर, मापुसा, गोवा के
निवासी
(अन्तरक)

पहले व्यक्ति के अधिकर्तापत्र श्रीमति ग्रेनिडा ब्रगांका
2. उमेश पै और एसोसिएटेस प्रतिनिधि श्री उमेश
रामचन्द्रा पै लोबो विलिंग मापुसा म्युनिसिपालिटी के पास
मापुसा, गोवा
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्याद्वयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण्णः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना द्वा० राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

700 स्केवर मीटर खुल्ला जगह "बोडीस बिरिगोरियो
डे कासना कुंडियो" उर्फ "आराडिका बाटाचि बार" जिसका सर्वे
नंबर है 937 और जो मापुसा तालूक, सब डिस्ट्रिक्ट बार्डेज
गोवा में स्थित है।

एच० तिम्मथ्या

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज बंगलोर

दिनांक: 13-3-1980 ।

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलोर

बंगलोर, दिनांक 8 अप्रैल 1980

निर्देश स० 274/80--81—अत मुझे, एच० तिम्स्या
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' रुहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन पक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर साति जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है।

और जिसकी स० मी० एस० नंबर 3292/ए० 5 है, जो
हावेरी में स्थित है (और इसमें उपाख्य अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
हावेरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अक्षी अड्डे डाक्यूमेट नंबर 665 तारीख 26-9-1979
को पूर्वोक्त सम्भति के उचित बाजार मूल्य से कम के
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि व्यापूर्वोक्त सम्भति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्ननिखिल उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबा उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1 श्री बसवयेप्पा हनुमनहल्लिका दत्तक पुत्र श्री
बमवयेप्पा बस्ति गल्लि हावेरि (अन्तरक)
2 श्रीमति पुत्रवा उर्फ ताराबाई पिता सम्मलित्या
विमापुर उर्फ हावेरिकर बुधवारपेट नवर 354 पूना-2
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्भति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्भति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामोल के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध निसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदृष्टाक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

7200 स्क्वेयर फीट खुला जगह और बिल्डिंग जिसका
स० एस० नंबर है 3292/ए५ है और जो कावेरि वसनि
ग्रह के समने हावेरी में स्थित है।

एच० तिम्स्या
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलोर

तारीख: 8-4-1980।

मोहर:

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस० -----

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर शायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 8 अप्रैल 1980

निर्देश सं० 273/80-81—प्रतः मुझे एच० तिम्मच्चा प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० मेट्रिज प्रेडिल नंबर 1381 और 991 है, जो आत्माराम बोर्कर रोड पण्जि में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पुर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इलहास पण्जि अंडर डाक्युमेंट नंबर 413 तारिख 28-9-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरह (अन्तरतों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण तिथित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिहें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनु० सूचना में, आयकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति शोयबंतिबाह आंग्लो उर्फ जैवांतिबाह आंग्ले अध्यवा शोयबंतिबाह पोइ आंग्लो उर्फ गंगाबाह शोमिस पण्जि। (अन्तरक)

2. अपणा कोआपरेटिव हौसिंग सोसैटि लिमिटेड कामाक्षिस बिल्डिंग, आत्माराम बोर्कर रोड पण्जि। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए काम्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तासंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

262.67 स्केपर भीटर खुल्ला जगह जिसका मेट्रिज प्रेडिल नंबर है 1381 और जो आत्माराम बोर्कर रोड में स्थित है।

एच० तिम्मच्चा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर शायुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेज बैंगलोर

तारीख : 8 अप्रैल 1980
मोहर :

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलौर

बंगलौर, विनांक 8 अप्रैल 1980

निर्देश सं० 275/80-81—अतः मुझे एच० तिम्मव्या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सी० एस० नंबर 3292/ए 4 ए और 3292/ए 4 बी है, जो हावेरिमें स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रावेरि अंडल भाक्यूमेंट नंबर 662 दिनांक 25-9-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उचित से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रन्तरके दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा के (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बसवर्णप्पा हनुमनहल्ली का दस्तक पुत्र श्री बसवर्णप्पा अस्ति गलिन हावेरि (अन्तरक)

2. श्री पुद्मब्राह्म उर्फ ताराबाई तिम्मापुर उर्फ हावेरिकर की पुत्र कुमार सुभाष अलपबद्ध संरक्षक मां लागबाई पिता सप्तमलम्प्या तिम्मापुर उर्फ हावेरिकर अगार्ड बुधवार पेट, नंबर 354 पूना-2 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्याद्वयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में श्रृंगार किसी अन्य अविक्त द्वारा, अधोवृत्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1945 स्केपर यार्ड खुल्ला जगह जिसका सी० एस० नंबर है 3292/ए 4ए और 167.6/9 स्केपर यार्ड खुल्ला जगह जिसका सी० एस० नं० है 3292/ए 4बी और जो कावेरि बस्ति ग्रह के मामने हावेरि में स्थित है।

एच० तिम्मव्या
सकाम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलौर

तारीख 8-4-1980।

मोहर :

प्ररूप जाइँ, टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलोर

बैंगलोर, दिनांक 21 अप्रैल 1980

निवेश सं. सी० आर० 62/24890/79-80 ए० सी०
कियो बी०—अतः मुझे एच तिम्मथ्या
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. 3/1, है तथा जो 5वीं टम्पल रोड मलष-
वर्म बैंगलोर-3 में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची
में प्रौढ़ पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 वा 16) के अधीन तारीख 3 मितम्बर,
1979

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के द्वायत्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरी दबारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः बद्ध, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीक्षतः:—

1. श्रीमार्ति बी० एम० मंगाला उर्फ वरालक्ष्मीमां
दी बी० नारायणा राव की लड़की सं. 3/1, 5वीं टेम्पल रोड
मदधारनी लेओट, मलेष्वर्म बैंगलोर-3। (अन्तरक)

2. श्री एम० आर० गोपालारुण एम० रामपेट का बेटा
34, मलेष्वर्म बैंगलोर-3। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहों अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं. 1790/79-80 ता० 3-9-79)
पर समति सं. 31; तथा जो 5वीं टेम्पल रोड मिद-
धारनी लेओट, मलेष्वर्म बैंगलोर-3।

एच० तिम्मथ्या
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुत, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलोर

तारीख: 21-4-1980

मोहर:

प्रसूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलोर

बंगलोर, दिनांक 21 अप्रैल 1980

निर्देश सं. सी० आर० 62/25515/79-80 ए० सी०
क्य०/वी०-अतः मुझे एच० तिम्मथा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), वी भारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर मंपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. 7/10 है तथा जो कुमारा कुरुपा रोड,
हाई ग्रैन्डस बंगलोर-1 में स्थित है (और इसमें उपावड़
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्ड अधिकारी
के कार्यालय, गांधी नगर, बंगलोर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (190 वा 16) के अधीन तारीख 2 नवम्बर
1979

को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित दी गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाशा गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दन के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गुरुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपाधा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिति:—

1. मेरर ए० टी० सेतूनारायन सं. 7/10, कुमारा
कुरुपा, रोड हाई ग्रैन्डस, बंगलोर। (अन्तरक)
2. श्रीमति गीनानजली देवी आर० श्री एस० ध्यानचन्द,
सं. 6/1, केन्ट रोड, हाई ग्रैन्डस, बंगलोर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन को अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
आधानियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

(दसनवें सं. 2483/79-80 ना० 2-11-79)।
वर माति सं. 7/10 तथा जो माइट सं. 8 पर बनाई
गई है तथा जो कुमारा कुरुपा रोड, हाई ग्रैन्डस बंगलोर
में स्थित है।

एच० तिम्मथा

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूरु

तारीख 21-4-1980।

मोहर:

प्रहुः माई० टी० एन० एम०————

पाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-घ(1) के प्रयोग सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूरु

बैंगलूरु, दिनांक: 21 अप्रैल 1980

प्रिंटेज सं० सी० आर० 62/25015/79-30—ए०सी० क्य०/पी०—प्रा०: मुझे एच० तिम्मग्या,
आ० ८१ अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इस 'अन्वेषण समितियाँ' कहा गया है), जो तारा 269-ए
के अंतरा राम नाथारी द्वारा दिया गया था आरण
है— उक्त अधिनियम, जिसमा उन्नित वाजार मूल्य 25,000/-
इष्य के इधिक है।

अप्रैल 1979 की सं० 98/3 है, तथा जो 6ठी मेनरोड, मलेष्वरम्
ब्लैक एव्व-3 में स्थित है (और इस में उपावद्व अनुसूची में और
पूर्ण ज्ञा १ वर्णित है), रजिस्ट्रीड अधिकारी के कार्यालय,
राम जी नगर बैंगलूरु, में रजिस्ट्रीशन अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन ताठ० 7-9-1979
को इधिक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाप
कर ला जारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्हा; विशेष अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए
तः तथा गया अविकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरज
लि उत ने शास्त्रविकल रूप से लिया। तहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी प्राप्त की बाबत उक्त
प्रतिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
इधिक में कमी करने वा उसमें बदलने में भुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राप्त या जिसी धन या अन्य आस्तियों
हो, जिहें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रतिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाये प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
भुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रतिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, जे, उक्त प्रतिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1)
अधीन निम्नलिखित अधिकारी अर्थात्—

1. श्री के० वी० रामचन्द्रन दि० एन० बेंकटरामन के
बेटे सं० : ५ ईस्ट लिंक रोड, 'सी' स्ट्रीट, मलेष्वरम् बैंगलूर-३।
(अन्तरक)

2. श्री आर० पालानीस्वामी के रंगास्वामी के बेटे सं०
1038 कार्ड रोड राजाजीनगर, बैंगलूर-१०। (अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के
ज्ञान कार्यवादियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के मम्बम्ब में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को प्रवधि या तरसम्बन्धी अविक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्तियों में से किसी अविक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितवद्व
किसी अन्य अधिक द्वारा, प्रबोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रतिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
ह, वही प्रयोग होगा, जो उन अध्याय में दिया
गया है।

मुद्रसूची

(दस्तावेज सं० 2198/79-80 ताठ० 7-9-1979)
घर सम्पत्ति सं० 98/3, 6ठी मेन रोड मलेष्वरम् बैंगलूर-३।

एच० तिम्मग्या
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूरु

तारीख: 21-4-1980

मोहर:

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—————
आयकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा
269-ए (1) के प्रधीन सूचना

धारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर प्राप्तुक (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर दिनांक 21 अप्रैल 1980

निर्देश सं० सी० आर० 62/24894/79-80 ए० सी० क्ष०/बी—प्रतः मुझे एच० तिम्मथ्या,
आयकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रत्यावर 'उक्त प्रधिनियम' कहा याया है), की धारा 269-ए के प्रधीन सम्बन्ध प्राविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है दुकान जो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है।
और जिसकी सं० सरवे नं० 13 है, तथा जो मालानवाहनली, हाइगु रुडस बैंगलूर (डी 44) में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय गांधी नगर बैंगलूर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4-9-1979

को पूर्णवत् सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृष्यमान प्रतिफल के निये प्रमाणित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिभाव अधिक है और अन्तरक (प्रमाणितों) और प्रमाणितों (प्रमाणितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब याया यथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक छर म कर्तित नहीं किया याया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वादत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देन के प्रस्तरण के वायित्व में कमी करने या उससे वाचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या रिसो धन या अन्य प्राप्तियों को जिस्ते भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाव अस्तित्वी द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

वक्तः यद्य, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए के प्रनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अवधियों अवधित :—

1. श्री स० रजापाल श्री सी० चक्रवर्ती जी इटे "करगम" पहला भेन रोड सेप्राइवेटरम बैंगलूर-20।
(प्रत्यरोदित)

2 दी चक्रवर्ती हौज बिल्डिंग ज्ञो-आप रोडपै
सोरायटी लिमिटेड सं० 79, गयार्वा काम मलेपवर्म बैंग-
लूर-3 रेप्रेसन्ट कर रहे हैं सैकरेट्री श्री पी० पी० तनगेया।
(प्रत्यरोदित)

को यह सूचना जारी करके पूर्णवत् सम्पत्ति के प्रबंधन के लिए कार्यवाह्या करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेद :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 20-5-1980 की प्रवधि या नव्यवंधी अविनियोग पर सूचना दी जायाव तारीख से 80 दिन का अवधि, जो भी अधिक बाद में बमात्त होती हो, के भोतर पूर्णवत् अधिनियम से किसी अविक्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 20 दिन के भोतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में ब्रितबद्ध अस्तित्व अन्य अधिकारी द्वारा, वधोइस्तान्दरा के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

निष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त गोडां गोरादों आ, जो उक्त अधिनियम, के प्रधाराय 20-ए म निभाया हुए, वडी वर्षे होगा, जो उस प्रधाराय में दिया गया :

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1812/79-80 ता० 4-9-79)
जमीन जो सरवे सं० 13 या कारपोरेशन डिवीजन 44,
मलेनाहनली हाई गुरुन्डम, बैंगलूर।

एच० तिम्मथ्या
सक्तम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्राप्तुक, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख : 21-4-1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० ए०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

1. श्री एच० जी० अब्दुल हसीद 24/1, आंड्री रोड, शान्ती
नगर बैंगलूर-27
(अन्तर्क)

2. मिसेज जैड शमशुनिम विधवा दिवंगत अब्दुल वहाब
13, डाक्टर उमर शरीफ रोड बन्न, बनगुड़ी, बैंगलूर
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर दिनांक 21 अप्रैल 1980

निदेश सं० सी० आर० 62/24961/79-80 ए० सी०
क्यू०/बी—प्रत: मुझे एच० तिम्मम्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
प के अधीन सकार प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति त्रिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० 25/1, है तथा जो आंड्री रोड, शान्तीनगर,
बैंगलूर-27 में स्थित है (और इस से उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्या-
लय जयनगर, बैंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 21-9-1979

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से की भित्ति नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प के अनुसरण
में, सं०, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधितः—

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1846/79-80 ता० 21-9-1980)
यह सम्पत्ति सं० 25/1, आंड्री रोड, शान्तीनगर बैंगलूर।

एच० तिम्मम्मा
सकार प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूर
तारीख 21-4-1980।
मोहर:

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूर

बैंगलूर विनांक 21 अप्रैल 1980

निर्देश सं० सी० आर० 62/24816/79-80/एसीक्य०

बी—अतः मुझे एच० तिम्मथ्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), वी धारा 269-
व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० 44/10, है, तथा जो रेसकोर्स रोड, बैंगलूर
में स्थित है (और इस से उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 3-9-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती
(प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्ननिवित उद्देश्य में उक्त अनुसरण निखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से तुर्हि किसी आय की आबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै०/मैसूर सिमेंट लिमिटेड इन्डस्ट्री हाउस, सं० 45,
रेस कोर्स रोड बैंगलूर (अन्तरक)

2. श्री अनिल मालपानी और श्रीमति मधुलिका माल-
पानी, मं० 23, रेस कोर्स रोड, बैंगलूर-1 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी रहके पूर्वोक्त सम्भति के अर्जन के
लिए नार्यादिया करता है।

उक्त सम्भति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में नमाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्भति में हित-
वद्ध इसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिवृत्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

दस्तावेज़ :—इनमें प्रमुख शब्दों और मर्दों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-ए में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 1781/79-80 ता० 3-9-1979]
घर और जगह जिसकी सं० 44/10, तथा जो रेस कोर्स
रोड, बैंगलूर में स्थित है।

एच० तिम्मथ्या
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बैंगलूर

तारीख : 21-4-1980।

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 48) की घाय

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 15 अप्रैल 1980

निर्देश सं० सी० आर० 62/25340/79-80/एसीक्यू०/
बी०—अतः मुझे एच० तिम्मम्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (प्रिये इसमें इसके पश्चात् 'उत्तम अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 15, पुराना सं० 131 है, तथा जो आर-मुगम मुद्रितियार रोड, कलासिपाल्यम् नया एक्सटेंशन बैंगलूर में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बसवन्त-गुडी बैंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3-10-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरीती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन नर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; या/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 22) के प्रयोजनार्थ घटात्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किनाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की घाय 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की आय 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्तयों, अवृत्त:—

1. श्री एन० के० गोपालन, श्री एन० के० कृष्णन के पुत्र (2) कुमारी शकुन्तला (3) कुमारी विमला (4) कुमार मरिकन्दर सं० 2 और 3 मैनरस और रेजेन्ट करते हैं उनके बाप और गाड़ियन श्री एन० के० गोपालन सं० 4 आठवाँ क्रास, एम० कृष्णपा ले ओट एच० सिद्धप्पा रोड, बैंगलूर। (अन्तरक)

2. (1) डा० बी० दोरेस्वामी नायडू श्री राधवलू नायडू के पुत्र (2) श्रीमति बी० डी० एस० सावित्री श्री बी० दोरेस्वामी नायडू की पत्नि दोनों सं० 9/18-10-10, हासी-टल रोड चित्तोर के रहवासी हैं। (3) बी० एस० कृष्णप्पा नायडू (4) बी० के रामस्मा (5) बी० के० पुष्पोत्तम सब मं० 34/5 दूसरा क्रास जरनयानिस्ट कालोनी बैंगलूर-2 के रहवासी हैं। (अन्तरिती)

3. (1) मे०/ऐ० वाक्को और कंपनी (2) मे०/कविता द्रेडस (3) म० बेस्ट अल्युमिनियम कंपनी (4) म० ट्रान्सवेयस इडिया (5) होटल उदय (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयित करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आश्वेद:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्षियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में प्राप्त होती है, के भीतर धूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदद्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोद्वस्ताक्षरी के पास लिखित में विए जा सकें।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त सबौं और पदा का, जो उक्त अधिनियम, के प्रधाय 20-क में परिमाणित हैं, वही अर्थ थागा जो उस अध्याय में दिया गया है।

पन्नमूल्य

(इस्तावेज सं० 1820/79-80 ता० 3-10-1979)।

संपत्ति सं० 15, पुराना सं० 131, तथा जो आरमगुम मुद्रितियार रोड, कलासिपाल्यम नया एक्सटेंशन, बैंगलूर में स्थित है।

चकबन्दी:—

पू—में निजी संपत्ति

प—में दूसरा मैन रोड कलासिपाल्यम नया एक्सटेंशन

उ—में निजी संपत्ति

द—में आरमगुम मुद्रितियार रोड

ह० तिम्मम्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूर

तारीख: 15-4-1980।

मोहर:

प्रलूप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूर

बैंगलूर दिनांक 21 अप्रैल 1980

निर्देश सं० सी०आर० 62/25032/79-80/एसीक्यू/बी—
ग्रतः मुझे, एच० तिम्मव्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० 39/1, है, तथा जो कोलेस रोड, लकीवलांड
दाउन, सिविल स्टेशन बैंगलूर में स्थित है (और इस से उपा-
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
प्राधिकारी के कार्यालय शिवजीनगर बैंगलूर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-9-1979
को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृहृ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों वर्तातः:—

1. पी० जी० चन्द्र, (2) श्रीमति सुसान चन्द्र, सं०
26, विवियानी रोड, बैंगलूर-5
(अन्तरक)
2. (1) ए० मोहम्मद नूर (2) श्रीमति ताज बेगम
सं० 39/1, कोलेस रोड, लकीवलांड दाउन सिविल स्टेशन,
बैंगलूर-5
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप.—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1822/79-80 ता० 19-9-1979)

संपत्ति का भाग जिसको सं० 39/1, तथा जो कोलेस
रोड, लकीवलांड दाउन, सिविल स्टेशन, डिविजन सं० 47,
बैंगलूर-5 में स्थित है।

चक्रबन्दी:—

प्र—में निजी संपत्ति

प—में निजी संपत्ति

उ—में निजी संपत्ति

द—कोलेस रोड

ह० तिम्मव्या

सक्रम प्राधिकारी

(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूर

तारीख : 21-4-1980

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 21 अप्रैल 1980

निवेश सं० सी० आर० 62/25718/79-80/एसीक्य०/
बी—अतः मुझे ह० तिम्मथा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसमा उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० 18, है, तथा जो चारवां आस, नेहरू नगर,
सेपादीपुरम बैंगलूर-20 में स्थित है (और इससे उपावड़
अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधि-
कारी के कार्यालय, गांधीनगर, बैंगलूर, में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (190 प्रा 16) के अधीन

ता० 13-12-1979।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
पन्तरक (पन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे प्रन्तरण के लिए तथा पारा गया प्रतिक्रिया निम्नलिखित
उद्देश्यों के उत्तर प्रन्तरण तित्रित में वापरित रूप से नियन
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वापित्व
में जमी करने या उसमें बचने में मुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, आ-
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में
मुविधा के लिए;

प्रतः, प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की नप्रधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमति एन० सरोजस्मा डा० डी० आर० नन्जप्पा
के पति सं० 18, चाखां आस रोड नेहरूनगर सेपादीपुरम,
बैंगलूर-20। (अन्तरक)

2. सर्वेश्वी (1) भगवानदास (2) श्रीमति लाजवतीबाई
(3) बी० किशनलाल (4) शामसुन्दर, सब सं० 47, पहना
आस, नेहरूनगर, सेपादीपुरम, बैंगलूर-20। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यान्वयन करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्वेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संवधी व्यक्तियों पर सूचना की
नामीन में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति होता;

(ख) इस सूचना हे राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर तथा उसके वितरक किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अवोहस्तात्तरी के पास लिखित
में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रतुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अठराद 20-ह में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उत्तर प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3020/79-80 ता० 13-12-1979)।
घर संपत्ति जिसकी सं० 19, तथा जो चाँदी आस रोड
नेहरू नगर, सेपादीपुरम, बैंगलूर-20:

ह० तिम्मथा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख: 21-4-1980।

मोहर:

प्ररूप शाई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कार्यालय, प्रजनन क्षेत्र, भोपाल

प्रजनन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 14 मई 1980

निर्वेण सं० मी० आर० 62/24899/79-80/एमोक्य०

बी०—अतः मुझे एच० तिम्मव्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 27, है तथा जो गोडीन स्ट्रीट बैंगलूर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्वप्न में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गांधीनगर, बैंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 10-9-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण नियित में आसन्निक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरि द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्ननिविर विविधों, व्यक्ति—

14-116GI/80

1. (1) कुमारी टी० डबल्य० शमीम (2) कुमारी टी० डबल्य० बसीरा सं० 1, इंफैटी रोड क्राम, बैंगलूर-1।
(अन्तरक)

2. श्री एन० रफीक अहमद, सं० 50 मूर रोड फ्रेजर टाउन, बैंगलूर-5।
(अन्तरती)

3. मे० मी० ग्रार० खना गुरुसिंहपा सं० 1 गोडीन स्ट्रीट बैंगलूर-2
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी हरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति ने अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की यत्क्षय या तत्पंचांगी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अक्षित द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अयोद्धस्ताक्षरी के पास स्थिति में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 1902/79—80 ता० 10-9-79)
संपत्ति जिसकी सं०—मुराना सं० 1, नया सं० 27,
तथा जो गोडीन स्ट्रीट, बैंगलूर में स्थित है।

एच० तिम्मव्या
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख : 14-5-1980

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०-----

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

पालि सरकार

कार्यालय, सहायक आधिकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज बंगलूर

बंगलूर दिनांक 13 मई 1980

निर्देश सं० सी० आर० 62/25227/79-80/ए०सी०ब्य०/

बी०—अतः मुझे, एच० तिम्मव्या,

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थानीय सम्पत्ति नियम संसद द्वारा मूल्य 25,000/- रुपये से
अधिक है।

और जिसकी कृ० 5440 है, तथा जो मिडल क्लास कालोनी
सोमेश्वरपुर, तुमकूर में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, पुमकूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 11-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है पर मूले यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और पन्तरक (पन्तरकों) पर अन्तरिक्षीय (अन्तरिनियों)
के बीच ऐसे पन्तरण के लिये तप पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण सिवित में
वास्तुविन रूप से निर्णय लिया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी पाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; परीक्षा

(ख) ऐसो फिसो आर या किसी बन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आधिकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
भौतिकतावां अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, उपराने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपबारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित अधिकारी अवधार्ता:—

1. श्री (1) नंजुडपा (2) टी० एन० महालिंगप्पा (3)
टी० एन० शिवनंजना, (4) टी० एन० बसवराजु, मिठल
क्लास कालोनी, सोमेश्वरपुर एस्टेंशन, तुमकूर (अन्तरक)

1. श्रीमति वीरमा श्री टी० बी० नरसप्पा के पत्नी
सिस्त्रूर गांव, कसबा होबली, गुब्बी तालुक (अन्तरित)

3. (1) मै० गायदी भवन (2) विनायक ग्रौषधालय (3)
खोडी बसवेश्वर प्राविशनक स्टोर (4) श्री चन्नगंगप्पा (5)
सुरली इंस्टीट्यूट आफ कामर्स, (6) श्री जान (वह व्यक्ति
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैतन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवैतन के संबंध में जोई भी घासों :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या हस्तांघी अविक्षियों पर सूचना भी
तामील से 30 दिन को प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी
अविक्षि द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदद
किसी अन्य अविक्षि द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे :

स्पष्टोचरण:——इसमें प्रधुक्त भव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाणित हैं, वहीं
बचे होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1726/79-80 ता० 11-10-79)।

घर संपत्ति जिसकी सं० 5440, गथा जो मिडल क्लास
कालोनी, सोमेश्वरपुर, तुमकूर में स्थित है।

एच० तिम्मव्या

सभम प्राधिकारी

सहायक आधिकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज बंगलूर

तारीख : 13-5-1980।

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी०एन० एड०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज बंगलूर

बंगलूर दिनांक 13 मई 1980

निदेश सं सी० आई० 62/25360/79-80/ए०सी०क्य०/बी०—
अतः मुझे, एच० तिम्मव्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उच्च अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए
में अधिक है और जिसकी मं० 54 (जगह) है, तथा जो
सुकंनहल्ली एक्सटेंशन, बसप्पा लेन्ड्रौट में स्थित है (और इस से
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण
अधिकारी के कार्यालय बसवनगुडी, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
17-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित को वर्द्ध है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यकायूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया वया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
गया चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपकारा (1)
अधिकारी, अर्जन :—

1. श्री जी. बी० रुद्रप्पा, सं० 728, विक्केट, बंगलूर
शहर (अन्तरक)

2. (1) श्रीमति सरोज लढा (2) श्रीमति नूतन, सं०
22/24, एम० जी० के० मूर्ती लेन्ड्रौट, चामराजपेट, बंगलूर
शहर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैत के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी अविक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिस्त
किसी अस्ति अविक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
सिविल में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-व में परिभाषित
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2018/79-80 ता० 17-10-1979)
खाली जगह जिसको सं० 54, तथा जो सुकंनहल्ली
एक्सटेंशन बसप्पा लेन्ड्रौट बंगलूर शहर, कार्पोरेशन लिवीजन सं०
31 में स्थित है।

एच तिम्मव्या
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख : 13-5-1980
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०--

**आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज बंगलर
बंगलूर दिनांक 21 मई 1980

निर्देश सं० सी० आर० 62/24930/79-80/ए० सी०क्य०/

बी—अतः मुझे, एच० तिम्मन्न्या,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स्पष्ट
से अधिक है

और जिसकी सं० 22, है तथा जो बन्नेरुधटा रोड एक्सटेंशन
बंगलूर, में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप हे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कांवालिय
जयनगर बंगलूर-11 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 7-1979

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप न कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में मुश्किल के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनान्वय
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में मुश्किल के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
में, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ
की उपक्रमा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री एम० वी० राघवेंद्रा सं० 343, दसवां 'ए'
मैन रोड तीसरा ब्लाक जयनगर बंगलूर-11 (अन्तरक)

2. श्री सी० एफ० जोश सं० 22, बन्नेरुधटा रोड एक्स-
टेंशन, बंगलूर-11 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में
नमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित भैं
किये जा सकेंगे ।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रधान 20 क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1645/79-8मै ता० 7-9-1979)
वर संपत्ति सं० 22, बन्नेरुधटा रोड एक्सटेंशन, बंगलूर-11

परिमिती :—60' × 40'

एच० तिम्मन्न्या
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख 21-5-1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, 57 राम तीर्थ मार्ग लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 9 अप्रैल 1980

निदेश सं० बी०-४६ (अर्जन) —अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० बी० 27/80-ए है तथा जो दुर्गा कुण्ड, बाराणसी
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बाराणसी
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 22-9-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत प्राधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे प्रत्यारूप के बिंदु
लय पाया गया प्रतिकर, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री राजेन्द्र नारायण कौल (2) गोतम नारायण कौल
व विजय नारायण कौल (अन्तरक)
2. श्री विनोद कुमार जसरा पुरिया (अन्तरिती)
3. उपरोक्त विक्रेता (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है।)
4. उपरोक्त विक्रेता (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ता-
कारी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसन्धान

एक मंजिला मकान नं० बी० 27/80 ए० दुर्गाकुण्ड
बाराणसी जिसमें कुल छोटे छोटे 4 अंकरे हैं। मकानियत का
रकबा 200 वर्गमीटर के करीब है जो कि आराजी नम्बर
1865/1 व 1866/2 के जुज पर मौजा भवेनी, परगना-
देहात अमानत बाराणसी स्थित है कुल रकबा 712. 177
वर्गमीटर है तथा व सब सम्पत्ति जो सेलडीड व कार्ब 37 जी
नं० 8380 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार
बाराणसी के कार्यालय में 22-9-1979 को हो चुका है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख 9-4-1980।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 मई 1980

श्रादेश मं० राज०/सहा०/ आ० अर्जन/699—अतः मुझे,
एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी स० दुकान है तथा जो जोधपुर में स्थित है,
(और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 18-9-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यद्यपूर्वोक्त नम्यता का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल स, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
मन्दह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबन, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हस्ती मल पुत्र श्री हरी राम, (2) प्रकाश चन्द्र,
() आशकरण एवं (4) चतुरभुज पुत्रान् श्री हस्तीमल,
रोड नं० 4, सरदारपुरा, जोधपुर। (अन्तरक)
2. श्री शंकरलाल पुत्र श्री भैरूलाल अग्रवाल सिघल, आडा
बाजार, जोधपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के प्रध्याय 20-क में व्याप्तिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 27 पर स्थित दुकान, सरदारपुरा, जोधपुर
जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 1595 दिनांक
13-9-79 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से
विवरणित है

एम० एल० चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख : 13-5-1980
मोहर

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन, रेज जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 मई 1980

आदेश संख्या राज०/महा० आ० अर्जन/698—अतः मुझे
एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान है तथा जो जोधपुर में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-9-1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से नहिं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूर्दि किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या अन्तर कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अक्षियों, अर्थात् :—

1. (1) हस्तीमल पुत्र श्री हरी राम (2) प्रकाश नन्द (3) आशकरण गव (4) चतुरमुज पुत्रान श्री हस्तीमल, गोड नं० 4, मरदारपुरा, जोधपुर (अन्तरक)
2. श्री भैरू लाल पुत्र श्री रामदाम प्रग्राम, आडा बाजार, जोधपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजनीत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अक्षियों में से किसी अक्षि द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजनीत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य अक्षि द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 27 में स्थित दुकान, मरदारपुरा, जोधपुर जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 1511 दिनांक 7-9-79 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख 13-5-1980

मोहर :

प्रह्लाद आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 मई 1980

आदेश संख्या राज०/महा० आ० अर्जन/703—अतः मुझे
एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन संधर्म प्राविहारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24-9-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिया निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देते के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रथोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, श्री, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमति सरला कुमारी बाफना पति श्री श्याम मुन्दर लाल बाफना, निवासी 7 के 15 जवाहरनगर, जयपुर।
(अन्तरक)

2. श्रीमति मुन्नीदेवी पति श्री मुरेण चन्द खड्डेलवाल निवासी कान्ती चन्द रोड, बनीपांक, जयपुर।
(अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध निम्नी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदृशताकारी के पान तिविरा में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रथाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान संपत्ति जो चौमा हाउम, सी स्कीम, जयपुर में स्थित है का भाग जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2366 दिनांक 24-9-1979 पर पंजिवद्ध विक्रय पत्र में ओर विस्तृत रूप से विवरित है।

एम० एल० चौहान
संधर्म प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख 13-5-1980।

मोहर:

प्रस्तुति बाई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 मई 1980

आदेश संख्या राज०/सहा० आ० अर्जन/700—अतः
मुझे एम० एल० चौहान
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो जयपुर में स्थित है,
(और इसमें उपांग अनुभूति में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायालिय जयपुर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 24-9-1979

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इसे किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृतः—

15—116GI/80

1. श्री श्याम सुन्दरलाल बाफना पुढ़ श्री विष्णुलालजी
बाफना निवासी 7क 15 जवाहरनगर, जयपुर (अन्तरक)
2. श्रीमति मूलनी देवी पत्नि श्री सुरेश चन्द्रजी खड़ेलबाल
निवासी कात्तीषन्द रोड, बनीपार्क, जयपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोक्षताकारी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनूसचौ

'नेला बिल्डिंग' के नाम से विष्यात भवन का भाग
जो सी-स्कोम, जयपुर में स्थित है और उप पंजियक, जयपुर
द्वारा कम संख्या 2367 दिनांक 24-9-1979 पर पंजिश्व
विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख 13-5-1980

मोहर :

प्रकरण नं. दी० एव० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज जयपुर

जयपुर दिनांक 13 मई 1980

आदेश नं. राज०/महा० वा० अर्जन/704—प्रतः मुझे
एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसके संलग्न प्लाट है तथा जो कोटा में स्थित है, (और
इसमें उपावद्ध अनुसूची और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता प्राधिकारी के कार्यालय कोटा में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 26) के अधीन तारीख 10-9-79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत भविष्य है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी घाय की बावजूद उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुश्किल के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मदन कुमार पुत्र श्री राम कुमार शर्मा, भीम गंज
मडी, कोटा
(अन्तरक)

2. श्रीमति सुशीला जैन पन्नि श्री सीलचन्द जैन एवं श्री
कृष्ण कृष्ण पानीकर, भीमगंजमडी, कोटा
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोदृष्टाक्षरी के
पास लिखित से किए जा पक्के।

स्वाक्षरण :—इपर्यंते प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिचालित
हैं, वही ग्रन्थ होगा जो उस अध्याय में विषय
पाया है।

अनुसूची

भीमगंज मंडी कोटा में स्थित प्लाट आफ लैण्ड जो उप
पंजियक, कोटा द्वारा रजिस्ट्रेशन नं. 1200/343 दिनांक
10-9-1979 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से
विवरणित है।

एम० एल० चौहान
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख 13-5-1980

मोहर :

प्रकाश आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

काप्रीत्रप, संशयक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर दिनांक 13 मई 1980

आदेश सं० राज/सहा० आ० अर्जन/705—अतः मुझे,
एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० प्लाट है तथा जो कोटा में स्थित है (और
इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोटा में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख

28-9-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का ज्ञान है कि यथापूर्वीकृत मंत्रित का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फलद्वय
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तत्र पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक
रूप से नथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में दुई किसी आय की बायत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी फिसी आय या फिसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः आय, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अक्षियों, अर्थात्:—

1. श्री गोपाल स्वरूप भार्गव, नं० 208, भीमगंज मंडी,
कोटा (अन्तरक)
2. डा० प्रकाश नाथ पाठक, किलनिक, गुस्कारा रोड,
कोटा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजैन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध फिसी अवय वर्किंग द्वारा प्रवोद्दताकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-ए में परिभाषित हैं, वही
प्रयोग होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एकाक लैण्ड जो भीमगंज मंडी कोटा न्यू पोस्ट अफिस
के सामने स्थित है और उप पंजियक कोटा द्वारा रजिस्ट्रेशन
नं० 1265 पर दिनांक 28-9-1979 को पंजीबद्ध विक्रय
पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख 13-5-1980

मोहर:

प्रलेप आई. टी. एन. एस.-----

जामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर दिनांक 22 मई 1980

आदेश संख्या राज०/सहा० आ० अर्जन/716—अतः मुझे,
एम० एल० चौहान,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान है तथा जो जयपुर में स्थित है,
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
24-9-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल मिलिंगित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिंगित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आविष्ट था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, सी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, मिलिंगित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री गोपाल दास पुत्र श्री वासीलाल एवं श्री महेश कुमार
पुत्र श्री गोपालदास, ई-8, टोडरमल मार्ग, जयपुर (अन्तरक)
2. श्री प्रभूदयाल पुत्र श्री टीकम दास, जीरावर सिंहगेट के
बाहर, जयपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षणात्मकी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में पर्याप्त
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

त्रिपोलिया बाजार, जयपुर की पश्चिमी लाइन में विश्वाधर
के रास्ते से जाते हुए ७वीं दुकान (दक्षिणी तरफ) जो
उप पंजियक जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2346 दिनांक
24-9-1979 पर पंजीयन विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से
विवरणित है।

एम० एल० चौहान

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज जयपुर

तारीख : 22-5-1980

मोहर :

प्रकरण प्राई. टी. एन. एस. --

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर भायुकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर दिनांक 22 मई 1980

प्रदेश नं. 110/प्राई. अ. 1 अर्जन/717--ग्रा: मुझे
एम० एल० चौहान,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के
प्रधीन संशन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है।

और जिसकी सं० मकान है तथा जो जयपुर में स्थित है
(प्रीर इतः उम्बड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीर्ड अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रजिस्ट्रीकरण
प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
6 सितम्बर 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, यह तथा आया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त प्रधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी घन या मन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-
कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, घब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में,
उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

1. श्री मेघ सिंह पूत श्री जवान सिंह, राजपूत निवारण,
मार्ग, बड़पाना, खण्डला हाउस, जयपुर (अन्तरक)

2. श्री नामीनारायण पुत्र श्री शिव सहाय वैनी, नाहरी का-
नाका, पानी कीठंकी के पास, जयपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजेन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी ग्रन्थि वाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्दूद्ध
किसी भूत्य व्यक्ति द्वारा, अषोकस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
बिया गया है।

अनुसूची

बड़ा पाना खण्डला हाउस, नगरपालिका नं. 1156 निवारण
मार्ग, जयपुर का पूर्वी हिस्सा, जो उप पंजियक, जयपुर
द्वारा कम संख्या 2185 दिनांक 6-9-79 पर पंजिबद्ध
विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान

सधम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर भायुकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख 22-5-1980।

मोहर:

प्रकाश प्राई. टी० एल० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ग (1) के प्रधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर दिनांक 21 मई 1980

आदेश संख्या राज०/सहा० आ० अर्जन 712—अतः मुझे
एम० एल० औहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ग
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 65 है तथा जो जयपुर में स्थित
है, (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख
17-9-1979 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से है किसी धारा की वावत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वापिस
में कमो ५ रुपया उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-का अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्म
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. हीराबाई पत्नि सेठ मिलापचन्द कोठारी, कोठारी
भवन, जोहरी बाजार, जयपुर (अन्तरक)

2. श्री नरेंद्र जैन पुत्र श्री संतोष सिंह जैन, सूर्य भवन
फिल्म कालोनी, जयपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध वित्ती अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

प्लाट नं० 65, हथरोई स्कीम, अजमेर रोड, जयपुर जो
उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2259 दिनांक
17-9-1979 पर पंजिवद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विव-
रणित है।

एम० एल० औहान

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जयपुर,

तारीख : 21-5-1980

मोहर :

असः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

प्रस्तुत आहे. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर दिनांक 21 मई 1980

आदेश संख्या राजा० सहा० आ० अर्जन/715—प्रतः मुझे
एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सकार प्राधिकारी को, यह विश्वास करने वा कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या आबादी नैण्ड है तथा जो जयपुर में स्थित
है, (और इसमें उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
4 मित्रेन्द्र 1979

को पूर्णांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हटाई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे-
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उच्चारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री रामजी लाल पुत्र श्री गोरखनाल वैश्य, रास्ता किरन
रामगंज, जयपुर
(अन्तरक)

2. श्री घनश्यामदास पुत्र श्री डी० दी० शारदा, लाल निवास,
प्लाट नं० 15, जयपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्णांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आबादी भूमि, युधिष्ठिर मार्ग मी-स्कीम, जयपुर में स्थित
है और उप पंजियक जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2159 दिनांक
4-9-1979 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में ओर विस्तृत रूप से विव-
रणित है।

एम० एल० चौहान
सकार प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक 21-5-1980
मोहर:

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 मई 1980

श्रादेण मंड्या राज०/महा० आ० अर्जन/711—प्रतः मुझे
एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो कोटा में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोटा में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख

20-9-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हार्दिक किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे-
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आविहए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री चिमन लाल काठी पुन्न श्री गौरी लाल काठी, मकान
नं० 302, वाडे नं० 1, ग्राम बोरखेड़ा, तहसील लाडपुरा।

(अन्तरक)

2. श्रीमति कौशल्या देवी पति श्री जी० एस० उज्जवल, अधि-
शासी अधिकारी, किलोरपुरा, बड़ी मस्जिद के सामने, कोटा।

(प्रत्यक्षिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभासित
हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनूसूची

'कलटीवेटेड' नहरी कृषि भूमि जिसकी नाप 24 बीघा
13 बिस्ता है तथा जो ग्राम दैशली ग्राम तहसील लाडपुरा,
कोटा में स्थित है और उप पंजियक, कोटा द्वारा नाम संख्या
1235 दिनांक 20-9-1979 पर पंजीयक विक्रय पत्र में और
विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 17-5-1980

माहूर:

प्रारूप आई० टा० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ए(1) के प्रवान सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(1) श्री सतेन्द्र कुमार अग्रवाल

(अन्तरक)

(2) संव्यव अयोज अली

(अन्तरिती)

(3) उपरोक्त विक्रीता

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

अर्जन क्षेत्र 57 राजतीर्थ मार्ग लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 22 मई 1980

निवेश सं० एस-191/प्रर्जन—प्रतः मुझे अमर सिंह बिसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सभी अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए में अधिक है

और जिसकी सं० 298 सिविल लाइन्स है तथा जो उभाव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कक्षीय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 क 16) के अधीन, 10-12-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य¹ में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरणमें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपस्थारा

(1) ऐ अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्पतः—

16—116 GI/80

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भवन संपत्ति सं० 298 स्थित सिविल लाइन्स उभाव थेवरफल लगभग 943.65 वर्गमीटर व वह तमाम सम्पत्ति जो सेलडीड व फार्म 37-जी सं 2283/79 में वर्णित है जिन दोनों का पंजीकरण सब रजिस्ट्रार कक्षीय के कार्यालय में दिनांक 10-12-79 को किया जा चुका है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 22 मई 1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी०एन० एस०—
पापहर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) से अधीन सूचना
भारत मरकार
कार्यालय, मठारह आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ
लखनऊ, दिनांक 8 अप्रैल 1980

निदेश स० एम-144 (अर्जन)—अतः मुझे, अमर सिंह
बिसेन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन प्रथम अधिकारी को, यह विषयास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है
और जिसकी सं० वी० 27/80 ए है, तथा जो दुर्गा कुण्ड, बाराणसी
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बाराणसी
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 21-9-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
ग्रन्तरत (प्रमाणी) और प्रमाणी (प्रमाणियों) के बीच
ऐसे प्रश्न रहे कि या या गया प्रतिकर्ता, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धारित में आसाविक रूप में कथित
नहीं किया गया है :—

(क) ग्रन्तरण में हुई हिसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी हिसी आय या हिसी धन या ग्रन्त आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या हिसी जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनु-
मत्रण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित अवक्त्रियों, अर्थात् :—

(1) सर्वश्री राजेन्द्र नारायण कौलव (2) गौतम नारायण
कौलव (3) विजय नारायण कौल।
(अन्तरक)
(2) श्री मनीज कुमार जमरा पुरिया
(अन्तरिती)
(3) उपरोक्त विक्रेता
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अवक्त्रियों पर सूचना की
तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवक्त्रियों में से
विसी अवक्ति द्वारा;]
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
ग्रन्थ अवक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नगर महापालिका भवन संख्या -बी-27/80 ए स्थित मुहल्ला
दुग्धकुण्ड हलका भैलूपुर शहर बाराणसी का जुज जो बाराणसी
नम्बरी 1865/1 रकबा 41 दिसम्बर व 1866/2 : रकबा 26½
के जुज हिस्से पर वाके मौजाभदेनी परगता-देहास
अमानत तहसील व जिला-बाराणसी वह सारी सम्पत्ति जो
सेलडीछ व फार्म 37-जी संख्या 8381 में वर्णित है जिसका
पज्जीकरण सब रजिस्ट्रार बाराणसी के कार्यालय में दिनांक
21-9-79 को हो चुका है।

अमर सिंह बिसेन
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयूक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

दिनांक : 8-4-1980

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 26 मई, 1980

आदेश सं० राज० सहा० आ० अर्जन/719—अतः मुझे एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० मकान नं० 94 बी है तथा जो उदयपुर में स्थित है, (और इससे उपर अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय उदयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 5 सितम्बर 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूर्ण, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एवं अन्तरण के लिए तप पाया गया प्रतिश्लिष्ट निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री प्रेम नारायण माथूर पुत्र श्री चुनीलाल माथूर, वाईस प्रेसिडेंट, बनस्थली विद्यापीठ, बनस्थली जिला दौक़ ;
(अन्तरक)

(2) श्रीमती सम्पत देवी पत्नि श्री फते सिंह भेहता एडवोकेट उदयपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्दू बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचायित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

मकान सम्पत्ति का भाग जिसका नम्बर 94-बी है का भाग, भूपालपुरा, उदयपुर जो उप पंजियक, उदयपुर द्वारा क्रम संख्या 2361 दिनांक 5-9-79 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

दिनांक : 26 मई 1980
मोहर :

प्रकृत आई० दी० ए० एस०-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ष (1) के प्रश्नों सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रन्ता रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 26 मई 1980
आदेश संख्या राज० सहा० आ० अर्जन/718—यतः मुझे,
एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ष के अधीन सक्षम, प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 94 बी है तथा जो उदयपुर में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 5-9-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तर्ती (अन्तर्ती) के बाब एस घटारण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किए गये हैं :—

(क) घटारण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के प्रतीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या ;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धननकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाव॑ अन्तर्हाला द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

इतः इब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष के अन्तरण में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष का उपचाल (१) के अधीन, निम्नलिखित स्वक्षितयों पर्याप्त है :—

(1) श्री प्रेम नारायण माधुर पुत्र श्री चुम्भीलाल माधुर वाईसप्रेसीडेंट, बनस्थली विद्यापीठ, बनस्थली जिला टॉक (अन्तरक)

(2) श्री फतेह सिंह पुत्र श्री बसन्तीलाल मेहता, एडवोकेट, 94 बी भूपालपुरा, उदयपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हूँ।

इस नियम के प्रत्येक के संबंध में कोई भी विवेद :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन का अवधि या तत्सम्बन्धी अधिनियम पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त अधिनियमों में से किसी अधिकता होता है;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्तबद्ध किसी अन्य अधिकता होता है, यद्योद्दस्ताभारों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरणः——इसमें प्राप्त शब्दों और पंजीयों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-९ में परिभ्राषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान सम्पत्ति का भाग जिसके नम्बर 94 बी भूपालपुरा, उदयपुर है तथा जो उप पंजियक, उदयपुर द्वारा ऋम संख्या 2360 दिनांक 5-9-79 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 26 मई 1980
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री मुखराम पुत्र छोगाराम निवासी हाऊसिंग बोर्ड
के पास, 3 ई० छोटी, श्री गंगानगर
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 27 मई, 1980

आदेश संख्या राज० सहा० अ० अर्जन/ 720 —यतः मुझे,
एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी प० कृषि भूमि है तथा जो श्री गंगानगर में स्थित है,
(और इसके उपरबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्री गंगानगर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 25-
9-1979 को

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे मह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत रो अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृष्ट किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
वर्गों, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(2) सर्वश्री जूगल किशोर पुत्र श्री चिरंजीलाल, सुभाष
चन्द पुत्र हुकमचन्द, मित्रा दत्त पुत्र मूल चन्द एवं
श्रीमति नारायणी देवी पत्नी सुभाषचन्द द्वारा मैसर्स
हुकम चन्द किशनचन्द, कमीशन एजेन्ट, करणपुर
जिला श्री गंगानगर

(अन्तरक)

कों यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रथुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

3 बीघा 10 बिस्ता कृषि भूमि जो चक 3 ई० छोटी श्री गंगानगर
में स्थित है और उपर्युक्त, श्री गंगानगर द्वारा क्रम संख्या 2283
दिनांक 25-9-79 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से
विवरणित है।

एम० एल० चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक 27 मई 1980

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 27 मई 1980

ग्रामेश मं० राज०/सहा० आ० अर्जन/721—यतः मुझे
एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मन्त्री प्राधिकारी को, यदि विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संतानि जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी मं० कृषि भूमि है तथा जो श्री गंगानगर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्नी अधिकारी के कार्यालय श्री गंगानगर में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 26-9-1979 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नया वापा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रत, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रश्नात् :—

(1) श्री धनराज पुत्र श्री बक्काराम कुम्हार, अप्रसे नगर, 3 ई छोटी श्री गंगानगर।

(अन्तरक)

(2) श्री मुमार चन्द्र पुत्र श्री कुक्कम चन्द्रद्वारा मैसर्स दुक्कम चन्द्र किशन चन्द्र दुकान नं० 19, करणपुर, जिला श्री गंगानगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में नपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिन्दू बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा प्रशोहस्नाभारी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

3 बीवा 12 विस्वा कृषि भूमि जोड़क 3 ई छोटी श्री गंगानगर में स्थित है और उप पंजियक श्रीगंगानगर द्वारा क्रम संख्या 3003 दिनांक 26-9-79 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 27 मई 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर
जयपुर, दिनांक 29 मई 1980

श्रीदेश संख्या राज०/महा० श्र० अर्जन/723—यतः मुझे,
एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट नं० एस० पी० 6 है तथा जो जयपुर में
स्थित है, (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ने प्राधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
6 सितंबर, 1979

को पूर्वांक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृष्टि किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों विरुद्ध:—

(1) श्रीमती मनोहरी देवी पत्नी श्री लालूराम शर्मा,
पारेबड़ा रोड, पोस्ट जसवांगढ़ (नागौर)
(अन्तरक)

(2) श्री जमनप्रसाद बागोटिया पुत्र श्री एल० आर०
बागोटिया, 23-बी शिवाजी मार्ग, डिगरी हाउस के
पास, जयपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० एस० पी० 6 का उसरी भाग, मोतीहुंगरी एक्सटेंशन
स्कीम (य० आई० टी०) जयपुर, जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा
ऋग्म संख्या 2193 दिनांक 6-9-79 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र
में और विस्तृत रूप में विवरणित है।

एम० एल० चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक 29-5-80
मोहर :

प्रस्तुत आहे. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 29-मई 1980

श्रादेश संख्या राज०/संहा० आ० अर्जन/726—यतः मेरे,
एम० एम० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी में सकान संपत्ति नं० 7 है तथा जो अजमेर में
स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुभूति में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अजमेर
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 1-9-1979

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती
(अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँहूँ किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दागित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिवर्द्ध
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिक्त इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभाग
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री श्रीकरण शास्त्रा, भूतपूर्व सामद, पुष्कर रोड,
ग्राजमेर स्वार्ध ग्राम कर्ता एच० य० एफ० एच०
रामविलाम शास्त्रा

(अन्तरक)

(2) श्री देक्कनद ग्राम जेठ मल पूर्व नुधामल द्वारा चतुरा
राम सीतल दाम, कोल डीलर, धनमंडी, अजमेर
(अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप.—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ए० एम० सी० नं० 7, पुष्कर रोड, महावीर कालोनी,
अजमेर का भाग जो उग पंजियक, अजमेर द्वारा श्रम संदिया
2569 दिनांक 1-9-79 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और
विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एम० चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 29 मई 1980
मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंटो•एन•प्र०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-व (1) के प्रभाव सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 29 मई 1980

आदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/724—यतः मुझे
एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-व के प्रभाव सकाम प्राधिकारी को वह विभास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 2-वी है तथा जो जयपुर
में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 10 सितम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम वे दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रत्युत्तरित की गई है और मुझे वह विभास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष
(प्रत्यक्षकों) और प्रत्यक्षिती (प्रत्यक्षितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तर्य पाया जाया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षण लिखित में वास्तविक रूप से कठिन
नहीं किया गया है।—

(ब) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या दृश्य प्राप्तियों
को, जिसमें सारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या घनन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, ऐसे, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अविक्षियों, पर्याप्त—

17-116 GI/80

- (1) श्रीमती कमला कुमारी पत्नी श्री प्रशोक सिंह, बसन्त
मार्ग, बनीपार्क, जयपुर।
(अन्तरक)
- (2) श्री रामस्वरूप विजयवर्गीय पुत्र श्री राम करण,
सी-34, लाजपत मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में छोई भी आक्षेप।—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी अविक्षियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हिन्दू दिव्य अविक्षित द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रमुख बाब्दों और पदों का, जो उक्त 7
प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस ध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 2 भवानी सिंह मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर
उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 2674 दिनांक 10-9-
79 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित
है।

एम० एल० चौहान
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक 29 मई 1980

मोहर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वां (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 29 मई 1980

श्रादेश संख्या राज०/सहा० आ० अर्जन/723—यतः मुझे
एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा
269वां के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति विक्री उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।

और जिस की सं० प्लाट नं० 2 ए है तथा जो जयपुर में
स्थित है, (और इससे उपावड़ अन्सूची में और पूर्ण रूप से
बर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में,
जिस्ट्रीकरण अधिनियम 1980 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 5 सितम्बर 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विवास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और प्रतिरक्त (प्रन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी की बाबत आव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अन्तरण में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आव या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था; छिपाने में सविधा के लिए।

आव, आव उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनु-
संरग में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269वां की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्।—

(1) श्रीमती कमला कुमारी पत्नि श्री अशोक सिंह,
वसन्त मार्ग, बनीपांक, जयपुर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सन्तोष विजयवर्गीय पत्नि श्री राम स्वरूप
विजयवर्गीय सी-34, लाजपत मार्ग, सी-स्कीम
जयपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तसम्बन्धी अवधियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से
किसी अधिक द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अधिकारी, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रदत्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20 के में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 2 ए, भवानी सिंह रोड, सी-स्कीम, जयपुर
जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2623 दिनांक
5-9-1979 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से
विवरणित है।

एम० एल० चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

दिनांक : 29 मई 1980

मोहर :

प्रमुख प्राई. टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 29 मई 1980

आवेदन संख्या राज०/सहा० आ० अर्जन/725—यतः मुझे,
एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
८० से अधिक है

और जिसकी सं० ७ है तथा जो अजमेर में स्थित है,
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अजमेर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 1
सितम्बर 1979 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का फ्रेश प्रतिशत से अधिक है,
और अरारक (अन्तररक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित पै वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आप की वादत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आप या किसी बन या अन्य आदित्यों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ प्रतिरिती द्वारा प्रकाढ़ नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की द्वारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की द्वारा 269-प को, उपनामा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अवृत्ति ।—

(1) श्री श्रीकरण शारदा भूतपूर्व सांसद, पुण्यकर रोड,
अजमेर स्वयं एवं कर्ता एच० यू० एफ० स्व०
श्री रामविलास शारदा
(अन्तरक)

(2) श्री बुधमल भागीदार मैसर्स चतुरराम शीतलदास,
धानमंडी, अजमेर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाटेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ए० एम० सी० नं० 7, का भाग, पुण्यकर रोड, महाबीर कालोनी;
अजमेर जो उप पंजियक अजमेर द्वारा क्रम संख्या 2568
दिनांक 1-9-79 पर पंजीयन विक्रम पत्र में और विस्तृत
रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज; जयपुर

दिनांक: 29 मई 1980

मोहर:

प्रकल्प नं. ३१० टी० एस० ८८०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, विनांक 5 मई 1980

निवेश सं. ६/सेप्त/७९—यतः, मुझे, श्री ओ० आनन्द्राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं. आर० एस० नं. 209/1 209/3 विलांगुड़ी गांव है, जो मदुरै में स्थित है (और इससे उत्तर अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय, पुकुमंडपम (डाक नं. 1616/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सितम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अस: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपवारा (1) के अधीन के निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती किळममाल

(अन्तरक)

(2) ड्रांसपोर्ट कार्पोरेशन आफ इंडिया लि०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कामवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्वैहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रधान 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधान में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं. 1616/79 एस० आर० ओ० पुकुमंडपम मदुरै भूमि आर० एस० नं. 209/1-18 सेंट्स भूमि आर० एस० नं. 209/3 10 सेंट्स, विलागुड़ी गांव, मदुरै।

ओ० आनन्द्राम,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

दिनांक : 5 मई 1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एम्. एस.—

(1) श्रीमती एल० साविक्षी अम्माल ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) इंस्पॉर्ट कार्पोरेशन आफ इंडिया लि० ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिनियम (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, द्रासम

मद्रास, दिनांक 5 मई 1980

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

निदेश सं० ७/सेपट/७९—यतः, मुझे, श्रो० आनंद्राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 209/1 और 209/3 विलांगुडी गांव है, जो मदुरै में स्थित है (और इससे उगाबद्ध अनुमूल्यी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), नजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पुदुमंडपम डॉक नं० 1617/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1979

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिष्ठान के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यभान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

अनुमूल्यी

डॉक्यूमेंट नं० 1617/79 एस० आर० श्रो० पुदुमंडपम, मदुरै भूमि आर० एस० नं० 209/1 18 सेंटस } विलांगुडी गांव मदुरै भूमि आर० एस० नं० 209/3 10 सेंटस }

श्रो० आनंद्राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

दिनांक : 5 मई 1980

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 मई 1980

निवेश सं० 8/सेपट/79—यतः, मुझे, ओ० आनंद्राम,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर संस्थित जितका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है।
और जिसकी सं० आर० एस० नं० 209/1 विलांगुडी गांव है, जो
मदुरै में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पुष्टमंडपम (डाक
नं० 1618/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के क्षिति तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सम्पत्तरण निम्नित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती
बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व(1) के पन्द्रहरण
में, मेरे उक्त अधिनियम की धारा 269-व(1) की उपचारा (1)
के अधीन निम्नसिखित व्यक्तियों, अधीत् ।—

(1) श्रीमती मीनाक्षी अम्माल

(अन्तरक)

(2) ड्रांसपोर्ट कारपोरेशन आफ इंडिया लि०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्ति यों पर
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीपर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित किए जा सकेंगे।

स्थाटीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उम अध्याय घे दिया
गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 1618/79 एस० आर० ओ० पुदुमंडपम, मदुर
भूमि आर० एस० नं० 209/128 सेंट्स सिलांगुडी गांव,
मदुरै।

ओ० आनंद्राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

दिनांक : 5 मई 1980

मोहर :

प्रलेप आई० ई० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कार्यालय मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 मई 1980

निदेश सं० 9/सेप्ट/79—यतः मुझे, श्रो० आनंद्राम,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

श्रीर जिसकी सं० आर० एस० नं० 209/1 विलांगुडी गांव है
जो मदुरै में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पुदुमंजपम
(डाक नं० 1619/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम

1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1979

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और भूमि यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(1) श्रीमती वी० सुब्रताम अम्माल

(अन्तरक)

(2) ड्रॉसपोर्ट कारपोरेशन आफ इंडिया लि०

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कौर्ह भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हूर्ह किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; श्रीर/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आविष्टयों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

डाकुमेंट नं० 1619/79 एस० आर० श्रो० पुदुमंजपम मदुरै
भूमि आर० एस० नं० 209/128 सेंट्स विलांगुडी गांव,
मदुरै।

श्रो० आनंद्राम
रक्षम प्राधिकारी
निरीक्षण सहायक आयकर (आयुक्त)
अर्जन रेंज, मद्रास

दिनांक : 5 मई 1980

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नालिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

प्ररूप आई. टी. एन. एस. —————

(1) श्रीमती कामाची अम्माल

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन आफ इंडिया लि.

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

फार्मलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 मई 1980

निदेश सं० 10/सेपट/79—यतः, मुझे, श्रो० आनन्द्राम
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/
रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० आर० एम० नं० 209/1 विलांगुड़ी गांव है,
जो मदुरै में स्थित है (और इससे उपावन्द है और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पुदुमंडलापम (ब्लाक नं०
1620/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1979 कोको पूर्वांकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापवांकता संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके स्थयमान प्रतिफल से, ऐसे स्थयमान प्रतिफल का
पत्तह प्रतिक्षेत्र से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुए हैं किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आविहए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बावर में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताधरी के
पास लिखित में किए जा सकते।उपलब्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 1620/79 एम० आर० ओ० पुदुमंडपम, मदुरै
भूमि आर० एम० नं० 209/1-28 संटम विलांगुड़ी गांव
मदुरैओ० आनन्द्राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन, रेंज मद्रास

दिनांक: 5 मई 1980

मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भूमि उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधित:—

प्रसूप बाई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री जी० परमशिवम्

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री सो० पलनिसामी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 मई 1980

निदेश सं० 11/सेपट/79—यतः, मुझे ओ० आनंद्राम्भ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिस की सं० 8/26, 8/2, 3, 4, 5, और 8/46 सबुत मुद्रुकलतूर
रोड है, जो कमुदो, रामनाडे डिस्ट्र० मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में पूर्ण स्वयं से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
कमुदो (डाक नं० 1554/79) भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1979

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापुरावॉक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उम्मके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीधत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हर्दौ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बधने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिहौ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगजनर्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

18-116GI/80

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही वर्ण होगा जो उस अध्याय में दिया
वया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 1554/79 एस० आर० ओ० कमुदी
भूमि और निर्माण—डोर नं० 8/26, 8/2, 3, 4, 5 और
8/46 सबुत मुद्रुकलतूर रोड, कमुदी, रामनाडे डिस्ट्र०।

ओ० आनंद्राम्भ
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

दिनांक : 5 मई 1980

मोहर :

प्रकृष्ट प्राप्ति टी० एस० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269प्र (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक प्रायकर प्राप्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 मई 1980

निवेश सं० 12/सेप्ट/79—गत; मुझे, औ० प्रानन्द्राम,
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-वा
के प्रधीन सक्षम प्राविकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से प्रधिक है।

और जिसकी सं० टी० एस० नं० 22/1, 4th वार्ड,
पलनी है, (और इससे उपाबद्ध; अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, जे०एस०प्रार०
II मदुरै (डाक नं० 1023/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, सितम्बर 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सम्पत्ति लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों
को जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

ग्रन्थ: यद्य उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुसरण
में म, उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र की उपधारा (1) के
प्रधीन निम्नलिखित अधिकारी, प्रधान:—

(1) (i) श्री एस० प्रलगरसामी चेट्टियार
(ii) एस० रामलिङ्गम

(प्रन्तरक)

(2) श्रीमती ए० वेरियाताल

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधान के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधान के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षयों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षयों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी ग्रन्थ अविक्षित द्वारा अधीक्षिताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

हथाहीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही
प्रार्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 1023/79 जे० एस० प्रार० II, मदुरै
भूमि और निर्माण डोर टी० एस० 22/1, 4th वार्ड, पलनी।

ओ० प्रानन्द्राम
सक्षम प्राविकारी
सहायक प्रायकर प्राप्ति (निरीक्षण)
अर्जन रेज, मद्रास

दिनांक : 5 मई 1980

मोहर :

प्रकल्प शाही० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 मई 1980

निर्देश सं० 26/सेपट/79—यतः, मुझे थ्रो० आनन्दाम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवाद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिस की सं० पुराना डोर नं० 30, नया नं० 2, 3, मनीका, किल्लणसामी है, जो अमर लेन, मदुरै में स्थित है (और इससे उपाबृद्ध अनुसुचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० II मदुरै (लोक० नं० 3478/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विवाद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फ़न्द्रह प्रतिशत अधिक से है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर केने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था तिगाने में सुविधा के लिए;

यतः यदि उक्त अधिनियम की धारा 269व के प्राप्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अविक्षियों, अर्थात्:—

1. थ्री थी० के० जकमनन

(प्रन्तरक)

2. थ्री पी० एस० सवालियन

(2) पी० एस० मोतीलाल (3) पी० एस० मनोहरन

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताकारी के पास लिखित भैं किये जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20क में परिभासित है वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आकुमेट नं० 3478/79 जे० एस० आर० II, मदुरै
भूमि और निर्माण डोर सं० 30 (पुराना) नया नं० 2, 3,
मनीका किल्लणसामी अमर लेन, मदुरै।

थ्रो० आनन्दाम
सक्षम प्राधिकारी
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त
भर्जन रेंज मद्रास

दिनांक 15 मई 1980

मोहर:

प्रस्तुप थाई. टी. एन. एस.—

(1) श्री एस० बूपती

(अन्तरक)

(2) श्री एन० राजन

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),

अर्जन रेज मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 मई, 1980

निर्देश सं० 29/सेपट/79—अतः, मुझे, ओ० भान्नद्राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० 3, सिंगरामर कालोनी है, जो ईस्ट स्ट्रीट, मदुरै-2 में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूचि में श्रौप पूर्ण से वर्णित है), रजिस्ट्रेकरण के अधिकारी के कार्यालय, मदुरै (डाक नं० 4014/79 ; भारतीय रजिस्ट्रेकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 के अधीन 16 सितम्बर 79 का पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रुद्धमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वांक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रुद्धमान प्रतिफल से, ऐसे रुद्धमान प्रतिफल का पञ्चवाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के धायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

प्रष्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 4014/79 एस० आर० ओ० मदुरै भूमि और निर्माण -डोर नं० 3, सिंगरामर कालोनी ईस्ट स्ट्रीट, मदुरै

ओ० भान्नद्राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आरकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज मद्रास

दिनांक : 5-5-1980
मोहर

प्रस्तुप श्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर विभाग (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 13 मई 1980

निदेश सं० 982-ए/कानपुर/79-80:—अतः मुझे, बी०
सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 155 है तथा जो ओ ब्लाक कानपुर
में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
21-9-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है : -

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ प्रनारिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए वा छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व को उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रन्थीतः—

1. श्री डी० एन० कपूर डॉ/17 शंकर नगर चौराहा
निशाला नगर, लखनऊ।
(अन्तरक)

2. श्री गोपाल नारायण मिश्र मकान नम्बर 3/9 साईट
नम्बर 1 किंदवई नगर, कानपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर गम्पति में हितबद्ध किसी
ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रधोइस्लाक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभासित है वही
ग्रन्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता प्लाट जिसका नम्बर 155 ब्लाक ओ
किंदवई नगर में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण),
आर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 13 मई 1980

मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 19th May 1980

No. A. 32015/1/80-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri Ram Singh, a permanent Research Assistant (R & S) and officiating Research Investigator in the office of Union Public Service Commission to officiate on an *ad hoc* basis as Junior Research Officer (R & S) in the Commission's office for the period from 3-6-1980 to 31-7-1980, or until further orders, whichever is earlier *vice* Smt. Raj Kumari Anand, Junior Research Officer (R & S) granted leave.

The 20th May 1980

No. A. 32014/1/80-Admn.II.—The Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri M. L. Dhawan, a permanent Superintendent (Holl.) to officiate on an *ad hoc* basis as Deputy Controller (DP) in the office of Union Public Service Commission for the period from 1-6-1980 to 31-8-1980, or until further orders, whichever is earlier.

S. BALACHANDRAN,
Under Secy.
for Chairman
Union Public Service Commission

New Delhi-11, the 12th May 1980

No. A. 32014/1/80-Admn. —The President is pleased to appoint the following Selection Grade Personal Assistants (Grade C)/Personal Assistant (Grade C of the CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission to officiate as Senior Personal Assistants (Grade B of the CSSS) in the same cadre in a purely provisional, temporary and ad-hoc capacity with effect from the dates mentioned below :—

Sl. No.	Name	Regular post held	Post to which ad hoc appointment made	Period for which ad-hoc appointment made	Remarks.
	S/Shri				
1.	S. P. Mehra . . .			1-5-80 to 31-7-80 or until further orders whichever is earlier	Against select list vacancy reported as reserved for SC.
2.	O. P. Deora . . .				
3.	Hukam Chand . . .	Officiating Selection grade for grade C Stenographer and permanent P.A. (Grade C of the CSSS)	Senior P. A. Grade B of the CSSS	30-4-80 to 18-4-80 or until further orders whichever is earlier	Against 4 posts crea- ted by temporarily downgrading post of private Secretaries
4.	Jatinder Lal . . .				
5.	H. C. Katoch . . .			1-5-80 to 31-7-80 or until further orders whichever is earlier	
6.	T. R. Sharma . . .			26-4-80 to 26-6-80 or until further orders whichever is earlier	Against, a resultant chain vacancy
7.	K. S. Bhutani . . .	Permanent P. A. (Gr. C of the CSSS)		26-4-80 to 25-6-80 or until further orders whichever is earlier.	

(2) The above mentioned persons should note that their appointment as Senior P.A. (Grade B of the CSSS) is purely temporary and on *ad-hoc* basis and will not confer any title for absorption in Grade B of CSSS or for seniority in that Grade. Further, in the case of S/Shri Mehra, Deora, Hukam Chand, Katoch and Sharma the *ad-hoc* appointment to Grade B of the CSS for the period mentioned against their names is also subject to the approval of the Department of Personnel & ARs.

The 28th May 1980

No. A.38013/3/79-Admn.III.—The President is pleased to permit Shri K. L. Sharma a permanent Assistant and officiating Section Officer of the CSS cadre of the Union Public Service Commission, to retire from Government service, on attaining the age of superannuation, with effect from the afternoon of the 31st May 1980 in terms of Department of Personnel O.M. No. 33/12/73-Ests(A), dated the 24th November, 1973.

S. BALACHANDRAN,
Under Secy.
Incharge of Administration
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
(DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.)
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 28th May 1980

No. A-1/5(16)/73-AD.I.—The President is pleased to appoint Shri P. C. Srivastava, IPS (Madhya Pradesh) on deputation from Madhya Pradesh Police, as Supdt. of Police, CBI/

Special Police Establishment in a substantive capacity on permanent absorption with effect from 1-4-1976.

The 2nd June 1980

No. A-19019/2/80-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri B. M. Saigal, IPS (M.P.-1953) as Joint Director, Central Bureau of Investigation and Special Inspector General of Police, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 29-5-1980 until further orders.

Q. L. GROVER,
Administrative Officer (E)
Central Bureau of Investigation

DIRECTORATE GENERAL, CRPF FORCE

New Delhi-110001, the 29th May 1980

No. O.II.1086/78-ESTT.—The President is pleased to relieve Dr. S. Rajan, Gd. II of Group Centre CRPF Avadi wef the afternoon of 4th March 1980 on expiry of one month's notice under Rule 5(i) of the CCS (Temporary Service) Rules, 1965.

The 2nd June 1980

No. O.II.1038/75-ESTT.—The Director General is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Usha Jain as Junior Medical Officer in the CRPF on ad hoc basis with effect from 21-5-80 (forenoon) for a period of three months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

No. O.II. 1438/79-ESTT.—Consequent on expiry of his term of re-employment in the CRPF, Major A. R. Biswas (Reid.) relinquished charge of the post of Assistant Commandant AWS, CRPF, Gauhati on the afternoon of 5th April 1980.

K. R. K. PRASAD,
Asstt. Dir. (Admn.)

**DIRECTORATE OF COORDINATION
(POLICE WIRELESS)**

New Delhi-1, the 27th May 1980

No. A.12012/1/79-Admn.—Shri C. P. Srivastava a temporary Senior Technical Assistant of the Directorate of Coordination (Police Wireless) has been promoted to officiate as Extra Assistant Director in the Directorate of Coordination (Police Wireless) in a temporary capacity in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- with effect from the forenoon of the 29th April, 1980 at the Inter State Police Wireless Station, Shillong, until further orders.

C. P. JOSHI, Director
Police Telecommunications

**OFFICE OF THE INSPECTOR-GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE**

New Delhi-19, the 29th May 1980

No. E-38013(3)/1/79-PFRS.—On transfer from Kiriburu Shri Bhagwati Prasad assumed the charge of the post of Asstt. Comdt, CISF Unit, BSL Bokaro w.e.f. the forenoon of 2nd May 80

No. E-38013(3)/1/79-PERS.—On transfer to Farrakka Shri S. B. Choudhury relinquished the charge of the post of Asstt. Comdt. CISF Unit, BSL Bokaro w.e.f. the afternoon of the 3rd May 1980.

No. E-38013(3)/24/79-PERS.—On transfer from Srihari Kota, Shri V. N. Tewari assumed the charge of the post of Asstt. Comdt, CISF Unit, FCI, Ramagundam, w.e.f. the forenoon of 13th April 1980.

(Sl.) ILLEGIBLE
Inspector-General

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 28th May 1980

No. 11/110/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri M. A. Malwade, an Officer belonging to the Gujarat Civil Service, as Deputy Director of Census Operations, in the Office of the Director of Census Operations, Gujarat, Ahmedabad by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 1st April, 1980, until further orders.

The headquarter of Shri Malwade will be at Ahmedabad.
The 3rd June 1980

No. 11/29/78-Ad.I.—On his reversion to the Central Statistical Organisation, Shri J. K. Verma, Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Director of Census Operations, Maharashtra, Bombay relinquished charge of the Office of the Assistant Director of Census Operations (Technical), Maharashtra, Bombay with effect from the afternoon of 17 May, 1980.

No. 7/1/79-Ad.I.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee and in consultation with the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint the following officiating Deputy Directors of Census

Operations in the office of the Registrar General, India, New Delhi to the post of Deputy Director of Census Operations, in the same office in a substantive capacity with effect from the 21st December, 1979 :—

1. Shri Ardaman Singh
2. Shri A. W. Mahatna
3. Dr. H. Majumdar
4. Shri B. S. Narasimha Murthy
5. Shri Tirath Dass
6. Shri N. Rama Rao.

No. 7/4/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint the following officers as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the Office of the Registrar General, India, New Delhi, in substantive capacity, with effect from 21-12-1979 :—

1. Shri P. C. Sharma
2. Shri M. M. Dua
3. Shri Sant Ram
4. Shri K. C. Suri

No. 11/114/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri Lalbiakthuama, an Officer belonging to the Government of Mizoram, as Assistant Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations, Mizoram, Aizawl, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 12th May, 1980, until further orders.

The headquarter of Shri Lalbiakthuama will be at Aizawl.

P. PADMANBHA
Registrar General, India

**INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR
GENERAL OF INDIA**

New Delhi-110002, the 2nd June 1980

No. 1397/CA.I/62-77.—Additional Deputy Comptroller and Auditor General (Commercial) has permitted Shri R. Krishna Murthy Audit Officer (Commercial) working in the Office of the Accountant General, Karnataka, Bangalore, to retire voluntarily from Govt. service under provision of rule 48A of C.C.S. (Pension) Rules 1972 w.e.f. 1-3-1980.

M. S. GROVER,
Accountant General

**OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT
CENTRAL REVENUES**

New Delhi-2, the 27th May 1980

No. Admn. I.O.O./121.—Shri B. L. Rustagi, a permanent Audit Officer of this office, expired on 3rd May, 1980.

Sd./- ILLEGIBLE
It. Director of Audit (Admn.)

**OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,
KARNATAK**

Bangalore, the 9th April 1980

No. ES.I/A4/80-81/37.—The following officiating Accounts Officers of the office of the Accountant General, Karnataka, Bangalore have been appointed in a substantive capacity in the grade of Accounts Officers in the same office with effect from the dates noted against their names.

Sl. No.	Name of the officer	Date from which confirmed
		(3)
	S/Shri	
1. R. Srinivasan (1)		1-1-1979.
2. N. Chakravarthy		1-4-1979.
3. K. N. Narasimha Murthy		12-5-1979.
4. K. Jagannathan		1-11-1979.
5. M. R. Venkataraman		1-11-1979.
6. S. Anantha Rao		1-12-1979.
7. B. Hanumanthachar		1-12-1979.
8. H. S. Ramachandra (1)		1-1-1980
9. H. S. Viswanath		1-2-1980.

(1)	(2)	(3)
10. V. K. Nanjundayya		1-2-1980.
11. K. S. Varadaraj		1-2-1980.

This order is subject to the ultimate results of the writ petition No. 4367 of 1978 filed in the Supreme Court of India.

Sd/- ILLEGIBLE
ACCOUNTANT GENERAL

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF AUDIT
POSTS AND TELEGRAPHS

New Delhi, the April 1980

O.O. No. ADMN.III-582 23(A) (2) Notifications.—The Director of Audit, Posts and Telegraphs has been pleased to permit Shri T. A. Narasimhan, a substantive Audit Officer of the Posts and Telegraphs Branch Audit Office Nagpur to retire from service on 16-12-1979 (F.N.) under the provisions of Rule 48(1) (a) of the C.C.S. (Pension) Rules, 1972 read with clause (a) of the first proviso thereto under and para 3(vii) of the Government of India, Ministry of Home Affairs, O.M. No. 25013/7/77-Estt.(A) dated 26-8-1977.

The 28th May 1980

O.O. No. Admn.III/96/23(A) (2) Notifications.—Shri R. Ranganathan, an officiating Audit Officer in the Posts and Telegraphs Audit Office Bhopal has retired from service w.e.f. 31-1-1980 on superannuation.

O.O. No. ADMN. III-579 23(A) (2) Notifications.—Shri Benoy Kumar Ghosh, an officiating Audit Officer of the Posts and Telegraphs Audit Office, Calcutta has retired from service w.e.f. 31-12-1979 (A.N.), on superannuation.

O.O. No. ADMN. III-585 23(A) (2) Notifications.—Shri S. Thiagarajan a substantive Audit Officer of the Posts and Telegraphs Audit Office, Nagpur has retired from service w.e.f. 31-10-1979 (A.N.), on superannuation.

O.O. No. ADMN. III-588 23(A) (2) Notifications.—S/Shri A. C. James and K. S. Srinivasan, substantive Audit Officers of the Posts and Telegraphs Branch Audit Office, Madras and Bangalore respectively retired from service w.e.f. 31-8-1979 (A.N.), on superannuation.

T. K. SANYAL, Dy. Director of Audit (HQRS)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT
DEFENCE SERVICES

New Delhi, the 3rd June 1980

No. 914/A. Admn/130/79-80.—The Director of Audit, Defence Services, is pleased to appoint Shri R. Sundaram, substantive member of S.A.S., to officiate as Audit Officer, in the office of the Joint Director of Audit, Defence Services, Central Command, Meerut, with effect from 12-5-80 (F.N.), until further orders.

A. P. SINHA
Joint Director of Audit

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF
DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110022, the 26th May 1980

No. 68018(2)/71-AN-1.—The President is pleased to appoint the undermentioned officers (on deputation as noted against each) of the Indian Defence Accounts Service, to officiate in the Junior Administrative Grade (Rs. 1500—60—1800—100—2000) of the service, until further orders with

effect from the dates shown against each name, under the 'Next Blow Rule':

1. Shri R. NARAYANAN—24-1-1980—Deputy Secretary, Department of Agriculture, Min. of Agriculture & Irrigation, New Delhi.
2. Smt. M. RAJESHWARI NATH—01-4-1980—Deputy Secretary, Ministry of Defence, New Delhi.

The 29th May 1980

No. 71019(11)/79/AN-L.—On the basis of the results of the combined competitive examination held by the Union Public Service Commission in 1978, the President is pleased to appoint the following individual as Probationer in the Indian Defence Accounts Service with effect from the date shown against him:

Name and Date of appointment.

Shri SUDHANSU SEKHAR MOHANTY—14-01-1980.

K. P. RAO

Addl. Controller General of Defence Accounts (AN)

MINISTRY OF DEFENCE
ORDNANCE FACTORY BOARD
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

CORRIGENDUM

Calcutta, the 27th May 1980

No. 30/G/80.—The President is pleased to appoint the undermentioned officer as Offg. General Manager, Gr. I under "Next Below Rule" with effect from the date shown against him until further orders:

Shri J. C. Marwaha, 4th January, 1974.
Permt. Dy. General Manager (Under "Next below rule")

This cancels. G.N. No. 32/74/G, dt. 15-7-74.

No. 31/G/80.—Entries against serial No. 2 in the Gazette Notification No. 72/G/78, dt. 3-11-78 may be substituted as under:

Shri J. C. Marwaha, 20th July, 1978
Permt./GM Gr. I (Under "Next below rule")

DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES

No. 32/80/G.—On expiry of 4 days Farned Leave granted from 28-12-1979 Shri N. A. Bhatt, Offg. Assistant Manager (Subst. & Permt. Foreman), retired voluntarily from service w.e.f. 31-12-1979 (A/N).

V. K. MEHTA
Assistant Director General,
Ordnance Factories

MINISTRY OF INDUSTRY
DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 23rd May 1980

No. 12(212)/61-Admn.(G).—Consequent upon his reversion from deputation as Director of Industries, Andaman & Nicobar Administration, Shri J. N. Bhakta has assumed charge of the post of Deputy Director (Metallurgy) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi on the forenoon of 12th May, 1980.

The 2nd June 1980

No. 12/641/70-Admn.(G).—Consequent upon his return from deputation with Govt. of Mauritius under I.P.E.C. Programme and Icavo, Shri C. R. Shivprasad assumed charge of the post of Deputy Director (Mechanical) in Small Indus-

tries Service Institute, Bangalore in the forenoon of 12th May, 1980.

M. P. GUPTA
Deputy Director (Admn.)

DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 21st May 1980

No. E. 11(7).—In this Department's Notification No. E. 11(7) dated the 11th July, 1969, under Class 3 Division 1, add "BARBARYT N-55—Polish Make provisionally upto 12-5-1981 for use in underground Coal/Gassy Mines" after the entry "BALLISTITE".

I. N. MURTY
Chief Controller of Explosives

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES &
DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-I, the 19th May 1980

No. A-1/3(26).—The President is pleased to appoint Shri Devki Mohan, Dy. Director of Supplies (Grade II of the Indian Supply Service, Group 'A'), to officiate on regular basis, as Director of Supplies (Grade I of the Indian Supply Service, Group 'A') in the Directorate of Supplies (Textiles), Bombay with effect from the forenoon of 15-2-1980.

Shri Devki Mohan will be on probation for 2 years from 15-2-1980.

The 23rd May 1980

No. A-1/1(1107).—The Director General, Supplies & Disposals hereby appoints Shri Jaishi Ram, Junior Progress Officer in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi to officiate on ad-hoc basis as Assistant Director (Grade II) in the same Dte. General at New Delhi with effect from the forenoon of 15-5-80.

The 24th May 1980

No. A-1/1 (1044).—On his reversion to the post of Junior Progress Officer, Shri Balbir Singh, officiating Assistant Director (Grade II) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi relinquished charge of his post on the afternoon of 14-5-1980.

No. A-1/1 (1158).—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints Shri H. N. Samadder, Superintendent in DS&D, Calcutta to officiate as Assistant Director (Admn.) (Grade II) on ad-hoc basis in the office of the Director of Supplies and Disposals, Calcutta with effect from the forenoon of 28-4-80 vice Shri K. C. Moitra, Asstt. Director (Admn.) (Gr. II) retired.

No. A-1/1 (1068).—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints Shri Surjit Singh Mago, Junior Progress Officer in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi to officiate on ad-hoc basis as Assistant Director (Grade II) in the same Directorate General at New Delhi with effect from the forenoon of 15-5-1980.

No. A-1/1 (1072).—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints Shri Hukam Singh, Junior Field Officer in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi, to officiate as Assistant Director (Grade II) on ad-hoc basis in the same Directorate General at New Delhi with effect from the forenoon of 15-5-1980.
19—116GI/80

No. A-1/1 (1155)/80.—Shri R. C. Jain, Asstt. Director (Grade II) in the office of the Director of Supplies & Disposals, Bombay has reverted to the non-gazetted post of Superintendent with effect from forenoon of 12-5-80.

The 26th May 1980

No. A-1/1 (274).—The President is pleased to appoint Shri Joginder Pal Mohindroo, Deputy Director of Supplies (Grade II of the Indian Supply Service, Group 'A') to officiate on ad-hoc basis as Director of Supplies (Grade I of the Indian Supply Service, Group 'A') in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi, with effect from the forenoon of 19-5-1980.

No. A-1/1 (645).—The President is pleased to appoint Shri R. C. Malik, Deputy Director of Supplies (Grade II of the Indian Supply Service, Group 'A') to officiate on ad-hoc basis as Director of Supplies (Grade I of the Indian Supply Service, Group 'A') in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi, with effect from the forenoon of 19-5-1980.

K. KISHORE,
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies and Disposals

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA

(KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 27th May 1980

No. 4132B/A-32013 (4-Driller) /78-19B.—The following Senior Technical Assistant (Drilling) in the Geological Survey of India are appointed on promotion to the post of Driller in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the date as mentioned against each, until further orders :—

Sl No.	Name	Date of joining
1.	Shri G. L. Babuta,—12-3-80 (FN)	
2.	Shri Krishna Chandra Das,—25-2-80 (FN)	

The 2nd June 1980

No. 4277B/A-19012 (Artist-HD) /80-19A.—Shri H. Dutta, Superintendent (D.O.), Geological Survey of India is appointed on promotion as Artist in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 17-4-80, until further orders.

V. KHRISHNASWAMY,
Director General.

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 17th March 1980

No. 1/-1/79-SII(Vol.II).—The Director General, AIR is pleased to appoint following Headclerks/Accountants to

officials as Administrative Officers in the pay scale of Rs. 650-960 with effect from the date at AIR Stations/Offices shown against their names :—

S. No.	Name	Date of apptt.	Officer where posted
1.	Sh. K. Ramaswami, IIC, AIR, Madras	30-7-79 (FN)	AIR, Tiruchirappalli.
2.	Sh. B. D. Mittal, Acctt. CBS, Bhopal	19-6-79 (FN)	Bhopal
3.	Sh. K. D. Lakhani, Acctt. Jaipur	30-8-79 (FN)	Bhuj
4.	Sh. K. Jayaraman, Acctt. Madras	30-7-79 (FN)	Imphal
5.	Sh. A. G. Badsvale, Acctt. Ahmedabad	31-7-79 (FN)	Rajkot
6.	Sh. S. B. Samant, Sr. Acctt, CSU CBS, Bombay	30-6-79 (FN)	Pune
7.	Sh. D. R. Tuli, HC, New Delhi	22-9-79 (FN)	HPT, Kingsway
8.	Sh. V. B. Sharma, Acctt. DGAIR,	2-7-79 (FN)	HPT, Khampur.

S. V. SESHADRI,
Dy. Director of Administration
for Director General.

New Delhi, the 3rd June 1980

No. 4(123) 75-SL.—Consequent on the acceptance of his resignation, Shri Nabha Sharma relinquished charge of the post of Programme Executive, All India Radio, Gauhati with effect from the afternoon of the 31st December, 1979.

MOHINDER SINGH,
Dy. Director of Administration.
for Director General.

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING
DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL
PUBLICITY

New Delhi, the 29th May 1980

No. A.12026/5/78-Est.—The Director of Advertising & Visual Publicity hereby appoints Shri R. P. Puri, Technical Assistant (Advertising) to officiate as Assistant Media Executive in this Directorate on ad-hoc basis with effect from the 15th May, 1980 vice Shri C. Abraham, Assistant Media Executive, granted leave.

The 30th May 1980

No. A.12025/1/79-Est.—The Director of Advertising and Visual Publicity hereby appoints Kumari Vasanti Ramnath Patil as Senior Artist in a temporary capacity with effect from the forenoon of 24th May, 1980, until further orders.

J. R. LIKHI,
Deputy Director (Admn.)
for Director of Advertising & Visual Publicity.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, 26th May 1980

No. A. 12025/15/78(HQ)Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri Jagit Singh., to the post of Architect in the Directorate General of Healthy Services, New Delhi in a temporary capacity with effect from the forenoon of 31st May, 1979 until further orders.

The 3rd June 1980

No. A. 12025/1/78(HQ) Admn I.—The President is pleased to appoint Shri Randhir Mandal to the post of Deputy Assistant Director General of Health Services, New Delhi with effect the afternoon of the 16th May, 1980 in a temporary capacity until further orders.

No. 17-2/79,Admn I.—Consequent on his appointment to the post of Extension Education Officer in the Ministry of Health & Family Welfare Shri S. C. Jain relinquished charge of the post of Health Education Officer (Primary Education) Central Health Education Bureau, Directorate General of Health Services, New Delhi on the afternoon of 2nd April, 1980.

S. L. KUTHIALA,
Dy. Director Administration (O&M)

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 30th May 1980

No. A.19023/58/78-A-III.—On the recommendations of the D.P.C. (Group 'B'), Shri S. B. Chakravarty, who is working as Marketing Officer (Group I) on ad-hoc basis has been appointed to officiate as Marketing Officer (Group I) on regular basis at Calcutta with effect from 24-5-80, until further orders.

The 3rd June 1980

No. A.19025/31/79-A-III.—On the recommendations of the D.P.C. (Group B), Shri R. Srinivasan, Senior Inspector, has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group III) in this Directorate at Cochin with effect from 19-5-80 (FN), until further orders.

The 4th June 1980

No. A. 19023/3/80-A-III.—On the recommendations of the D.P.C. (Group 'B'), Shri H. D. Srivastava, Assistant Marketing Officer, is appointed to officiate as Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Faridabad with effect from 24-5-80 (FN), until further orders.

2. Consequent on his promotion as Marketing Officer, Shri Srivastava relinquished charge of the post of Assistant Marketing Officer (Group I) at Faridabad in the forenoon of 24-5-80.

B. L. MANIWAR,
Director of Administration
for Agriculture Marketing Adviser to the Govt. of India.

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400 001, the 17th May 1980

No. DPS/4/1(5)/77-Adm/7706.—The Director, Directorate of Purchase & Stores, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri M. Banerjee, a permanent Storekeeper and officiating Assistant Stores Officer, in a substantive capacity against the permanent post of Assistant Stores Officer in the same Directorate with effect from April 1, 1980.

No. DPS/4/1(4)/77-Adm/7662.—The Director, Directorate of Purchase & Stores, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Shankar Pradhan, a permanent Purchase Assistant and officiating Assistant Purchase Officer, in a substantive capacity against the permanent post of Assistant Purchase Officer in the same Directorate with effect from May 1, 1980.

K. P. JOSEPH,
Administrative Officer.

Bombay-400 001, the 20th May 1980

Ref: DPS/23/1/79/Est:/7773.—The Director, Directorate of Purchase & Stores appoints Shri Karuvathil Raveendran,

Assistant to officiate as Assistant Personnel Officer on ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 in the same Directorate with effect from the forenoon of April 17, 1980 to the afternoon of May 17, 1980 vice Shri C. V. Gopalakrishnan, Assistant Personnel Officer granted leave.

B. G. KULKARNI,
Assistant Personnel Officer.

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500 016, the May 1980

No. AMD-1/31/78-Adm.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Dinesh Chandra Srivastava as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of May 13, 1980 until further orders.

The 28th May 1980

No. AMD-1/23/80-Recd.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy, hereby appoints Shri Mahesh Kumar Khendelwal, as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of May 1, 1980 until further orders.

No. AMD-1/23/80-Recd.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy, hereby appoints Shri Deep Jagdish Shankar as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of May 5, 1980 until further orders.

No. AMD-1/23/80-Adm.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Ashok Kumar Pani as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of May 1, 1980 until further orders.

M. S. RAO,
Sr. Administrative & Accounts Officer.

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 2nd May 1980

ORDER

Ref: NFC/PA.IV/ZSP/R-321/1129.—WHEREAS Shri K. Rama Rao, while functioning as Helper (B) in NFC, applied for and has been sanctioned leave from 7-1-80 to 19-1-80;

AND WHEREAS the said Shri Rama Rao did not resume duty on 20-1-80 on the expiry of his leave, but remained absent unauthorisedly;

AND WHEREAS the competent authority decided that Shri Rao should be asked to resume duty immediately and a com-

munication was sent to him directing Shri Rao to report for duty immediately vide telegram dated 29-3-80.

AND WHEREAS the post confirmation copies of the telegram sent by Regd. post Acknowledgement due to the last known addresses, viz, (1) H. No: 1-8-607/71, Achaaiah Nagar, Hyderabad and (2) H. No: 12-1-1019, Old Mallapally, Hyderabad-1 were returned undelivered with the following remarks:

Envelope addressed to :
H. No : 12-1-1019, Old Mallapally, } "Party Left"
H-dcrabad-500001.

Envelope addressed to :
H. No. : 1-8-607/71, Ach. i. hn: g: r, } "Left"
Hyder. bad

AND WHEREAS the said Shri Rao has continued to remain absent and failed to inform the Nuclear fuel Complex, of his whereabouts;

AND WHEREAS the said Shri Rao has been guilty of voluntarily abandoning services;

AND WHEREAS because of his abandoning services without keeping NFC informed of his present whereabouts, the undersigned is satisfied that it is not reasonably practicable to hold an enquiry as provided in para 41 of NFC standing orders and/or Rule 14 of the CCS (CCA) Rules, 1965;

AND NOW; THEREFORE, the undersigned in exercises of the powers conferred under para 42 of the NFC Standing orders read with DAE order No:22(1)/68-Admn, dated 3-12-1970 and/or rules 19(h) of CCS (CCA) rules 1965 hereby removes the said Shri Rama Rao from services with immediate effect.

P. UNNIKRISHNAN,
Senior Administrative Officer.
Shri K. Rama Rao, (2) Shri K. Rama Rao,
H. No. 12-1-1019, Old H. No. 1-8-607/71,
Mallapally, Hydrabab-500001. Achaaiahnagar, Hyderabad.

Hyderabad-500 762, the 30th May 1980

No. PAR:0704/2871.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri A. Chennakesava Rao, an industrial temporary Upper Division Clerk to officiate as Assistant Personnel Officer, on adhoc basis in Nuclear Fuel Complex, from 28-5-1980 to 26-6-1980, vice Shri K. Ramachandran, Asst. Personnel Officer, proceeded on leave.

P. S. R. MURTY,
Administrative Officer.

MADRAS ATOMIC POWER PROJECT
Kalpakkam, 603 102, the 3rd May 1980

No. MAPP/18(108)/80-Recd:4627.—The Chief Project Engineer, Madras Atomic Power Project is pleased to appoint the following Scientific Assistants 'C' Supervisors of this Project to the grades mentioned against each, in the same Project, in a temporary capacity with effect from the forenoon of February 1, 1980 until further orders:—

S. No.	Name	Present Gr. de	Gr. de to which appointed
1.	Shri K. S. Div. kar. n	Scientific Assistant 'C'	Scientific Officer/ Engineer 'SB'
2.	Shri G. Penneerselvam	—do—	—do—
3.	Shri A. Mehboob Sheriff	—do—	—do—
4.	Shri S. Phukasam	—do—	—do—
5.	Shri S. Anthony Crouse	—do—	—do—
6.	Shri S. M. Kadar Mohideen	—do—	—do—
7.	Shri K. Nageswara Rao	—do—	—do—
8.	Shri Nagoji Rao	Supervisor	—do—
9.	Shri M. Hari Bbu	—do—	—do—

(N. V. Ramaran)
Administrative Officer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION

INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 27th May 1980

No. A38019/1/L.I.—The undermentioned officers of India Meteorological Department retired from the Govt. service on the dates mentioned against their names on attaining the age of superannuation.

S. No.	Name	Designation	Date on which Officer retired
1.	Shri B. B. Huddar	Meteorologist Gr. I	31.12.1979 (AN)
2.	Shri T. Visweswudu	Assistant Meteorologist	31.12.1979 (AN)
3.	Shri N. Suryanarayana	Assistant Meteorologist	31.12.1979 (AN)
4.	T. R. Narayan	Assistant Meteorologist	31.12.1979 (AN)
5.	Shri R. M. zumdar	Assistant Meteorologist	31.12.1979 (AN)
6.	Shri B. M. Mukherjee	Assistant Meteorologist	31.12.1979 (AN)
7.	Shri S. H. Joglkar	Assistant Meteorologist	31.12.1979 (AN)

K. MUKHERJEE,
Metorologist

for Director General of Meteorology

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 29th May 1980

No. A32013/6/80EA.—The President has been pleased to appoint Shri S. C. Joshi, Aerodrome Officer to the grade of Senior Aerodrome Officer, on purely *ad-hoc* basis, in the leave vacancy of Shri Panna Lal, Senior Aerodrome Officer, Civil Aerodrome, Lucknow, granted earned leave for 50 days with effect from the 24th May 1980.

V. V. JOHRI
Dy. Director of Admn.

New Delhi, the 26th May 1980

No. A.32014/1/79-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri K. G. Bhalla, Store Assistant, as Store Officer (Group 'B' post) on *ad hoc* basis in the office of the Regional Director, Bombay Region, Bombay, with effect from the forenoon of the 29th April 1980 until further orders.

N. A. P. SWAMY
Asstt. Director of Administration

New Delhi, the 31st May 1980

No. A.32013/4/80-EC.—In continuation of this Department Notification number A.32013/10/79-EC, dated the 12th May 1980, the President is pleased to appoint Shri Suresh Chandra who is at present working as Assistant Director of Communication, DGCA (HQ) on *ad-hoc* basis to the grade of Assistant Director of Communication on regular basis with effect from 16th May 1980 and until further orders and to post him in the same office.

No. A.39012/3/80-EC.—The President is pleased to accept the resignation of Shri D. N. Tripathi, Technical Officer in the Office of the Director, Radio Construction and Development Units, New Delhi from Government service with effect from 5th April 1980 (AN).

R. N. DAS
Assistant Director of Administration

VANA ANUSANDHAN SANSTHAN EVAM MAHAVIDYALAYA

Dehra Dun, the 29th May 1980

No. 16/296/77-Ets-I.—The resignation tendered by Shri Tapas Chandra Maiti from his appointment as Research

Officer has been accepted by the President, FRI & Colleges, with effect from the afternoon of 26th February 1980.

R. N. MOHANTY
Kul Sachiv

Vana Anusandhan Sansthan Evam Mahavidyalaya

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS

Patna, the 2nd June 1980

No. II(7)2-ET/79/3582.—In pursuance of this Office Establishment Order No. 361/79 dated 19th November 1979, the following Office Superintendents on promotion to officiate as Administrative Officer/Assistant Chief Accounts Officer/Examiner of Accounts, Central Excise and Customs, Group 'B' have assumed charge as Administrative Officer/Assistant Chief Accounts Officer/Examiner of Accounts in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- plus usual allowances as admissible under rules at the places and with effect from the date and hour as indicated below against each :—

Name of Officer.	Place of Posting.	Date of assumption of charge.
------------------	-------------------	-------------------------------

1. Shri A. L. Seha.	Examiner of Accounts, Central Excise, Patna.	20-11-79 (F.N)
2. Shri N.K.D. Gupt.	Administrative Officer, Customs Forbesganj.	28-1-80 (F.N)

D. P. ARYA

Collector
Central Excise, Patna

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)
COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Kirloskar Bearing Limited

Bombay, the 28th March 1980

No. 13055/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Kirloskar Bearing Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. C. GUPTA
Asstt. Registrar of Companies
Maharashtra, Bombay

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Dharam Chit Funds Private Limited

Bangalore, the 28th May 1980

No. 1793/560/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Dharam Chit Funds Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Hanumanthanagar Construction Company Private Limited

Bangalore, the 28th May 1980

No. 1794/560/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Hanumanthanagar Construction Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Carded Silvers Private Limited

Bangalore, the 28th May 1980

No. 1940/560/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Carded Silvers Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Filter rods Private Limited

Bangalore, the 28th May 1980

No. 1941/560/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Filter rods Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Veesons Fastners Limited

Bangalore, the 28th May 1980

No. 2576/560/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Veesons Fastners Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Kishi Aid Private Limited

Bangalore, the 28th May 1980

No. 2796/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Kishi Aid Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Sonhind Enterprises Private Limited

Bangalore, the 28th May 1980

No. 3011/560/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Sonhind Enterprises Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

P. T. GAJWANI
Registrar of Companies
Karnataka, Bangalore

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Anant Chit Fund & Financiers Private Limited

Jullundur City, the 30th May 1980

No. G/Stat/560/2931 3370.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Anant Chit Fund & Financiers Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Arti Chit Fund & Finance Company Private Limited

Jullundur City, the 30th May 1980

No. G/Stat/560/3156/3372.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Arti Chit Fund and Finance Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Kailash Financiers Private Limited

Jullundur City, the 30th May 1980

No. G/Stat/560/2403/3375.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Kailash Financiers Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Bee Gee Standard Tools Private Limited

Jullundur City, the 30th May 1980

No. G/Stat/560/2279/3377.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Bee Gee Standard Tools Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Beas Chit Fund & Financiers Private Limited

Jullundur City, the 30th May 1980

No. G/Stat/560/2857/3379.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Beas Chit Fund & Financiers Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of New Chopra Chit Fund and Financiers Co. Private Limited

Jullundur City, the 30th May 1980

No. G/Stat/560/2743/3382.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of New Chopra Chit Fund & Financiers Co. Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Hayerco Electronics Private Limited

Jullundur City, the 30th May 1980

No. G/Stat/560/3257/3384.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Hayerco Electronics Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Padam Sales Private Limited*

Jullundur City, the 2th June 1980

No. G/Stat/560/3393.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Padam Sales Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

N. N. HAULIK
Registrar of Companies,
Punjab, H. P. & Chandigarh.

*Notice Under Section 445(2) of the Companies Act, 1956
—in the matter of M/s. Marauti Ltd.*

New Delhi, the 27th May 1980

No. Co. Lign.5660/10962.—By an order dated the 6th March, 1978 of the Hon'ble High Court of Punjab and

Haryana Chandigarh M/s. Maruti Limited has been ordered to be wound up.

S. P. VASHISHTHA,
Asstt. Registrar of Companies,
Delhi & Haryana.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Apeejay Steamship Company Limited*

Calcutta, the 2nd June 1980

No. 24505/560(5).—Notice is hereby given pursuant to Sub-section(5) of section 560 of the companies Act, 1956, that the name of the Apeejay Steamship Company Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

N. R. SIRCAR
Asstt. Registrar of Companies,
West Bengal.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 13th May 1980

Ref. No. 982-A/P N./Kanpur/79-80 —Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,
being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kanpur on 21-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri D. N. Kapur
D/17 Shankar Nagar Chauraha Nirmala nagar,
Lucknow
(Transferor)
- (2) Shri Gopal Narain Misra, r/o
3/1 site No 1, Kidwainagar, Kanpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 155 Block 'O' Scheme No. II measuring 356 Sq. Yds. situated in Kidwainagar, Kanpur.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-5-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th May 1980

Ref. No. 979-A/Kanpur/79-80—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kanpur on 24-9-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Krishnawati, W/o
Shri Nanak Chandra, R/o
118/244, Kaushalpuri, Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Raghunj Singh, S/o
Shri Prayag Dutt, R/o
126/31, H-Block, Govind Nagar,
Kanpur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A House Property bearing 126/31, H-Block situated at Govind Nagar, Kanpur.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asst Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-5-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 6th May 1980

(1) Shri Bhawani Shanker Sharma Adopted S/o
Shri Ghansi Ram Paliwal, R/o
Mangalwara Hoshangabad,
Distt : Hoshangabad.

(Transferor)

(2) S/Shri Ishwar Dass, Gagan Dass,
Devi Das and Kishan Chand S/o
Shri Daryanmal, R/o
238/3, Jhokhan Bagh, Civil Lines,
Jhansi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. 557/Acq/Jhansi/79-80.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
number as per Schedule situated at as per Schedule
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Jhansi on 27-9-1979
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957);

An Immovable Property bearing Khata Khewat No. 454
Municipal No. 208/3, total measuring 8100 sq. ft. situated at
Civil Lines, Jhansi.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the
said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :
20—116GI/80

Date : 6-5-1980,
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th May 1980

Ref. No. 489/Acq/Jhansi/79-80.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jhansi on 1-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Prithvi Nath Saxena, Advocate S/o
Shri Mahabir Pd., R/o
58, Panchkuyan, Jhansi.

(Transferor)

(2) Shri Ram Swaroop, S/o
Shri Bajnath, R/o
Saria, Teh. Karera, Distt. Shivpuri,
Narendra Kumar, S/o
Shri Babu Lal, R/o
Jhokan Bagh, Jhansi,
Shri Rameshwar Pd., S/o
Shri Bajnath,
Ramgurthaipura, Jhansi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Banglow bearing 122 situated at Civil Lines, Jhansi,

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 6-5-1980.

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Jaipal
S/o Shri Gauri Singh
R/o 80-C, Tilak Road, Dehradun.

(Transferor)

(2) Smt. Rukmani Rani Jain
W/o Shri Naresh Chandra Jain
R/o Pipal Mandi, Dehradun.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd May 1980

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. 1042-A/Dehradun/79-80 —Whereas, I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dehradun on 28-9-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A Double storied House bearing No. 80-C measuring 124 sq. mtr. situated at Tilak Road, Dehradun.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-5-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd May 1980

Ref. No. 1011-A/M.Nagar/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 24-9-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ratan Lal
 S/o Shri Munna Lal Gupta
 R/o Kathi Kuwan Park, Muzaffarnagar.
 (Transferor)

(1) Shri Dharmendra Singh
 S/o Shri Biratpal Singh,
 Smt. Biremati
 W/o Shri Dharmendra Singh
 R/o H. No. 201, Civil Lines Northern
 PARG : & Distt. Muzaffarnagar.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Plot measuring 486 sq. yds. situated at Mohalla : Civil Lines, Muzaffarnagar.

B. C. CHATURVEDI,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Kanpur

Date : 2-5-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 25th April 1980

Ref. No. 533/Acq/Firozabad/79-80.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Firozabad on 26-9-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) S/Shri Punjabi Lal Sunhari Lal and Ram Prasad S/o Shri Todi Ram Yadav R/o Vill. Mauja, Modha, Teh. Firozabad, Distt. Agra.

(Transferor)

(2) Shri Ratan Lal
S/o Lala Phool Chand and
Shri Murari Lal
S/o Lala Sukhlal
R/o Mohalla Duli Firozabad,
Distt. Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

THE SCHEDULE

An Agricultural Land bearing No. 207 measuring 5 Bigha and 10 biswa situated at Mauja Modha, Teh. Firozabad, Distt. Agra.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-4-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 260D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

(1) Shri Shafi Mohammad
S/o Shri Ukahvakf,
R/o Mauja Umanior, Parg & Teh. Rath,
Distt. Hamirpur.
(Transferor)

(2) S/Shri Asgar & Niyamat (Balig), Shri Rahmat &
Hashmat (Nabalig) all sons of Shri Noor Mohammad
r/o Jarakhar, Parg : Teh : Rath, Distt. Hamirpur.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Kanpur, the 5th April 1980

Ref. No. 559/Acq/79-80.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI
being the Competent Authority under Section 269B,
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason
to believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
number as per Schedule situated at as per Schedule
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Rath on 10-9-1979
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

An Agricultural Land measuring 12-10 Acres situated at Maujal Umanier Parg : & Teh : Rath, Distt. Hamirpur.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 5-4-80
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS

(1) S/Shri M/s. Yogi Brothers, Primier Nagar, Aligarh through Shri Madan Lal S/o Lala Salig Ram, Katra Aligarh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S/Shri Surendra Kumar, Dinesh Kumar S/o Shri Chiman Lal, Meris Road, Aligarh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 11th April 1980

Ref. No. 805/Acq/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Aligarh in 28-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

One House Property bearing 19/27-A situated at Primier Nagar, Aligarh.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Kanpur

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 11-4-80.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Surendra Kumar Bansal, Vishnupuri, Aligarh.
(Transferor)

(2) Smt. Chandra Vati W/o Shri Kirpal Singh, Vishnupuri, Aligarh.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3rd April 1980

Ref. No. 520/Acq/Aligarh/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Aligarh on 28-9-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Residential House measuring 662.94 sq. mtr. situated at Vishnupuri, Aligarh.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Kanpur

Date : 3-4-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) S/Shri Chet Ram S/o Chhalera Bangar, Post : Barela,
Parg : & Teh : Dadari, Distt : Ghaziabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st April 1980

Ref. No. 1007-A/Dadari/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadari on 18-9-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural Land measuring 476/6-6-10 Chhalera Bangar, Parg : & Teh : Dadari, Distt : Ghaziabad.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
21-116GT/80

Date : 1-4-80.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 9th May 1980

Ref. No. 593/Acq/Agra/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 10-9-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) S/Shri G. S. Kumar S/o Shri G. V. Subbarao R/o 24, Kirala Land Lallavali West Baglore self and as Attorney St. G. Ratan Kumari, The Wife.
(Transferor)
- (2) S/Shri C. Elhir S/o Late S. Elhir, 6/1, North Edgah Colony, Agra.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 51/10-0-V-7, situated at West-Arjun Nagar, Loha Mandi Ward, Agra.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-5-1980.
Seal :

FORM ITNS

(1) S/Shri L. Co., A. G. Singh s/o Late Shri M. G. Singh Saket Meerut City.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S/Shri Dhirendra Prakash Agarwal s/o Shri Om Prakash Agarwal, Jainnagar, Meerut City.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 13th May 1980

Ref. No. 926A/Meerut/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Meerut on 1-9-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Plot No. 77 D area 918 Sq. Ft. situated in Saket Meerut.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-5-1980.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 9th May 1980

Ref. No. 812/Acq/Mathura/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule and situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mathura on 21-9-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Manish Agarwal S/o Mahesh Chandra and Bilayat Mother Smt. Mira Agarwal R/o Chand Mari Chowki, Mathura.

(Transferees)

(2) S/Shri Rai Saheb Dau Dayal Gupta S/o Shri Laxmi Narain, Gaya Prasad S/o Shri Badri Dassji, Ram Niwas S/o Badri Dass, Pooran Kishore S/o Khyal Ramji, Mohan Lal S/o Lala Srinath Dass, Krishan Lal and Kishan Chandra S/o Shri Babu Lal and Ramesh Chandra and Shri Vihan Chand S/o Shri Babu Lal R/o Hall Bombay, Roop Kishore, Advocate Mukhtar-a-am Surajbhan and Tara Chandra S/o Giranjmal R/o Hall Farrukhabad and Shri Surajbhan Mukhtar-a-am and Sambhu Nath S/o Shri Giranjmal and Harimurari S/o Shri Giranjmal R/o Sadar Bazar, Mathura.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Immovable Property situated at Mohal Baramad Chhawni Mathura under Cantonment Area Mathura.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 9-5-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) S/Shri Mannumal S/o Shri Shambhumal R/o Labou Colony, Firozabad Agra
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 9th May 1980

Ref No. 538/Acq/Firozabad/79-80—Whereas I, B C CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No as per schedule situated it as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Firozabad on 28.5.79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Mithilesh Kumar D/o Shri Ballabh, Aasha Devi D/o Prabhu Dayal and Mina Kumari D/o Gyan Chandra and Madhu Rani D/o Lala Ram Babu R/o Firozabad, Agra
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

An Immovable Property measuring 3557 Sq Ft situated at Chowbeji Bagh, Firozabad, Distt. Agra

B C CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 9.5.80.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,
KANPUR**

Kanpur, the 9th May 1980

Ref. No. 1036/Acq/Dehradun/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 22-9-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Brdg Subhandu Ganguli S/o Late R. B. Dr. Satyendra Nath Ganguli R/o Roop Sagar Batamasia Baldiyanath, Deoghar, P.O. (S.P.) Bihar new at 31 Kaulagarh Road, Dehradun.
(Transferor)

(2) Shri Kesho Lal,
Ram Kumar S/o Shiam Lal of 12 Arhat Bazar, Dehradun.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 29, measuring 800 Sq. Mts. situated at Rajendra Nagar Colony, Dehradun.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 9-5-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 9th May 1980

Ref. No. 1039-A/Dehradun/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dehradun on 26-9-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Dilawal Kripal Chet Singh S/o Late Shri R. M. Chet Singh and Shri Rajan Christodas Chet Singh S/o Late Shri R. M. Chet Singh R/o 194, 1, Rajpur Road, Dehradun.

(Transferors)

(2) Shri Xavier S/o Shri Chandy and Mrs. M. Xavier wife of Shri Xavier Both R/o Mission Hospital Anantnag J & K.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 194/A/1 together with land area 973.78 sq. mts. situated at Rajpur Road, Dehradun

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 9-5-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE,
KANPUR**

Kanpur, the 9th May 1980

Ref. No. 546/Acq/Agra/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURBEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Farrukhabad on 12-9-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Dulari W/o Shri Laxmi Narain Tandon, Balram Tandon, Shusbila Tandon S/o & D/o Shri Laxmi Narain Tandon, Smt. Renu Tandon W/o Shri Rajeev Arora R/o Khatana Hall Shehjahanpur Post: Baksaria, Distt: Farrukhabad.
(Transferors)

(2) Smt. Gyan Wati W/o Shri Kishan Narain, Smt. Shanti Devi W/o Shri Swami Dayal R/o Mohalla: Now Nikunj, Farrukhabad.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

At House Property bearing No. 5/16 situated at Nehru Road Katra Ahmedganj, Farrukhabad.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Kanpur

Date 9-5-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Suresh Chand S/o Shri Sultan Singh R/o Baraut, Post : Baraut, Teh : Bhagpat Dist : Meerut.
 (Transferor)

(2) Ashok Kumar, Anil Kumar, Arun Kumar and Alok Kumar s/o Atar Sen, Manish Kumar and Sachin Kumar S/o Adish Kumar R/o Kazihpur Putti Baraut, Teh : Baghpur Dist : Meerut.
 (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE,
 KANPUR

Kanpur, the 9th May 1980

Ref. No. 1003-A/Baghpat/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURBEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the Immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 25-9-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A House Property measuring 402 sq. yds. situated at Baraut, Teh : Baghpur, Distt : Meerut.

B. C. CHATURVEDI
 Competent Authority
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
 Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
 22—116GI/80

Date : 9-5-1980
 Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Rajeshwar Bhon S/o Shri Sunder Lal R/o Mohalla : Sadhwara, Distt : Farrukhabad.
(Transferor)

(2) Shri Durgesh Chandra (Nabalig) adopted son of Shri Brij Nandan Lal R/o Nainpur, Parg : & Teh : & Distt : Farrukhabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 9th May 1980

Ref. No. 829/Acq/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Farrukhabad on 24-9-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

An Urban Property measuring 933 sq. rods situated at Nav-Nikuj, Farrukhabad.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore in pursuant of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-5-1980

Seal :

FORM TTNS—

(1) Shankar Lal S/o Shri Ram Prasad R/o 162/1
Mohalla Inta Rani, Bulandsahar.
(Transferor)

(2) Smt. Veena Shukla w/o Shri V. K. Shukla R/o
Mohalla Lekhraj Nagar, Aligarh 3/4th part, Distt.
Aligarh, Smt. Shanti Misra w/o Shri Naresh Chand
Misra R/o Bulandsahar 1/4 part Bulandsahar
Mohalla Babu Pura.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 13th May 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid person, within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot 650 Sq. Yds. containing three rooms and 1 Tin road covered area of 100 Sq. Yds.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-5-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Dr. Swaraj Singh Mathur S/o Prabhu Shanker Mathur R/o 84-E, Sector 14, Chandigarh.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Asha Devi W/o Girraj Kishore and Smt. Uma Devi W/o Shri Vijay Kumar R/o Luhan Gali, Agra.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR**

Kanpur, the 9th May 1980

Ref. No. 807/Acq/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Agra on 15-9-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property (Double storey) bearing No. 30/12, situated at Pipal Mandi, Agra.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 9-5-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 9th May 1980

Ref. No. 1041-A/Dehradun/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at a Dehradun on 27-9-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Pritam Singh S/o S. Bhagwan Singh, R/o Subhash Nagar, Teh. Distt. Dehradun. (Transferor)
- (2) Shri G. N. Semwal S/o Shri P. Ganga Ram, R/o 208, Vasant Vihar, Dehradun. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 251 & 252 measuring 2400 sq. ft. situated at Subhashnagar, Dehradun.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-5-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Tika Randhir Singh through Shri S. R. Kochar Mukhtar of 4 Neshvila Road, Dehradun
(Transferor)

(2) Shri Pratap Chand S/o Shri Jai Ram Dass of E-86, Amar Colony, Lajpat Nagar IV, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 7th May 1980

Ref. No. 1041/Dehradun/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 26-9-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that Property comprising land measuring 7513 sq. ft. with building standing thereon part of 30 Rajpur Road, Dehradun.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-5-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Asha Rani Agarwal W/o Shri Laxmi Narain Agarwal,
R/o. 12/255, Civil Lines, Kanpur.
(Transferor)

(2) Ram Ganga Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd.,
7/171-B, Swaroop Nagar, Kanpur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th May 1980

Ref. No. 985-A/Kanpur/79 80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PFR SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kanpur on 20-9-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural Land Chuck No. 9 and Plot No. 599 & 602 situated at Vill. Bagdodhi Kachhar Pargahi Kachhar, Teh. and Distt. Kanpur.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 6-5-1980

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Smt. Asha Rani Agarwal W/o Shri Laxmi Narain Agarwal,
R/o. 12/253, Civil Lines, Kanpur.
(Transferor)

(2) Ram Ganga Sahkari Grah Nirman Samiti Ltd.,
7/171-B, Swaroop Nagar, Kanpur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 6th May 1980

Ref. No. 987-A/Kanpur/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 19-9-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land bearing No. 599 & 602, situated at Vill. Bagdodhi, Parg. : Kachhar, Teh. and Distt. Kanpur, Distt. Kanpur.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 6-5-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Smt. Veeran Wali w/o S. Gurdit Singh,
17-8 11/3, Fiathfull Ganj, Kanpur.
(Transferor)

(2) Shri Vajir Chand Malhotra S/o Shri Davil Ditta
Malhotra,
126/0/3, Govind Nagar, Kanpur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASST'T COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th May 1980

Ref. No. 981-A/Kanpur/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEUDULE, situated at AS PER SCEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Kanpur on 21-9-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCEDULE

A Open Plot bearing 13, Block-P Scheme No. 1 measuring 533 sq yds. situated at Govind Nagar, Kanpur.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
23—116GI/80

Date : 6-5-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Bans Gopal S/o Shri Baldev,
R/o Jugaipur, Majara Mauja, Gangapur, Parg. and
District Kanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVFRNMENT OF INDIA

(2) Shri Yadavendra Sahkari Guh Nirman Samiti Ltd.,
128/51-G, Kidwai Nagar, Kanpur through Shri Jagdev Singh Yadav.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Kanpur, the 6th May 1980

Ref. No. 975-A/Kanpur/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 25-9-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of an income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land bearing No. 28, 30 and 31 measuring 4111/3, situated at Gangapur, Parg. and Distt. Kanpur.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 6-5-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Nankoo S/o Shri Kheman,
R/o Karampur, Parg. and Distt. Kanpur.
(Transferor)

(2) Shri Jagdev Singh Yadav, Secretary of Yadvendra
Sahkari Grh Nirman Samiti Ltd., 128/51-G
Kidwai Nagar, Kanpur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th May 1980

Ref. No. 976-A/Kanpur/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. AS PER SCHFDULE situated at AS PER SCHEQUE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 25-9-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land bearing No. 413/2, 415/1 and 350 situated at Budhpur and bearing No. 2, 15, 7 situated at Gangapur, Teh. and Distt. Kanpur.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-5-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 6th May 1980

Ref No 977-A/PN/Kanpur/79-80 —Whereas, I B. C.
CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No AS PER SCHFDUI F situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Kanpur on 25-9-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Bhawani and Naram S/o Shri Manohar, R/o Jaggee, Post Gangapur, Parg and Distt. Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Jagdev Singh Yadav, Secretary of Vadvendra Sahkari Grah Nirman Samiti Ltd., 128/51 G Kidwai Nagar, Kanpur.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land bearing No. 38, 34, 37 situated at Mauja Gangapur, Parg. and Distt. Kanpur

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 6 5 1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 13th May 1980

Ref. No. 1005-A/P.N./Dadri/79-80/GZB.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCH'DULF situated at AS Pt R SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dadri on 28-9-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri M. Bandarajan S/o Shri O. K. Madhuley, R/o Sanyukt Suchiv Bharat Sarkar Petroleum and Rasayan Mantralaya, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Naresh Juneja S/o Shri B. S. Juneja 24/151, Vikrami Bihar Lajpat Nagar New Delhi and G.D. Mehta S/o Shri B. D. Mehta, 3B/2 Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. C-5 measuring 780.39 sq. mtr. situated in Chandra Nagar Colony, Ghaziabad.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 13-5-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Zahui Fatima w/o Sayad Mohd Saeed (Late),
R/o V. Navedi Pargana and Distt. Muzaffarnagar.
(Transferor)

(2) Smt. Angoori Devi w/o Shri Roshan Lal,
R/o Saharanpur Mohalla Pir Shah Hasan Chisti.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX****ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 13th May 1980

Ref. No. 1013-A/P.N./M. Nagar/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 22-9-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1951 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 16(b), 16(l) situated in Mohalla Bakdar Qassawan Maruf Moti Bazar, Muzaffarnagar

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 13-5-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt Krishna Kapur,
R/o Sethi Bhawan Ajan Nagar, Ghaziabad
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Lin Udyog Windsor House, P 14 Bentinck
Street Calcutta through its partner Mr. Raj
Kumar Jain
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 13th May 1980

Ref No 1068-A/Acq/Ghaziabad/1980—Whereas, I B C CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 28/9/79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Lease hold plot No 11-A/4 measuring 465 14 sq. mt situated in Nehru road, Ghaziabad

B C CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 13/5/1980

Seal

FORM ITNS

(1) Smt. Sudesh Behal W/o Shri S. K. Bahal,
R/c Delhi Road, Meerut,
(Transferor)

(2) (1) Smt. Kamal Chandra Chabra W/o Shri Shiv
Chandra,
(2) Kr. Santosh D/o Bodh Raj,
(3) Shri Shiv Chandra S/o Shri Bodh Raj,
R/o Baghpat Gute, Meerut.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 20th May 1980

Ref. No. 1000-A/Meerut/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Meerut on 27-9-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One House Property bearing No. 38 situated at Dashmesh Nagar, Meerut which was sold for Rs. 68,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 20-5-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 20th May 1980

Ref. No. 1017-A/Mawana/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHFDULE situated at AS PER SCHFDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mawana on 24-9-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
24—116G1/80

(1) Shri Virendra Prakash Kaushik S/o Shri Japdish Prakash Kaushik,
R/o Mohalla Kalyan Singh Kasba Mawana Kala, parg. Hastinapur, Distt. Meerut.

(Transferor)

(2) Smt. Prem Lata W/o Shri Bharat Bhushan and Smt. Hem Lata W/o Shri Prahlad Rai,
R/o Mohalla Heera Lal, Kasba Mawana Kala, Distt. Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A shop and House, bearing No. 424 measuring 179 sq. yds. situated at Mohalla Kalyan Singh, Kasba Mawana Kala, Distt. Meerut.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 20-5-1980
Seal :

FORM IINS

(1) Smt. Sudesh Behal W/o Shri S. K. Bahal,
R/o Delhi Road, Meerut.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 20th May 1980

Ref. No. 1000-A/Meerut/79-30.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PFR SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Meerut on 27-9-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Smt. Kamal Chandra Chabra W/o Shri Shiv Chandra, Kr. Santosh D/o Shri Bodh Raj, Shri Shiv Chandra S/o Shri Bodh Raj, R/o Baghpat Gate, Meerut.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One House Property bearing No. 38 situated at Dashmesh Nagar, Meerut which was sold for Rs. 68,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 20-5-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri S. Bose, 24, Tiruvottiyur High Road, Madras-81,
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Poppy, w/o Shri M. J. Pratabsingh, 46, Marisadoss
Street, Madras-13.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, Madras-600 006

Madras-600 006, the 5th May 1980

Ref. No. 38/SEP/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

19, situated at Tiruvottiyur High Road, Madras-81, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Royapuram, Madras. (Doc. No. 1335/79) on Sept. 79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Document No. 1335/79 S.R.O. Royapuram, Madras.
Land & Buildings at Door No. 19 (New.) Tiruvottiyur High Road. Madras-81.

O. ANANDARAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range -I.
Madras- 600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 5-5-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Manoramadevi Inamdar,
Shankaranagar, Raipur (M.P.).
(Transferor)

(2) M/s. Kauchan Co-op. Housing Society Ltd.,
Behind Laxmi Bhavan,
Dharampeth, Nagpur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, NAGPUR**

Nagpur, the 28th March, 1980

No. I.A.C./Acq./134/79-80. -Whereas, I, S. K. BILLAIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 389/0+3 (New, Division No. 8, Ward No. 70, situated at Dharampeth, Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 6th September, 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 389/0+3, (new) Ward No. 70, Division No. 8, Circle No. 20, Dharampeth, Nagpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

S. K. BILLAIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Date : 28-3-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, NAGPUR

Nagpur, the 27th March, 1980

No. I.A.C./Acq./133/79-80.—Whereas, I, S. K. BILLAIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No 292/0+3, Circle No. 20 situated at Dharampeth, Nagpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur, on 6-9-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) (a) Captain Madhukar Govind Purushe & Others, C/o Sqn. Ldr. Pradipkumar P. Purushe, Resident of Chandigarh.

(b) Vidarbha Premier Co-operative Housing Society Ltd., Nagpur. (Transferors)

(2) (a) Shri Krishnarao Gangaram Joshi and
(b) Shri Dipak Dinanath Joshi, Dhantoli, Nagpur.

(c) Vidarbha Premier Co-operative Housing Society Ltd., Nagpur. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 292/0+3, Dharampeth, Circle No. 20, Nagpur.

S. K. BILLAIYA
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 27-3-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, NAGPUR

Nagpur, the 26th March, 1980

Ref. No. I.A.C./Acq./132/79-80.—Whereas, I,S.K. BILLAIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 61, N.I.T. Market Area, situated at Gandhibagh, Nagpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 24-9-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Hiralal Suryakant Amge, and Shri Manohar Liladhar Amga, (Minor) through guardian Smt. Parvatibai Liladhar, Amge, Behind Itwari Post Office, Nagpur.

(Transferees)

(2) Shri Satyanarayan Banwarilal Mehdia, Plot No. 61, Gandhibagh, Nagpur, resident of Modi No.1, Sitabuldi, Nagpur

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 61, N.I.T. Market Area, Gandhibagh, Nagpur.

S. K. BILLAIYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Date : 26-3-1980.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NAGPUR

Nagpur, the 26th March, 1980

Ref. No. I.A.C./Acq./131/79-80.—Whereas, I, S.K. BILLAIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 526/0+4, Circle No. 16/22, Ward No. 32 (New), situated at Nagpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 5-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Rajendranath Ramlal,
Vidarbha Dayanand Bhavan,
Mangalwari Bazar,
Sadar, Nagpur.

(Transferee)

(2) Shri Gayadin Ramdin Gangotri,
Arya Samaj Hansapuri Mandir, Nagpur.
Shivpujan Ghanpat Malik, Lodhipura,
Nagpur.
Shri Shrawankumar Khunnalal Gaur,
Hansapuri, Chhoti Khadan, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 526/0+4, Circle No. 16/22, Ward No. 32 (New),
Chhoti Khadan, Behind Central Revenue Road, Nagpur.

S. K. BILLAIYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Nagpur,

Dated : 26-3-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati Anasabai,
W/o Gulabrao Dahake,
at : Gumgaon, Dist., Nagpur
(Transferor)

(2) Shri Gayaprasad Shicprasad Gupta,
Dalalpura, Hansapuri, Khedan
Nagpur
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, NAGPUR

Nagpur, the 25th March, 1980

No. I.A.C./Acq./130/79-80.—Whereas, I, S. K. BILLAIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Municipal House No 539/09B, Ward No. 35, situated at Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 28th September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Municipal House No. 539/09B, Ward No. 35, Circle No. 17/23, West Precinct, C. A. S. T., Central Back Road, Nagpur

S. K. BILLAIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Date : 24-3-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NAGPUR

Nagpur, the 25th March, 1980

Ref. No.I.A.C./Acq./129/79-80.—Whereas, I S.K. BILLAIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 114/0+1, Mehadia Chowk, situated at Dhantoli, Nagpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 4-9-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Prakash Ramkrishna Dange, through his attorney Smt Indirabai Ramkrishna Dange, Mehadia Chowk, Dhantoli, Nagpur.
(Transferor)
- (2) Smt. Saraswatibai Welhi Kothari, Mehadia Chowk, Dhantoli, Nagpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 114/0+1, Mehadia Chowk, Dhantoli, Nagpur.

S. K. BILLAIYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

25—216GI/80

Date : 25-3-1980.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, NAGPUR**

Nagpur, the 27th February, 1980

Ref No I A C /Acq /125/79-80—Whereas, ISK BILLAIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No Agrl land bearing P H No. 25, Mouja Sailu, Tah Saoner, situated at Sailu Tah Saoner

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nagpur on 2-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- 1 (1) Shri Suresh Venant Gupte,
(2) Smt Kusumben V. Gupte,
Resident of Plot No 144, Pande Layout,
Khamla, Nagpur.
(3) Smt Sandhyabai Vijay Pradhan,
r/o Amravati
(4) Smt. Amerodha Avinash Vaidya,
r/o Gandhinagar, Nagpur.

- 2 (1) Shri Dattajirao Raghobaji Meghe,
Ex-Minister, Maharashtra State,
Plot No. 143 Pande Layout Khamla,
T & Distt Nagpur

(Transferors)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agricultural land bearing P H No 25, Mouja Sailu, Tah Saoner, Distt. Nagpur (13 55 Acres of land)

S K BILLAIYA
Competent Authority,
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur

Date : 27-2-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 17th May, 1980

Ref. No. I.A.C./Acq./Bhopal/80-81/1610.—Whereas, I, Satishchandra being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Talkies (Part) situated at Gwalior

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 24th September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Bhagirathi Bai Phalke
W/o Shri M. L. V. Rao Phalke,
R/o Phalke Ki Gonth, Lashkar,
Gwalior.

(2) Shri Harvilles Goyal S/o Shri Gopaldas Goyal,
R/o Dal Bazar, Lashkar, Gwalior.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Municipal house No. 34/817 (Part of Gwalior Talkies)
situated at Phalke Ki Gonth, Lashkar, Gwalior.

SATISHCHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 17-5-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following person, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 17th May, 1980

Ref. No. I.A.C./Acq./BPL/21/80-81/1611.—Whereas, I,

SATISHCHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Talkies (Part) situated at Gwalior

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at at Gwalior on 24th September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Chandras Phalke
S/o Shri Madhavrao Phalke,
R/o Phalke Ki Goth,
Lashkar, Gwalior.

(Transferor)

(2) Shri Satishchandra Goyal,
S/o Shri Gopaldas Goyal,
R/o Dal Bazar, Lashkar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Municipal house No. 34/817/2 (Part of Gwalior Talkies) situated at Phalke Ki Goth, Lashkar, Gwalior.

SATISHCHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date : 17-5-1980

Seal :

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Jaisingh Phalke S/o Shri Madhavrao Phalke,
R/o Phalke Ki Goth,
Lashkar, Gwalior.

(Transferor)

(2) Shri Gopal Das Goyal
S/o Shri Shankerlal Goyal,
R/o Dal Bazar, Lashkar,
Gwalior.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 17th May 1980

Ref. No. I.A.C./Acq./Bhopal/80-81/1612.—Whereas, I, SATISHCHANDRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing No. Talkies (Part) situated at Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Gwalior on 24th September, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by an other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Municipal house No. 34/817/1 (Part of Gwalior Talkies), situated at Phalke Ki Goth, Lashkar, Gwalior.

SATISHCHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 17-5-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 5th May 1980

Ref. No. Amritsar/80-81/43.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN IRS,
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

One property situated at Aliwal Road, Batala
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908), in the office of the Registering Officer at
S.R. Batala on 19th September, 1979
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
is agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object
of :—

- (1) Dr. Gavardhan Lal Saroop s/o Ram Lal of Batala.
(Transferee)
- (2) Shri Jagpal Singh s/o Khushal Singh
r/o Aliwal Road, Batala.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenants if any in the valuation report.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/4th share of building situated at Aliwal Road (Fajpur Teh.
Batala) Batala as mentioned in the sale deed No. 4364 of 9/79
of the registering authority Batala.

M. L. MAHAJAN IRS.
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 5-5-80
Seal :

FORM ITNS —**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, dated the 5th May, 1980

Ref. No. Amritsar/80-81/44.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN IRS.
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/4th share of Building at Aliwal Road, Batala situated at Batala (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Batala on September, 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Dr. Mohan Lal Saroop s/o Ram Lal, r/o Batala. (Transferor)
- (2) Shri Ajit Singh s/o Khushal Singh, r/o Aliwal Road Batala. (Transferee)
- (3) As at Srl. No. 2 overleaf and tenants listed in the valuation report. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/4th share of building situated at Aliwal Road, Batala, as mentioned in the sale deed No. 4361 of 9/79 of registering authority Batala.

M. L. MAHAJAN IRS.
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 5-5-80

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 5th May 1980

Ref. No. Amritsar/80-81/45.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/4th share in Building at Aliwal Road B t 1 situated at Batala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Batala on September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Gurcharan Singh Bedi s/o Bagh Singh r/o Batala.

(Transferor)

(2) Smt. Mirjat Kaur w/o Ajit Singh r/o Aliwal Road, Batala Through Shri Ajit Singh.

(Transferee)

(3) As at sr. No. 2 overleaf and tenants as mentioned in the report.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share of building situated at Aliwal Road, Batala Faljpur Teh. Batala, as mentioned in the sale deed No. 4362 of 9/79 of the registering authority Batala.

M. L. MAHAJAN IRS.
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 5-5-80

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 7th May 1980

Ref. No. Amritsar/80-81/46.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN IRS.
 being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
 No. One property in Ktr. Sher Singh situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on September, 1979
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Madan Lal s/o Shri Sohal Lal r/o Dhab Khatikan, Gali Radhey Balab, Amritsar.
 (Transferor)
- (2) Shri Bal Chand, Suresh Kumar & Raj Kumar s/o Lachhman Dass, r/o 115, Katra Moti Ram & Manohar Lal minor s/o Shri Lachhman r/o Amritsar, Basarbrai Lachhman Dass self.
 (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any mentioned in the report.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
 or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One property No. 1383/12-9 & No. 1383C/12-9 situated in Katra Sher Singh opposite Regent talkies as mentioned in the sale deed No. 1901/I dated 26-9-79 of the registering authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS.
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
 26—116GI/80

Date : 7-5-80

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 7th May 1980

Ref. No. Amritsar/80-81/47.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One property in Ktr. Sher Singh situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on September, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Lakshmi Chand s/o Shri Ammi Chand r/o Kotw through Shri Tilak Raj s/o Ram Nath r/o Katra Dulo Lambi Gali House No.3364/10 Mukhtar Aam.
(Transferor)
- (2) Shri Bal Chand s/o Lachhman Dass r/o 115 Katra Moti Ram, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any mentioned in the report.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property No. 1383/12-9 & No. 1383A/12-9 (area 66.98 sq. mtrs.) situated in Katra Sher Singh, as mentioned in the sale deed No. 1899/I dated 26-9-79 of the registering Authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS.
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Amritsar

Date : 7-5-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 7th May 1980

Ref. No. Amritsar/80-81/48.—Whereas, I, M.L. MAHAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Property in Katra Sher Singh situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on September, 1979. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

- (1) Shri Lakhmi Chand s/o Ammi Chand r/o Vill. Kotwali through Shri Tilak Raj s/o Ram Nath r/o Katra Dulo Lambi Gali House No. 3364/10 mukhtar aam. (Transferor)
- (2) Shri Manohar Lal minor s/o Lachhman Dass r/o Katra Moti Ram Plot No. 115 Amritsar basarbrai Sh. Lachhman Dass self. (Transferee)
- (3) As at Srl No. 2 overleaf and tenants if any in the valuation report. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property No. 1383/12-9 & No. 1383/12-9 situated in Katra Sher Singh opposite Regent Cinema (area 66.58 sq. mtrs.) as mentioned in the sale deed No. 1898/I dated 26-9-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS.
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-5-80
Seal :

FORM ITNS —————**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 7th May 1980

Ref. Amritsar/80-81/49.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN IRS.
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property in Katra Sher Singh situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Amritsar on September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Lakhmi Chand s/o Ammi Chand
r/o Vill. Kotwali through Shri Tilak Raj
s/o Shri Ram Nath r/o Katra Dulo House No.
3364/10 Lambi Gali,
Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shri Bal Chand s/o Shri Lachhman Dass Plot No. 11,
No. 115 r/o Katra Moti Ram, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenants if any mentioned in the valuation report.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property No. 1383/12-9 & No. 1383-A/12-9 (area 66.58 sq. mtr.) situated in Katra Sher Singh as mentioned in the sale deed No.1900/I dated 26-9-79 of the registering authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 7-5-1980
Seal:

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, 7th May, 1980

Ref. No. Amritsar/80-81/50.—Whereas, I M. L. MAHAJAN IRS.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One shop No. 1383B/12-9 in Katra Sher Singh situated at Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Amritsar, on September, 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Gurdial s/o Nikku Ram r/o Dhab Khatikan Gali Radhe Balab, Amritsar.
- (2) Shri Bal Chand, Suresh Kumar & Raj Pal ss/o Shri Lachhman Das r/o 115 Katra Moti Ram & Manohar Lal minors/o Shri Lachhman Dass r/o Amritsar Bagarbrai Shri Lachhman Das self. (Transferee)
- (3) As at Srl. No. 2 overleaf and tenants as mentioned in the reports. (Person in occupation of the property)
- (4) If any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One shop No. 1383B/12-9 situated in Katra Sher Singh as mentioned in the sale deed No. 1897/I dated 26-7-79 of the registering authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS.
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-5-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Koshalya Devi w/o Harnam Singh,
Indora, Teh. Nurpur (H.P.)
(Transferor)

(2) Shri Sham Sunder s/o Sohan Lal
r/o Model Town Dhangu Road, Pathankot.
(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any mentioned
in the report.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested
in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 8th May 1980

Ref. No. Amritsar/80-81/51.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, IRS,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property at Dhangu Road, Amritsar situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Pathankot, on September, 1979;

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One property consisting of a single storeyed structure (area 1 kanal 7 marlas) situated on Dhangu Road, Pathankot, as mentioned in the sale deed No. 1499 dated 18-9-79 of the registering Authority, Pathankot.

M. L. MAHAJAN, IRS.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-5-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 14th May 1980

Ref. No. Amritsar/80-81/52.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot in Krishna Square situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on September, 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Surbir Singh s/o Sunder Singh, r/o 58-Shahjee 1 Bhagat Singh Road, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shri S. Jarnail Singh s/o Shri Bhagwan Singh, Vill. Kaleke, Teh. & Distt. Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenants if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 500 sq. yds. situated in Krishna Square, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 1843/I dated 19-9-79 of registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, 3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Now, therefore, in the pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 14-5-80
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 12th May 1980

Ref. No. Amritsar/80-81/53.—Whereas, I M. L. MAJAJAN IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot at Dasaundha Singh Road situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on September, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Varinder Kumar alias Vir Kumar Jain s/o Sh. Shio Bhagwan Jain r/o 16 Radhakunj Jucharch Road, Bombay through Shri Vijay Kumar Jain s/o Shio Bhagwan Jain r/o Katru Aluwalia Ram Gali & Vijay Kumar self and mukhtar aam.
(Transferor)
- (2) Shrimati Radha Devi w/o Shri Moti Lal and Shrimati Sheela Devi r/o Shri Tara Chand r/o 156 Shastri Nagar, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenants as mentioned in the report.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land No. 529 measuring 406 sq. mtrs. situated on Dasaundha Singh Road, Amritsar [as mentioned in the sale deed No. 1926/I dated 28-9-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAJAJAN IRS
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar,

Date : 12-5-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, The 9th May 1980

Ref. Amritsar/80-81/54.—Whereas, I M. L. MAHAJAN IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property in Rani Ka Bagh situated

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Vasdev s/o Ganga Ram of Abadi Bagh Raniwala & Shrimati Rajji Devi w/o Shri Ram Nihar, r/o Bagh Raniwala, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shri Harbans Lal s/o Munshi Ram r/o Gali Devi Weli r/o Kothi No. 42 Rani Ka Bagh, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) listed in the report.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in it Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/2 share in one kothi Khasra No. 3049/705-65/52 Bagh Rani wala, Amritsar as mentioned in the selected deed No. 2291/I dated 9-11-79 of the registering authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 9-5-1980

Seal ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

27-116GI/80

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 9th May 1980

Ref. No. Amritsar/80-81/58.—Whereas, I M L. MAHAJAN IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property situated at Rani Ka Bagh Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Raju Devi w/o Shri Ram Nihar, Bagh Raniwala, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Smt. Kanta Rani w/o Shri Harbans Lal r/o Kothi No. 42, Rani Ka Bagh, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenants if any listed in the valuation report.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One Kothi No. 42 situated in Rani Ka Bagh, as mentioned in the sale deed No. 1683/ of 9179 of the registering authority Amritsar.

M L. MAHAJAN, IRS.
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-5-1980
Seal :

FORM ITNS(1) Shri Jagmohan s/o Hari Chand
r/o Batala.

(Transferor)

(2) Shrimati Sakuntla Devi w/o Khushal Singh
r/o Aliwal Road, through Jagjit Singh
Batala.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenants as mentioned in
the report.
(Person in occupation of the property)(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested
in the property)**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 5th May, 1980

Ref. No. Amritsar/80-81/56.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property at Aliwal Road, Batala, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Batala on September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/4th share of building at Aliwal Road, Batala (Fajipur Teh. Batala) as mentioned in the sale deed No. 4363 of 9/79 of the registering authority Batala.

M. L. MAHAJAN IRS.

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-80

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE
AMRITSAR

Amritsar, the 19th May 1980

Ref. No. Amritsar/80-81/57.—Whereas, I M. L. MAHAJAN IRS,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing One property at Green Avenue situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritar on September, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) Shri Harbhajan Singh s/o Harnam Singh r/o 46/Green Avenue, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shri Narinder Kumar, Satinder Kumar, Ashok Kumar Vipin Kumar ss/o Shri Hari Chand r/o 141-142 Green Avenue Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenants if any mentioned in the valuation report.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One kothi No. 141-142 situated in Green Avenue, as mentioned in the sale deed No. 1864 dated 24-9-79 of the registering authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS:
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 19-5-80
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Baldev Singh s/o Mehma Singh r/o
Village Jandiala Guru.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 17th May, 1980

Ref. No. Amritsar/80-81/58.—Whereas, J M. L. MAHAJAN, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 12 kanals 15 1/2 M. situated in Jandiala Guru (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Baba Bakala on September, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Om Prakash S/o Naud Lal, Kirti Kumar, Kiran Kumar, Kranti Kumar, Kanti Kumar S/o Om Prakash, Smt. Shanti Devi w/o Om Parkash, Smt. Ramma w/o Kiran Kumar Ritoo d/o Kranti Kumar, Kanav Kumar s/o Krishan Kumar, Krishan Wanti w/o Krishan Kumar, Prem Kumar s/o Jaswant Rai, Kanwal w/o Shri Prem Kumar r/o 4, Madan Mohan Malvia road, Amritsar.

(Transferees)

(3) As at St. No. 2 verleaf an tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 12 kanals 15 1/2 M situated in Jandiala Guru as mentioned in the sale deed No. 2369 of 11/9/79 of the registering authority Baba Bakala, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 17-5-80
Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Baldev Singh s/o Mehma Singh
r/o Jandiala Guru,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 17th May 1980

Ref. No ASR/80-81/59.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN,
IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land at Jandiala Guru situated (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baba Bakala on September, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Om Parkash s/o Nand Lal, Kirti Kumar, Kiran Kumar, Kranti Kumar, Kandi Kumar, s/o Shri Om Prakash, Smt. Shanti Devi w/o Om Parkash, Smt. Ramma w/o Kiran Kumar, Ritoo d/o Kranti Kumar, Kanav Kumar s/o Krishan Kumar, Krishna Wanti w/o Krishan Kumar, Prem Kumar s/o Jaswant Rai, Kanwal w/o Sh. Prem Kumar 1/o 3, Madan Mohan Malvia Road, Amritsar.
(Transferees)

(3) As at Sl. No. 2 overleaf and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)

(4) Any other
(person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 12 K 15 1/2 M situated at Jandiala Guru, as mentioned in the sale deed No. 2360 of 10-9-79 of the registering authority Baba Bakala, Amritsar.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range Amritsar.

Date 17-5-80
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 17th May 1980

Ref. No. Amritsar/80-81/60.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land at Jandiala Guru situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baba Bakala on September, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Baldev Singh s/o Mehma Singh
1/o Village Jandiala Guru
(Transferor)
- (2) Shri Om Parkash s/o Nand Lal, Kitti Kumar, Kiran Kumar, Kranti Kumar, Kanti Kumar ss/o Shri Om Parkash, Smt. Shanti Devi w/o Shri Om Parkash, Smt. Ramma w/o Kiran Kumar, Bitoo d/o Kranti Kumar, Kanav Kumar s/o Krishan Kumar, Krishna Wanti w/o Shri Krishan Kumar, Prem Kumar, s/o Jaswant Rai, Kanwal w/o Shri Prem Kumar r/o 3, Madan Mohan Malviya Road, Amritsar.
(Transferees)
- (3) As at Srl. No. 2 overleaf and tenants if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and measuring 12 kanals 15-1/2 malas situated at Jandiala Guru as mentioned in the sale deed No. 2393 of 12-9-79 of the registering authority Baba Bakala.

M. L. MAHAJAN, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 17-5-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Birendra Krishna Dutta

(Transferor)

(2) Smt. Kausalya Devi Agarwal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA**

Calcutta, the 12th May 1980

Ref. No. AC-6/R-II/Cal/80-81.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

220, situated at Ram Krishna Samadhi Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 24-9-79.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land measuring 4K-6 ch-38 sq. ft. with building situated at Plot No. 220 C.I.T. Sch. No. VIM Ram Krishna Samadhi Road, Cal-54, under P. S. Fulbagem, more particularly described in deed No. 1089.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-5-1980
Seal :

FORM ITNS-- - -

(1) Sri Jatindra Mohan Banerjee

(Transferor)

(2) Shri Roop Narain Tandon

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 20th May 1980

Ref. No. 694/Acq. R-III/80-81/Cal.—Whereas, I,
I. V. S. JUNEJA,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.situated at Theatre Road & Potua-tola Lane, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Calcutta on 1-9-1979for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of—Objections, if any, of the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act
1957 (27 of 1957);One third share in all that piece and parcel of land ad-
measuring 16 cottahs 14 chittacks and building situated at
10, Theatre Road, Calcutta and land & building at 9/4 & 72/3
Potuatola Lane, Calcutta as per deed No. 4730 of 1979.I.V.S. JUNEJA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, CalcuttaNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition
of the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fol-
lowing persons, namely :—

28—116GI/80

Dated : 20-5-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Jatindra Mohan Banerjee

(Transferor)

(2) Shri Hriday Narain Tandon

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA**

Calcutta, the 20th May 1980

Ref 695/Acq R-III/80-81/Cal—Whereas, I, I V S JUNEJA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No situated at Theatre Road Potuatola Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 1-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the Acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

One third share in all that piece and parcel of land admeasuring 16 cottahs 14 chittacks and building situated at 10 Theatre Road, Calcutta and land & building at 9/4 & 72/ Potuatola Lane, Calcutta as per deed No 4731 of 1979

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

I V S JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III Calcutta
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Dated 20-5-1980
Seal

FORM ITNS—

(1) Shri Jatindra Mohan Banerjee

(Transferor)

(2) Shri Pyarelal Tandon

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME TAX
 ACQUISITION RANGE-III,
 54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-700016.

Calcutta, the 20th May 1980

Ref. 696/Acq. R-III/80-81/Cal.—Whereas, I, I. V. S.
 JUNEJA

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Theatre Road & Potua-tola Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 1-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

One third share in all that piece and parcel of land ad-measuring 16 cottahs 14 chittacks and building situated at 10 Theatre Road, Calcutta and land & building at 9/4, & 72/3, Potuatola Lane, Calcutta as per deed No. 4732 of 1979.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

I.V.S. JUNEJA
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
 Acquisition Range-III,
 Calcutta.

Dated : 20-5-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Shyamal Ghose & Sm. Renukana Mandal,
Asansol.
(Transferor)

(2) Sri Prit Pal Singh Lamba,
S. P. Mukherjee Road, Asansol.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Calcutta-16, the 10th April 1980

Ref. Ac-3/R-IV/Cal/80-81—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot 124, situated at Ushagram, Asansol (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Asansol on 25-9-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the piece and parcel of land measuring .09 dec. with building situated at Ushagram, Asansol, more particularly as per Deed No. 5332 of 1979.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Dated : 10-4-1980.
Seal :

FORM ITNS(1) Shri Shyamal Ghose & Sm. Renukana Mandal, Asansol.
(Transferor)**NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**(2) Sri Ravi Kumar,
81, Ushagram,
Asansol.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE IV**

54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16.

Calcutta, the 10th April 1980

Ref. Ac-4/R-IV/Cal/80-81—Whereas, I K. SINHA being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 124, situated at Ushagram, Asansol (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Asansol on 25-9-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 12 dec. with building situated at Ushagram, Asansol, more particularly as per Deed No. 5333 of 1979.

K. SINHA
Competent Authorax
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tV,
Acquisition Range-I,
Calcutta

Dated : 10-4-1980.

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III

Calcutta-700016, the 18th April 1980

Ref. 690/Acq. R-III/80-81/Cal.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 52/1, situated at Hazra Road Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 21-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Sm. Saraswati Auddy
1/1B, Gangulypara Lane, Calcutta.

(Transferor)

(2) Sri Gobinda Chandra Auddy
52/1A, Hidaram Banerjee Lane,
Calcutta.

(Transferee)

*(Persons in occupation) :
Sri Dilip Kr. Chatterjee.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expire later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

All that asbestos shcd structures containing 8 cottahs 4, chittacks of land situated at 52/1, Hazra Road, Calcutta.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957);

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-4-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Benoy Kumar Sircar, 31, Bally Gaung Garden,
Calcutta-9.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Santi Pada Gupta, Ram Krishna Mission Path, P.O.
Narendrapur, P.S. Sonarpur,
24 Parganas.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV

54, RAFI AHMED KEDWAI ROAD: CALCUTTA-16.

Calcutta, the 21st May, 1980

Ref. AC-14/R-IV/Cal/80-81— Whereas, I.I.V.S. JUNEJA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 208, situated at Block-B, Sub-Block 12, Kalyani, Nadia (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 14-9-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece of land measuring 10 Kh. 26 Sq.Ft. with building situated at Plot No. 208, Block-B, Sub-Block-12, Kalyani, Nadia, 24-Pargana, more particularly as per Deed No. 4957 of 1979.

I.V.S. JUNEJA
Inspecting Ass't Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
Calcutta.

Dated : 21-5-80
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-IV,
54, RANI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA-16

Calcutta, the 25th April, 1980

Ref AC-9/R-IV/80-81—Whereas, I K SINHA being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 1/23, situated at Fakir Ghosh Lane, Barranagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bar rasat on 19-9-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeside exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt Anima Rudra,
1/23, Fakir Ghosh Lane,
Bonhoogly, Barranagar,
24 Parganas

(Transferor)

(2) Sri Satyabrata Chowdhury,
Smt Annapurna Cotton Mills,
Staff Quarter,
Shyamnagar, 24 Parganas

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land with Building measuring covered Area 1059 Sq ft Situated at 1/23, Fakir Ghosh Lane, Barranagar, Calcutta more particularly described as per deed No 6571 of 1979

K SINHA
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
Calcutta

Dated 25-4-80.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

FORM ITNS(L) Sri Parimal Samanta
S/o, Late Gobardhan Samanta

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT****COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-IV
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16.**

Calcutta, the 19th May, 1980

(2) M/s. Indian Metal Supply Co.,
33A, Chowinghee Road, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, of the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. Ac-13/R-IV/Cal/80-81—Whereas, I. I. V. S. JUNEJA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 52,000/- and bearing No.

situated at Mouza Bhasa P.S. Bisnupur, Dt. 24-Prgns. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Distt. Registrar, 24-Parganas on 26-9-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 2.25-acres including building situated at P.S. Bisnupur, Mouza-Bhasa Dist. 24-Parganas more particularly as per Deed No. 5458 of 1979.

I.V.S. JUNEJA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV
Calcutta.

Date : 19-5-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
29—116GI/80

FORM ITNS—

(1) Jangir Singh, 18, Girish Ghosh Road, Belar,
Howrah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shyam Sander Kejriwal,
P. Kejriwal, G. P. Kejriwal, B. P. Kejriwal,
12/2, Girish Ghosh Road, Howrah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV

54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta, the 7th May, 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. AC-12/R-IV/Cat/80-81—Whereas, I K. SINHA being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

12/2A, situated at Girish Ghosh Road, Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Howrah on 19-11-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating at the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece and purcel of land measuring 1 bigha, 1 katta, 7 chhattak, 10 sq. ft. situated at 12/2A, Girish Ghosh Road, P.S. Bally, Howrah more particularly as per deed No. 3312 of 1979.

K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
Calcutta.

Dated : 7-5-1980
Seal ;

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITN8

(1) Mainidra Kumar Bhattacharjee,
P.S. Tejjpur, Distt. Darrang, Assam.

(Transferor)

(2) Mohanlal, Bijoylal, Rabindra, Jitendralal, Ashokelal,
Shoshanlal, Pronablal Mukherjee,
Jalpaiguri, Kalchini.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16.

Calcutta, the 7th May 1980

Ref. A. C-II/R-IV/ACQ/Cal/80-81—Whereas, I. K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Touji No. 434, situated at Alipurduar, Distt. Jalpaiguri, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Jalpaiguri on 21-9-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 53.94 Bighas situated at M/S. Nintijhora Tea Estate, P.S. Kalchini, Dist. Jalpaiguri, S. R. Alipurduar, more particularly as per deed No. 5098 of 1979.

K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
Calcutta.

Date : 7-5-80

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Prakash Gajanan Keshkamat,
C/o, Bank of India,
Shahapur, Belgaum.

(Transferor)

(2) Shri Peter R. Lobo,
C/o. P. A. Holder Mrs. Anna Maria Mascarenhas,
37, Hindawadi, Belgaum.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE
BANGALORE-560001.

Bangalore, the 12th February 1980

Ref. Notice No. 260/79-80/Acq/b—Whereas, I,

II. TIMMAIAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. plot No. 8 of R. S. No. 79/2 situated at Anagol, Belgaum,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Belgaum under document number 1507 on 12-9-1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1507 Dated 12-9-1979]

Land & Building in plot No. 8 of R. S. No. 79/2 situated at Anagol, Belgaum.

H. TIMMAIAH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bangalore

Dated : 12-2-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS(1) Shrimati Kunda Raghuvir Gharse,
Aquem Alto, Margao-Goa.

(Transferor)

(2) Shri Vinay M. P. Verlekar,
Alto Duler, Mapuca, Goa.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560001.

Bangalore, the 13th March 1980

Re: No. 270/79-80—Whereas, I, H. TIMMAIAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Metriz No. 821, 822 & Survey No. 66 situated at Afonso de Albuquerque Road, Panaji, (and more fully described in the Schedule Annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ilhas, Panaji-Goa under document number 412 on 29-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Registered Document No. 412

Dated 29-9-1979

A portion of land admeasuring 715 Sq. meters out of immovable property known as "NOSSA SESUNDA DE VICTORIA" or "CONFISCO" bearing matrlz number 821, 822 & Survey No. 66 situated on Afonso de Albuquerque Road, Panaji, Goa.

H. TIMMAIAH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 13-3-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560001

Bangalore, the 13th March 1980

Ref. No. 271/79-80.—Whereas, I, H. TIMMAIAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. survey No. 937 situated at Mapusa Tq. Sub-district Bardez, Dist : Goa. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bardez, Goa, under document number 700 on 22-9-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922 or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mr. Jose Mignel Francisco Antonio de Braganca alias Miguel Braganza, and Ms. Maria Conceicao Granlinda Proence Braganca alias Gracinda Braganca, R/o. Duler, Mapusa, Goa former represented by his duly constituted attorney Mrs. Gracinda Braganca.

(Transferors)

(2) Umesh Pai and Associates, Represented by Mr. Umesh Ramachandra Pai, Lobo Building, Next to Mapusa Municipality, Mapusa, Bardez, Goa.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 700)

Dated 22-9-1979)

Open plot known as "BORDAS BE RIGUEIRO DE CASANA CUNDIO" or "ARADICHA BATACHI BAR" admeasuring 700 Sq. meters and bearing survey No. 937 and situated at Mapusa Tq. and Sub-District Bardez, Distt. Goa.

H. TIMMAIAH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bangalore.

Date : 13-3-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Basavanneppa adopted S/o. Basavanneppa Hanumanahalli, Basti Oni, Haveri.
(Transferor)

(2) Smt. Puttavva alias Tarabai father Sannamallappa Timmapur alias Haverikar. R/o. Agadi, Tq. Haveri. Now residing at Budhawarpeth, No. 354, Poona-2.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560001.

Bangalore, the 8th April 1980

Ref No. 274/80-81/Acq.—Whereas, I, H. TIMMAIAH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C.S. No. 3292/A 5 situated at Haveri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Haveri under document No. 665 on 26-9-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 665

Dated 26-9-1979)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land measuring 7200 sq. feet and building thereon bearing C. S. No. 3292/A 5 situated opposite to Kaveri Lodge, Haveri.

H. TIMMAIAH,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range,
Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 8-4-1980

Seal :

FORM ITN9**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001.

Bangalore, the 8th April, 1980

Notice No. 273/80-81/Acq.—Whereas, I, H. THIMMIAH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Matriz Predial No. 1381 & 991 situated at Atmaram Borkar Road, Panaji

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ilhas Panaji under document No. 413 on 28-9-79.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Mrs. Zoiwantibai Anglo also known as
 Jaiwantibai Anglo or Zolontibai
 Poi Anglo alias Gangabai Zoixi,
 Panaji.

(Transferor (s))

(2) Aparna Co-operative Housing Society Ltd.,
 Camaxi Building, Atmaram Borkar Road,
 Panaji.

(Transferee (s))

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 413 Dated 28-9-79)
 Open plot admeasuring 262.67 sqm. bearing Matriz Predial Nos. 1381 & 991 situated on Atmaram Borkar Road, Panaji.

H. THIMMIAH,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range
 Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-4-1980.
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 8th April 1980

Notice No. 275/80-81—Whereas, I, H. THIMMAIAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C.S. No. 3292/A4A and 3292/A4B
situated at Haveri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Haveri under document number 662 on 25-9-1979
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957, (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

30—116 GI/80

(1) Shri Basavanneppa adopted S/o. Basavanneppa Hanumanhalli.
Basti Oni, Haveri

Transferor(s)

(2) Kumar Subhas S/o. Smt. Pultavva alias Tarabai Timmapur alias Haverikar. M/G. mother Tarabai father Sannamallappa Timmapur alias Haverikar. R/o. Agadi.
Now residing at Budhawarpeth, No. 354, Poona-2.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 662

Dated 25-9-1979)

Two open plots measuring 1945 Sq. Yards and 167.6/9 Sq yards bearing C.S. No. 3292/A4A and C.S. No. 3292/A4B respectively situated opposite to Kaveri Lodge, at Haveri.

H. THIMMAIAH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bangalore.

Date : 8-4-1980.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE

Bangalore-560001, the 21st April 1980

C.R. No. 62/24890-79-80/Acq/B—Whereas I, H.

THIMMAIAH,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

3/1, situated at Vth Temple Road, Malleswaram, B'llore-3

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar, B'llore, Doc. No. 1790/79-80 on 3-9-1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. B.S. Mangala Alias Vanajakshamma,
D/o Late B. Narayana Rao,
No. 3/1, Vth Temple Road, Siddarthi Layout,
Malleswaram, B'llore-3.

(Transferee(s))

(2) Shri S.R. Gopalakrishna, S/o S. Rama Shet,
341, Sampige Road, Malleswaram,
B'llore-3.

(Transferee(s))

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

[Registered Document No 1790/79-80. Dated 3-9-79]

House property bearing No. 3/1, situated at Vth Temple Road, Siddarthi Layout, Malleswaram, B'llore-3.

H. THIMMAIAH,

Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 21-4-1980.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE BANGALORE

Banglore-560001, the 21st April 1980

C.R. No. 62/25515/79-80/Acq/B—Whereas I, H.

THIMMAIAH,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7/10 situated at Kumara Krupa Road, High Grounds, Bangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore, Doc No. 2483 on 2-11-1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Major A.T. Sethunarayyan,
No. 7/10, Kumara Krupa Road,
High Grounds, Bangalore.

(Transferees)

(2) Smt. Geethanjali Devi, & Sri S. Gyanchand,
No. 6/1, Crescent Road, High Grounds,
Bangalore-1.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2483/79-80 dated 2-11-79]

House property bearing No. 7/10, on plot No. 80, Kumara Krupa Road, High Grounds, Bangalore.

H. THIMMAIAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date 21-4-1980.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri K. V Ramachandran,
S/o, Late N. Vekataraman,
No. 5, East Linke Road (C) Street,
Malleswaram, Bangalore-560003.

(Transferor)

(2) Shri R. Palaniswamy,
S/o K. Rangaswamy,
No. 1038, Chord Road,
Rajajinagar, Bangalore-10.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

**OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001**

Bangalore-560001, the 21st April 1980

C.R. No. 62/25015/79-80/Acq/B—Whereas, I, H. Thimmaiah being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immoveable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. 98/3, situated at 6th Main Road, Malleswaram, Bangalore-560003,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajajinagar, Bangalore, Doc. No. 2198/79-80 on 7-9-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2198/79-80]

Dated 7-9-1979]

House property bearing No. 98/3, 6th Main Road, Malleswaram, Bangalore-3.

H. THIMMAIAH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 21-4-1980.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bagalore-560001, the 21st April 1980

C.R. No. 62/24894/7-7/Acq/B—Whereas I, H.

THIMMAIAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Survey No. 13, situated at Mallenahally, High Grounds, Bangalore (Div. 44)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at
Gandhinagar Bangalore Doc. No. 1812/79-80, on 4-9-1979
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri C. Rajagopal, s/o C. Chakravarthy,
"Crags" 1st Main Road, Seshadripuram
Bangalore-20.

(Transferor)

(2) Shri The Chakravarthy House Building Co-operative Society Ltd., No. 79, 11th Cross,
Malleswaram, Bangalore-3.
By Hon. Secretary, Sri P.E. Thangaiah. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1812/79-80 dated 4-9-1979.]

Land in Survey No. 13, in Corporation Division No. 44, Mallenahally, High grounds, Bangalore.

H. THIMMAIAH

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 21-4-1980.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)**

(1) Shri H.G. Abdul Hameed,
24/1, Andree Road, Shantinagar,
Bangalore-27
(Transferor)

(2) Mrs. Z. Shasunisa,
Widow of late Abdul waheed,
No. 13, Dr. Amer Shariff Road,
Basavangudi Bangalore-4.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE**

Bangalore-560001, the 21st April 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

C.R. No. 62/24961/79-80/Acq /B—Whereas I, H.

TIMMAIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

25/1, situated at Andree Road, Shantinagar, Bangalore-27, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar, Bangalore on 21-9-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1846/79-80 dated 21-9-1979)

House property No. 25/1, Andree Road, Shantinagar, Bangalore-560027.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

H. TIMMAIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 21-4-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Mysore Current Ltd.,
Industry House, No. 45, Race Course Road,
B'lore.
(Transferor)

(2) Shri Anil Malpani and Mrs. Madhulika Malpani,
No. 23, Race Course Road, B'lore-1.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 21st April 1980

C.R. No. 62/24816/79-80/Acq/B—Whereas I, H.

THIMMAIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 44/10, situated at Race Course Road, B'lore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, B'lore, on 3-9-1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1781/79-80 dated 3-9-1979)

House site bearing No. 44/10, Race Course Road, B'lore.

H. TIMMAIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 21-4- 1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

BANGALORE-560001, the 15th April 1980

C.R. No. 62/25340/79-80/Acq/B—Whereas, I. H. THIMMIAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 15, old No. 131, Armugam Mudaliar Road situated at Kalasipalayam New Extension, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1980 (1908 of 16) in the Office of the Registering Officer at Basavanagudi, Bangalore, Doc No. 1820/79-80 dated 30-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri N.K. Gopalan S/o N.K. Krishnan, Kum. Shakuntala Kumari Vimala, Master Manikandar No. 2 & 3 are miners and represented by the Father and Guardian Shri N.K. Gopalan all residing at No. 4, 8th Cross, M. Krishnappa layout, H. Siddiaya Road, Bangalore.

Transferor(s)

(2) Dr. B. Doraiswamy Naidu, S/o Raghavalu Naidu
 (2) Smti B.D.S. Savitha w/o Dorai Swamy Naidu, No. 9, 18-10-10, Hospital Road, Chittoor.

(3) V.S. Krishnappa Naidu, V.K. Ramana, w/o V. S. Krishnappa Naidu

(4) V.K. Purushottam. All Residing at 34/5, II Cross, Journalist colony, Bangalore-2.

Transferee(s)

(3) Shri M/s A.V. Vacco & Co M/s Kavitha Traders, M/s Best Aluminium Co. M/s Transways India, M/s Tube Investment India Hotel Udaya

(Persons(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1820/79-80 dated 3-10-1979)

Property bearing No.15, old No. 131, Armugam Mudaliar Road, Kalasipalayam New Extension, Bangalore.

Boundaries :—

East—Private property.
 West—II Main Rd, kalasipalayam ,New Fxtn.
 North—Private property.
 South Armugam Mudaliar Road.

H. THIMMIAH
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Bangalore

Date : 15-4-80

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore the 21st April 1980

C.R. No. 62/25032/79-80/Acq/B—Whereas, I,
H. THIMMAIAH
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. 39/1 situated at : Coles Road, Cleveland Town, Civil Station
Bangalore-5
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Shivajinagar, Bangalore, Doc No. 1882/79-80 on 19-9-1979.
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (1) Shri P.G. Chander, 2, Mrs. Susan Chander, No. 26,
Viviani Road, Bangalore-560005 (Transferor)
- (2) Shri I. A. Mohamed Noor, 2, Mrs. Taj Begum,
No. 39/1, Coles Road Cleveland, Town, Civil Station,
Bangalore-5 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1882/79-80

A portion of premises No. 39/1, Coles Road Cleveland Town
Division No. 47, Bangalore-5.

Boundaries :

East by Private property.
West by Private property.
North by Private property.
South by Coles Road.

H. THIMMAIAH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons namely :—

31—116GI/80

Date : 21-4-1980.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore dated 21st April 1980

CR No. 62/25718/79-80/Acq/B—Whereas, L. H.
THIMMIAH

being the Competent Authority under Section 259B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

18, situated at Seshadripuram, Nehrunagar, 4th cross, Bangalore-20.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhi nagar, Bangalore Doc No. 3020-79-80 on 13-12-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shrimati N. Sarojamma W/o Dr. D.R. Nanjappa, No. 18
4th cross Road, Nehrunagar, Seshadripuram Bangalore-20.

(Transferor)

(2) Shri (1) Bhagwandas, (2) Smt Lajwanti Bai, (3) Sri B.
Kishanlal, (4) Sri Shyam-sunder, No. 47, 1st Cross, Nehru-nagar, Seshadripuram Bangalore-20.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3020/79-80 Dated 13-12-1979)

House property bearing No. 18 situated at 4th Cross Road, Nehrunagar, Seshadripura, Bangalore-20.

H. THIMMIAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 21-4-1980.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGI, BANGALORE

Bangalore-560001 the 14th May 1980

C.R. No. 62/24899/79-80/Acq/B—Whereas I II
THIMMAIAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

27 situated at Godown Street, B'llore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, B'llore Doc No. 1902/79-80 on 10-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) (1) Kum T.W. Shamraem,
 (2) Kum. T.W. Baseera Bi, No. 1, Infantry Road Cross,
 Bangalore-1.
 (Transferor)
- (2) Shri N. Rafiq Ahmed,
 No. 50, Moore Road, Fraser Town, Bangalore-5
 (Transferee)
- (3) M/s C.R. Revanna Gurusiddappa,
 No. 1, Godown Street, B'llore-2. (Persons in occupation
 of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered document No. 1902/79-80 dated 10-9-1979)

Premise, bearing Old No 1, New No. 27, situated at Godown Street B'llore.

B. THIMMAIAH
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-5-1980
 Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE**

Bangalore-560001, the 13th May 1980

C.R.No. 62/25227/79-80/Acq/B. Where s, I,
THIMMAIAH

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 5440, situated at Middle class colony, Someshwarapuram Tumkur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tumkur doc. No. 1726/79-80 on 11-10-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Sri Nanjundappa (2) T.N. Mahalingappa (3) Shri T. N. Shivanajappa (4) T.S. Basavaraju Middle class colony, Someshwarapuram extension Tumkur

(Transferee)
(2) Smt Veeramma w/o T.B. Narasappa, at Siswoor, Kasaba Hobli Gubbi Taluk

(Transferee)
(3) (1)M/s Gayatri Bhivin (2) Vinay Aushadh Ray (3) Khedi Basaveshwara Provisional store. (4) Sri Chennagangappa (5) Murali Institute of Commerce (6) Sri John, (Persons in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No 1726/79-80 Dated 11-10-1979)

Premises bearing Door No 5440 situated at Middle Colony, Someshwarapuram, Tumkur.

H. THIMMAIAH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 13-5-1980.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri G. V. Rudrappa,
No. 728, Chickpet, Bangalore City.

(Transferor)

(2) Shrimati (1) Saroj Ladha

(2) Nutan, No. 22/24, M.G.K. Murthy Layout, Chamarajpet, B'lore City

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, BANGALORE**

Bangalore-560001, the 13th May 1980

C.R. No. 62/25360/79-80/Acq B—Whereas, I, II,

THIMMIAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

54 (site) situated at Sunkenahalli Extension, Basappa Layout, B'lore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanna gudi B'lore, Doc No. 2018/79 on 17-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2018/79-80, dated 17-10-1979
Vacant site bearing No. 54, situated at Sunkenahalli Extension, Basappa Layout, B'lore City Corporation Div. No. 31.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

H. THIMMIAH

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate, proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-5-1980.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 21st May 1980

C.R. No. 62/24930/79-80/Acq/B—Whereas, I, H.
THIMMAIAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 22 situated at Bannerghatta Road Extension Bangalore-11 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar Bangalore, Document No 1645/79-80 on 7-9-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Shri M V. Raghavendra, No. 343, 10th 'A' main Road
III Block, Jayanagar, Bangalore-11.
(Transferor)(2) Shri C.F. Jose, No. 22, Bannerghatta road, Extension Bangalore-11
(Transeree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered document No 1645 dated 7-9-1979)

House property : No. 22, Bannerghatta road Extension Bangalore-11.

Area : 60'- 40'.

H. THIMMAIAH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 21-5-1980.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Rajendra Narain Kaul (2) Gautam Narain Kau
 (3) Vijay Narain Kaul.

(Transferor)

(2) Shri Vinod Kumar Jasrapuria.

(Transferee)

(3) Above sellers (Persons in occupation of the property

(4) Do. (persons whom the undersigned knows to
 be intered in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Lucknow, the 9th April 1980

Ref. No. V-46/Acq.—Whereas I A.S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. One storeyed house No. B-27/80-A constructed upon the parts of Arazi No. 1865/1 and 1866/2, Mauza-Bhadaini, Dehat Amanat, Varanasi situated at (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Varanasi on 22-9-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evaalon of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One storeyed house No. B-27/80-A which consists of small six rooms having about 200 sq. mtrs, Durga Kund, Varanasi, built upon parts of Arazi No. 1865/1 and 1866/2, Mauza-Bhadaini, Pargana-Dehat Amanat, Varanasi and all that description of the property which is mentioned in form 37G No. 8380 and sale deed which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Varanasi, on 22-9-1979.

A.S. BISEN
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-4-1980
 Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur the 13th May 1980

Ref No. Rej/IAC/(Acq.)/699.—Whereas, I M.L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Shop situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 18-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Hastimal s/o Shri Hariaram (2) Prakash Chand (3) Ashkaran & (4) Chaturbhuj sons of Hatimal, Road No. 4 Sardarpura, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shankarlal S/o Behrulal Agarwal Singhal Adda Bazar, Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop situated at plot No. 27, Sardarpura Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 1565 dated 18-9-1979.

M.L. CHAUHAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 13-5-1980.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 13th May 1980

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/698.—Whereas I, M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as 'the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Jodhpur on 7-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Hastimal s/o Shri Hari Ram (2) Prakash Chand (3) Ashkaran & (4) Chaturbhuj sons of Hastimal, Road No. 4 Sardarpur, Jodhpur.

(Transferor)
(2) Shri Behrulal s/o Shri Ramdas Agarwal Adda Bazar, Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Shop situated at Plot No. 27 Sardarpura Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 1511 dated 7-9-79.

M.L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 13-5-1980.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
32-116GT 80

FORM ITNS

(1) Shrimati Sarla Kumari Bafna w/o Shri Shyam Sunderlal Bafna R/o-7-K 15 Jawaharnagar, Jaipur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Munni Devi w/o Shri Suresh Chand Khandelwal R/o Kanti Chandra Road, Bani Park, Jaipur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 13th May 1980

Ref. No. :Rcj/IAC(Acq)—Whereas I M.L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 24-9-1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of house property situated at Chommu House C-Scheme, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 2366 dated 24-9-1979

M.L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 13-5-1980.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Shyam Sunderlal Bafna s/o Shri Vishnulalji Bafna
R/o-7-K 15 Jawahar Nagar, Jaipur
(Transferor)

(2) Shrimati Muuni Devi w/o Shri Suresh Chandji Khandelwal R/o Kanti Chandra Road, Bani Park, Jaipur
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE JAIPUR
Jaipur the 13th May 1980

Ref. No. Raj/IAC/(Acq) —Whereas, I M.L.
CHAUHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. House situated at Jaipur
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 24-9-1979
for an apparent consideration which is less than the fair market value of
the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been duly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of the house known as 'Tabela Building' situated at C-Scheme, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jaipur vide registration No. 2367 dated 24-9-1979.

M.L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 13-5-1980.
Seal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Madan Kumar s/o Shri Ram Kumar Sharma Bhim
ganj Mandi, Kota.
(Transferor)

(2) Shrimati Sushila Jain w/o Sh. Sheelchand Jain &
Sh. Kutty Krishna Panicker Bhimanganj Mandi, Kota
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

Acquisition Range, Jaipur

Jaipur the 13th May 1980

Ref. No. : Rej/ICA(Acq)/704—Whereas, I M.L.
CHAUHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot situated at Kota

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kota on 10-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of land situated at Bhimanganj Mandi, Kota and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Kota vide registration No. 1200/343 dated 10-9-1979.

M.L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 13-5-1980
Seal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Shri Gopal Swarop Bhargava No. 208, Bheemganj Mandi, Kota.
(Transferor)

(2) Dr. Prakash Nath Pathak Pathak Clinic Gurudwara Road, Kota.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE JAIPUR

Jaipur, the 13th May 1980

Ref. No. : Raj/ITAC(Acq)/705 —Whereas, J. M.L. CHAUHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot situated at Kota

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kota on 28-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have in the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of land situated in Bheemganj Mandi opp. New Post Office, Kota and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Kota vide registration No. 1265 dated 28-9-1979.

M.L. CHAUHAN

Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 13-5-1980.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Shri Gopaldass s/o Ghasilal & Shri Mahesh Kumar s/o Gopaldass E-8, Todarmal Mrg, Jaipur
(Transferor)

(2) Shri Prabhu Dayal s/o Tikam Dass, Outside Jorlwar Singh Gate, Jaipur
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, JAIPUR**

Jaipur, the 22nd May 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq)/716—Whereas, I M. L. CHAUHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 24-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

9th shop after going from Rasta Vidhyadharji to the Western side in Tripolia Bazar, Jaipur (Southern Side) and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide registration No. 2346 dated 24-9-1979.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur
Date : 22-5-1980.
Seal :

FORM ITN'S

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 22nd May 1980

Ref. No. Rej/IAC (Acq)/717 Whereas, I M. L.
CHAUHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. House situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 6-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(1) Shri Megh Singh s/o Shri Jawan Singh Rajput, Nirwan Marg Badapana Khandela House, Jaipur (Transferor)
 (2) Shri Laxminarain s/o Shri Shiv Sahai Satni, Nari-ka-Naka near Water Tank, Jaipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Eastern portion of Badapana Khandela house Municipal No 1156 Nirwan Marg, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide registration No. 2185 dated 6-9-1979.

M. L. CHAUHAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 22-5-1980.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shrimati Heera Bai w/o Seth Milapchand Kothari,
Kothar Bhavan, Johri Bazar, Jaipur
(Transferor)

(2) Shri Natendia Jain s/o Shri Santosh Singh Jain Surya
Bhawan Film Colony Jaipur
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JAIPUR

Jaipur, the 21st May 1980

Ref. No. : Rej/IAC(Acq)./712—Whereas, I M.L.
CHAUHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No 65 situated at Jaipur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 17-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 65, Hathroi Scheme, Ajmer Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 2259 dated 17-9-1979.

M.L. CHAUHAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 21-5-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : ~

FORM ITNS—

(1) Shri Ramjilal s/o Gordhanlal Vaish Rasta Kiran
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE JAIPUR

Jaipur the 21st May 1980

Ref. No : Rej/IAC (Acq)/713—Whereas, I M. L.
CHAUHAN

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Abadi land situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 4-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—
(2) Shri Ghanshyamdas s/o Shri D.D. Sharda, Lal Niwas
Plot No. 15, Jaipur
(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act as respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Abadi land at Yudhister Marg C-Scheme, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jaipur vide registration No. 2159 dated 4-9-1979.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

33—116GI/80

M.L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 21-5-1980.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur the 17th May 1980

Ref No P.I.A.C/(Acq) 711—Whereas I M L CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No —— situated at Vill Dcoli Ar b (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kotah on 20-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Chimanlal Kachhi s/o Shri Gaurilal Kachhi, H No 302, Ward 1, Vill Roilhera Teh J. mpa (Transferor)

(2) Shrimati Koshly Devi, W/o Shri G S Ujjawal Executive Engineer Kishorepur Opp B.T. Mazid, Kotah (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Cultivated (Nahri) land measuring 24 biswas and 13 biswas situated Village Deoli Arab, Tehsil Ladhpura, Kotah and more fully described in the sale deed registered by S R Kotah registration No 1235 dated 20-9-1979

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M L CHAUHAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-5-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Satendra Kumar Agarwal Through Shri Sudhir Kumar Gang (Attorney)
 (Lessor)
 (2) Shri Syed Ayaz Ali
 (Transferee)
 (3) Above seller & tenants
 (Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW**

Lucknow, the 22nd May 1980

Ref. No. GIR No. S-191/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 298, situated at Civil Lines, Unnao (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kannauj on 10-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises No. 298 situate at Civil Lines, Unnao having an area of about 943.66 sq. yds measuring towards East about 41' 6" towards West 55' 6" towards North 192' and 90 yards, South 192' bounded as below. The annual house rent and water-tax of the property is Rs. 4/- and Rs. 40/- respectively

East—Another property.

West—Premises belonging to S. R. Shanker Pandey & others.

North—Another property; and

South—Common 15' wide road, to be in common use by the vendor and the rest of the adjoining property etc.

and all that description of the property which is mentioned in the sale-deed and form 37G No. 2283/79 which have duly been registered in the office of the Sub-registrar, Kannauj, on 10-12-1979.

A. S. BISEN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range Lucknow.

Date . 22-5-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) (1) Rijendra Narain Kaul; (2) Gautam Narain Kaul,
 (3) Vijay Narain Kaul
 (Transferor)

(2) Shri Manoj Kumar Kaul
 (Transferee)

(3) Above sellers
 (Persons in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**
ACQUISITION RANGI, LUCKNOW

Lucknow the 8th April 1980

Ref. No M-114/Acq. - Whereas I, A.S. BISEN being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), herein-after referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

B-27/80-A Durga Kund, situated at Ravindra Puri, Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 21-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of House Nagar Mahapalika No. B-27/80-A, situated at Mohalla Durga Kund, Bhelpur, Varanasi and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 8381 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Varanasi, on 21-9-1979.

A.S. BISEN
 Competent Authority
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
 Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-4-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, JAIPUR**

Jaipur, the 26th May 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/719 Whereas, I, M.L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 94-B situated at Udaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Udaipur on 5-9-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(1) Shri Prem Narain Mathur s/o Shri Chunnial Mathur Vice-President Vanasthali Vidya Peeth, Vanasthali Distt., Tonk.

(Transferor)

(2) Shrimati Sampat Devi w/o Shri Fatch Singh Mehta, Advocate, Udaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Part of house property bearing No. 94-B Bhupalpura, Udaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Udaipur vide registration No. 2361 dated 5-9-1979.

M.L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 26-5-1980.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Prem Narain M. than s/o Shri Ch. N. K. than
Vice-President Vanasthali Vidya Peeth, Vanasthali,
Distt. Tonk.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 26th May 1980

Ref. No. Rej/IAC/(Acq)—Whereas, I, M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 94-B situated at Udaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 5-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Part of house property bearing No. 94-B Udaipur, Udaipur and more fully described in the sale deed registered 12 S.R. Udaipur vice registration No. 2770 d. dated 5-9-1979.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 26-5-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Shri Mukhram s/o Chihoga Ram R/o near Housing Board 3-E Choti, Sriganganagar. (Transferor)

(2) Shri Jugal Kishore s/o Sh. Chiranjitlal, Subhash Chand s/o Sh. Hukamchand, Mitra Dutt s/o Sh. Moolraj & Smt. Naraini Devi Karangpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 27th May 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref No. : Rej/IAC (Acq.) /720—Whereas, I M. L. Chauhan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Sriganganagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sriganganagar on 25-9-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 3 bighas and 10 biswas located at Chak 3 E Choti, Sriganganagar and more fully described in the sale deed registered by S.R. Sriganganagar vice registration No. 2283 dated 25-9-79.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-5-80
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Dhanraj s/o Shri Bakashram Kumbar, Agrasen Nagar, 3-E Choti, Sriganganagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 27th May 1980

Ref No : Rej/IAC (ACQ.)/721—Whereas, I M. L. Chauhan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing and bearing No. Agri. land situated at Sriganganagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at of the Registering Officer at Sriganganagar on 26-9-79. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agt. land measuring 3 bighas and 12 biswas located at Chak 3 E Choti, Sriganganagar and more fully described in the sale deed registered by S.R. Sriganganagar vide registration No. 30003 dated 26-9-79.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-5-80

Seal :

FORM ITNS—

(7) Shrimati Manohari Devi w/o Shri Laduram Sharma,
Parewda Road Post Jaswantgarh. (Nagpur).
(Transferor)

(2) Shri Jamna Prasad Bagotiya s/o Shri L. R. Bagotiya,
23-B Shivji Marg, near Diggi House, Jaipur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, JAIPUR**

Jaipur, the 29th May 1980

Ref No.: Rej/IAC(Acq.)/722—Whereas, I, M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. S. P. 6 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on on 6-9-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Northern portion of plot No. S.P. 6, Meti Doongri Extension scheme (UIT), Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vice registration No. 2193 dated 6-9-79.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

34—116GI/80

Date : 29-5-80

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 29th May 1980

Ref No. Rej/IAC (Acq.)/726—Whereas, I, M.L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House property No. 7 situated at Ajmer (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ajmer on 1-9-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Shree Karan Sharda Ex. M.P. Pushkar Road, Ajmer, self and karta of HUF late Ramvilas Sharda, (Transferor)
- (2) Shri Tekchand and Jethanand sons of Budhamal c/o Chattaram Sital dass Coal dealer, Dhammandi, Ajmer. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of property bearing AMC No. 7 Pushkar Road, Mahaveer Colony, Ajmer and more fully described in the sale deed registered by S.R. Ajmer vide registration No. 2569 dated 1-9-79.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date : 29-5-80
Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati Kamla Kumari w/o Shri Ashok Singh, Basant Marg, Bani Park, Jaipur.
(Transferor)

(2) Shri Ram Sarup Vijaivargiya s/o Shri Ram Karan, C-34 Lajpat Marg, C-Scheme, Jaipur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JAIPUR

Jaipur, the 29th May 1980
JAIPUR

Ref No. : Rej/IAC (Acq.)/ 724—Whereas, I, M. L. Chauhan, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, **being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)**

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No.

Plot No. 2-B situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 10-9-80.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 2B, Bhawani Singh Road, C-Scheme, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide registration No. 2674 dated 10-9-79.

M.L. CHAUHAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-5-80

Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati Kamla Kumari w/o Sh. Ashok Singh, Basant Marg, Bani Park, Jaipur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Santosh Vijaivargiya w/o Sh. Ram Swaroop Vijaivargiya, C-34, Lajpat Marg, C-Scheme, Jaipur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

OFFICE OF THE I.A.C.
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 29th May 1980

Ref No. Rej/IAC (Acq.)/723—Whereas, I, M.L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 2A situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer ..

Jaipur on 5-9-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Plot No. 2A, Bhawani Singh Road, C-Scheme, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide registration No. 2623 dated 5-9-79.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

M.L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 29-5-80

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 29th May 1980

(1) Shree Karan Sharda Ex. M. P. Pushkar Road.
Ajmer, self and Karta of HUF late Ramvilas Sharda,
(Transferor)
(2) Shri Budha Mal partner of Chataram Sitaldass
Dhanmandi, Ajmer.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of Property bearing AMC No. 7 Pushkar Road, Mahaveer Colony, Ajmer and more fully described in the rlae deed registered by S R. Ajmer vide registration No. 2568 dated 1-9-80.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-5-80
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)**

(1) Smt. Krishnammal,
w/o Shri Krishnamurthy
Thiruvudaimarudu,
Kumbakonam.

(2) Transport Corporation of India Ltd., 242-B, Kamarajar
Road, Madurai.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-I, MADRAS**

Madras-600006, the 5 May 1980

Ref. No. 6/SEP/79—Whereas, I O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R. S. No 209/1 & 209/3 situated at Vilangudi village, Madurai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SRO Pudumandapam (Doc. No. 1616/79) on Sep. 79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Document no 1616/79 S. R. O. Pudumandapam, Madurai,
Land s at R.S. No. 209/1—18 Cents] Villangudi Village,
Lands at R. S. No. 209/3—10 Cents] Madurai.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I Madras-600 006.

Date : 5-5-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Smt. L. Savithiri Ammal, W/o Shri Lakshminarasi-mahan South Car Street, Palani.
(Transferor)

(2) Transport Corporation of India Ltd., 242-B, Kamarajar Road, Madurai.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE I, MADRAS

MADRAS-600 006, the 5th May 1980

Ref. No. : 7/SEP/79—Whereas, J. O. ANANDARAM; being the Competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R. S. No. 209/1 & 209/3, situated at Vilangudi Village, Madurai.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908), in the office of the Registering Officer at SRO Pudumandapam. (Doc. No. 1617/79) on Sept. 79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(2) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Document No. 1617/79 S.R.O. Pudumandapam, Madurai.
Lands in R. S. No. 209/1—18 Cents. } Villangudi Village,
Lands in R. S. No. 209/3—10 Cents. } Madurai.

O. ANANDARAM.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Madras

Date : 5-5-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Smt. Meenakshi Ammal, W/o Shri Sundaram Iyer,
Vilangudi, Madurai.

(Transferor)

(2) Transport Corporation of India Ltd., 242-B, Kamarajar
Road, Madurai.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006.**

Madras-600006, the 5th May 1980

Ref. No. 8/SEP/79—Whereas, I, O. ANANDARAM; being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R. S. No. 209/1 situated at Vilangudi Village, Madurai. (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Pudumandapam. (Doc. No. 1618/79) on Sept. 79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afores exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expresions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Document No. 1618/79 S.R.O Pudumandapam, Madurai.
Lands at R.S. No. 209/1—28 Cents in Vilangudi Village, Madurai.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-
Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

Date : 5-5-1980.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. V. Subuthai Ammal w/o Shri Venkitanarasu Iyer, 1, Dr. Gopalan Street, Palani,
(Transferor)

(2) Transport Corporation of India Ltd., 242-B, Kamarajar Road, Madurai.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 5th May 1980

Ref. No. 9/SEP/79—Wheresas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R.S. No. 209/1 situated at Vilangudi Village, Madurai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pudumandapam. (Doc. No. 1619/79) on Sept. 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Document No. 1919/79 S.R.O. Pudumandapam, Madurai.
Lands in R.S. No. 209/1—28 Cents in Villagudi Village, Madurai.

O. ANANDARAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—
35—116GI/80

Date : 5-5-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Smt. Kamatchi Ammal, w/o Shri Sitaram Iyer, 8, Srinivasapuram Thennoor High Road, Trichy.
(Transferor)

(2) Transport Corporation of India Ltd., 242-B, Kamarajar Road, Madurai
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600006.

Madras-600 006, the 5th May 1980

Ref. No. 10/SEP/79—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R. S. No. 209/1 situated at Vilangudi Village, Madurai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

S.R.O. Pudumandapam, (Doc. No. 1620/79) on Sept. 69 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Document No. 1620/79 S. R. O. Pudumandapam Madurai.
Lands in R.S. No. 209/1—28 Cents in Villagudi Village, Madurai.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri G. Paramasivam, Chief Officer, The South India Bank Ltd., 62, East Car Street, Einnelveli.
(Transferor)

(2) Shri C. Palanisamy, Administrative Officer, Tamilnadu Mercantile Bank Ltd., Tuticorin.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006.

Madras-600 006, the 5th May 1980

Ref. No. 11/SEP/79—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

8/26, 8/2, 3, 4, 5, & 8/46 situated at South Mudhukulathur Road, Kamudhi, Ramnad Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Kamudhi (Doc. No. 1554/79) on September 79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Document No. 1554/79 S.R.O. Kamudhi,
Land & Buildings at Door No. 8/26, 8/2, 3, 4, 5 & 8/46 South
Mudhukulathur Road, Kamudhi, Ramnad Dt.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range -I, Maraas-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) 1. Shri S. Alaxgarsamy Chettiar. 2. Shri S. Ramalingam
No. 59, East Avanimoola Street, Madurai.
(Transferor)
(2) Smt. A. Periathal, w/o Shri Ayyanchami Gounder,
Naduthottam Palani.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-600006

MADRAS-600 006, the 5th May 1980

Ref. No. 12/SEP/79—Whereas, I O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T.S. No. 2/1, situated at 4th Ward, Palani. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JRO II, Madurai (Doc. No. 1023/69) on September 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Document No. 1023/79 J. S. R. O. II, Madurai.
Land & Buildings at Door No. T. S. No. 22/1, 4th Ward, Palani.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1 Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 5-5-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri B.K. Lakshmanan, 3 Manika Krishnasamy
Iyer Lane, Madurai

(Transferor)

(2) 1. Shri P. S. Sadasivan. (2) Shri P. S. Mothilal (3)
Shri P. S. Manoharan. No. 140, Kilavelli Veedhi, Madurai.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras-600 006, the 5th May 1980

Ref. No. 26/SEP/79—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Old Door No. 30, New No. 2 situated at 3 Manika Krishnasamy Iyer Lane, Madurai.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSPO II Madurai (Doc. No. 3478/79) on September 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Document No. 3478/79 JSRO II. Madurai.

Land & Buildings at Door No. (Old) 30, New No. 2
3 Manika Krishnasamy Iyer Lane, Madurai.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1980
Seal :

FORM ITNS —————

(1) Shri S. Boopathy, 3/122, Ayyadurai Pillai Street,
Paramakudi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri N. Rajan, 24, Khanpalayam 3rd Street, Madurai.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-1 MADRAS**

Madras-600 006, the 5th May 1980

Ref. No. 29/SEP/79—Whereas. I O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3, at Singarayar Colony East Street, Madurai-2, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at SRO Madurai (Doc. No. 4014/79) on September 79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Document No. 4014/79 S.R.O. Madurai.

Land & Buildings at Door No. 3, Singarayar Colony East Street, Maduri.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I,
Madras-600006.

Date : 5-5-1980

Seal :

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—